स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, बुधवार
16 जुलाई, 2025
श्रावण मास कृष्ण पक्ष 6
सं. 2082 वि.
वर्ष 78, अंक - 324 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

सायना नेहवाल के बाद मशहूर पहलवान दिव्या काकरान ने भी लिया तलाक

अंतरिक्ष से 18 दिन बाद लौटे शुभांशु

कैलिफोर्निया। धरती पर सकुशल उतरा शुभांशु शुक्ला का यान। प्रशांत महासागर में यान सफल स्प्लैशडाउन हुआ। यान के समुद्र में उतरते ही पूरा देश खुशी से झूम उठा। इसके साथ ही शुभांशु शुक्ला भावुक और गौरवान्वित होते हुए इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। शुभांशु शुक्ला सहित चार अंतरिक्ष यात्री (एस्ट्रोनॉट) स्पेस स्टेशन में 18 दिन रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। करीब 23 घंटे के सफर

- कैलिफोर्निया के तट पर हुई स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग
- पहली बार कोई भारतीय आईएसएस गया था
- 17 अगस्त तक भारत लौट सकते हैं शुभांशु

ने इतिहास रच दिया। जैसे ही शुभांशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों को लेकर यान समुद्र में उतरा, देश में भावनाओं का ज्वार उमड़ पड़ा। शुभांशु के माता-पिता के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया के तट पर लैंडिंग हुई। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम 4.45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे।

सभी एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4.01 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे ये रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। शुभांशु 17 अगस्त तक भारत लौट सकते हैं। अंतरिक्ष यात्रियों को लैंडिंग के बाद मेडिकल जांच और रिहैबिलिटेशन के लिए आमतौर पर सात दिन लग सकते हैं, ताकि वे पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में फिर से ढल सकें। इसके बाद वे भारत लौटेंगे।

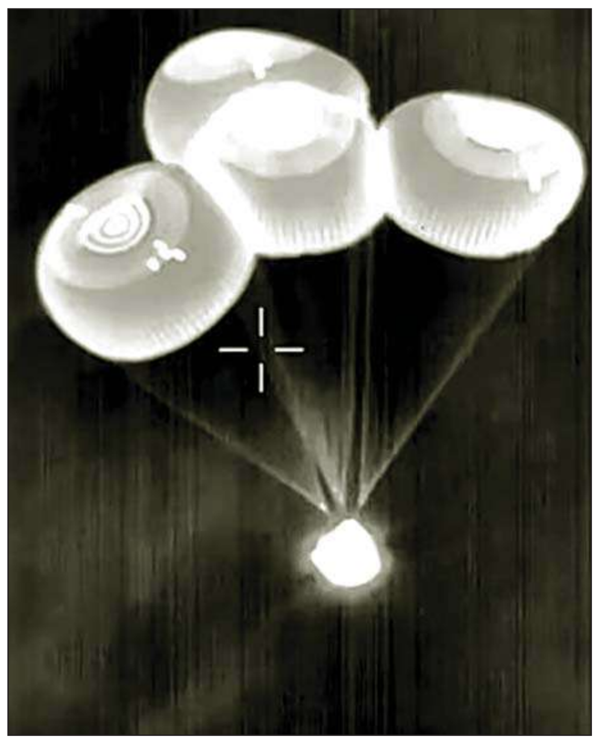

18 दिन स्पेस स्टेशन में शुभांशु ने क्या-क्या किया

60 वैज्ञानिक प्रयोग : शुभांशु ने मिशन के दौरान 60 से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोगों में हिस्सा लिया। इनमें भारत के सात प्रयोग शामिल थे। उन्होंने मेथी और मूंग के बीजों को अंतरिक्ष में उगाया। स्पेस माइक्रोएल्गी प्रयोग में भी हिस्सा लिया। अंतरिक्ष में हड्डियों की सेहत पर भी प्रयोग किए।

प्रधानमंत्री से बात : 28 जून 2025 को शुभांशु ने आईएसएस से पीएम नरेंद्र मोदी के साथ लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। पीएम ने पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर गए हैं। क्या साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा- हां साथियों के साथ बैठकर खाया।

छात्रों से संवाद : 3, 4 और 8 जुलाई को उन्होंने तिरुवनंतपुरम, बेंगलुरु और लखनऊ के 500 से अधिक छात्रों के साथ हैम रेडियो के जरिए बातचीत की। इसका मकसद युवाओं में स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) के प्रति रुचि बढ़ाना था।

इसरो के साथ संवाद : 6 जुलाई को उन्होंने इसरो के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की, जिसमें उनके प्रयोगों और भारत के गगनयान मिशन के लिए उनके योगदान पर चर्चा हुई।

पृथ्वी की तस्वीरें : शुभांशु ने आईएसएस के कपोला मॉड्यूल से पृथ्वी की शानदार तस्वीरें खींचीं, जो सात खिड़कियों वाला एक खास हिस्सा है।

41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में गया

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया था। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है।

एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं शुभांशु शुक्ला

शुभांशु शुक्ला एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं, जिसकी एक सीट के लिए भारत ने 548 करोड़ रुपए चुकाए हैं। यह एक प्राइवेट स्पेस फ्लाइट मिशन है, जो अमेरिकी स्पेस कंपनी एक्सियम, नासा, इसरो और स्पेसएक्स की साझेदारी से हो रहा है।

माता-पिता हुए भावुक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारतीय सेना के ग्रुप कैप्टन लखनऊ निवासी शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष यान के सकुशल लैंड करते ही उनके माता-पिता भावुक हो गए। उन्होंने इस दौरान लैंडिंग का सजीव प्रसारण देखा। लखनऊ के सीएमएस स्कूल में पहले से ही इसके लिए इंतजाम किए गए थे। शुभांशु की मां आशा देवी और पिता शंभू दयाल शुक्ला भावुक हो गए। मां बोलीं ये हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है। बहन शुचि मिश्रा ने कहा, वह वापस आ गए हैं। यह पूरे देश के लिए बहुत गौरव का क्षण है...हम बहुत उत्साहित हैं। शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने कहा, मैं इस चीज को शब्दों में बयान नहीं कर सकती हूं। जब लैंड हो रहा था तब बस थोड़ा डर लगा था लेकिन सब अच्छे से हो गया है ईश्वर साथ में हैं, उन्होंने उसे वहां पहुंचाया था और उन्होंने ही उसे सुरक्षित लैंड कराया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।

यह गगनयान मिशन की दिशा में मील का पत्थर : मोदी

पीएम मोदी ने शुभांशु शुक्ला के सकुशल धरती पर लौट आने पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें पीएम मोदी ने लिखा मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है।

हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण : राजनाथ

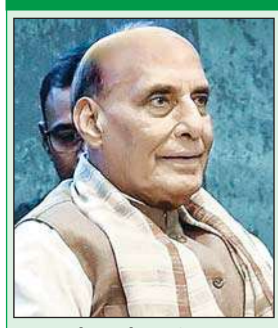

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की एक्सिओम-4 मिशन के तहत सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने न केवल अंतरिक्ष को छुआ है, बल्कि भारत की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनका अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक का सफर सिर्फ उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं का भी बड़ा कदम है। उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों में ढेर सारी सफलता की कामना करता हूं।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की सजा टली

नई दिल्ली/सना। केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में होने वाली फांसी की सजा टल गई है। निमिषा प्रिया को 16 जुलाई को अपने बिजनेस

- हत्या के मामले में दी जानी थी फांसी

पार्टनर तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में फांसी की सजा दी जानी थी। केरल के प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम नेता कंथापुरम ए पी अबूबकर मुसलियार और भारत सरकार के हस्तक्षेप से हो रही बातचीत के बाद यमन के स्थानीय अधिकारियों ने निमिषा की सजा स्थगित कर दी है।

बताया जा रहा है कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में निमिषा प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए और समय देने के लिए लगातार प्रयास किए। भारतीय अधिकारी यमन के जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क में रहे हैं।

निमिषा प्रिया पर आरोप है कि उन्होंने साल 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर तालाल अब्दो महदी की हत्या की थी। इस मामले में उन्हें 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी और उनकी अंतिम अपील 2023 में खारिज हो गई। 16 जुलाई 2025 को उन्हें फांसी देने की तारीख तय की गई थी। फिलहाल निमिषा यमन की राजधानी सना की जेल में बंद हैं।

मामले में सरकार के साथ ही केरल के प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम नेता कंथापुरम ए पी अबूबकर मुसलियार ने भी यमन में बातचीत की पहल की और सजा टालने का अनुरोध किया था। मुसलियार के जरिये यमन के एक प्रमुख सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हफीज के प्रतिनिधि और मृतक तालाल अब्दो महदी के परिवार के बीच बातचीत हुई।

राहुल को मानहानि मामले में मिली जमानत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि के एक मामले में लखनऊ की एक अदालत ने ज़मानत दे दी है। जानकारी के अनुसार अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा की अध्यक्षता वाली एमपी.एमएलए कोर्ट ने उन्हें 20.20 हज़ार के दो मुचलके भरने पर राहत दी। यह मामला भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों से जुड़ा है। अदालत के समन का पालन करते हुए राहुल गांधी सांसदों और विधायकों के लिए बने विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुए। यह विवाद 16 दिसंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान गलवान घाटी में हुई झड़पों का ज़िक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि चीनी सैनिक हमारे सैनिकों को पीट रहे हैं और कोई इस बारे में सवाल तक नहीं पूछ रहा है। हालाँकि भारतीय सेना ने कुछ दिन पहले ही 12 दिसंबर को एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया था कि चीनी सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश की थी लेकिन उन्हें कड़ा और माकूल जवाब दिया गया।

निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश पर चार्जशीट

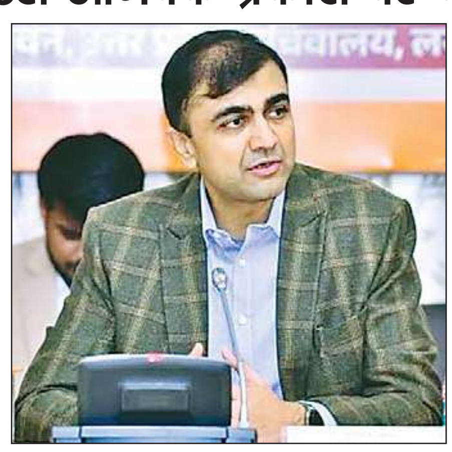

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। 400 करोड़ रुपये की घूसकांड में निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश को भ्रष्टाचार के संगीन आरोपों पर चार्जशीट थमाई गई है। राजस्व परिषद और इन्वेस्ट यूपी से जवाब

- दो संगीन आरोपों में यूपी सरकार ने की कार्रवाई

आने के बाद तैयार हुई चार्जशीट में अभिषेक प्रकाश पर डिफेन्स कॉरिडोर घोटाले और इन्वेस्ट यूपी से जुड़े घूसकांड प्रकरण में लगे भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र है। डिफेन्स कॉरिडोर घोटाले से जुड़ी चार्जशीट में अभिषेक प्रकाश के ऊपर प्रशासनिक लापरवाही से जुड़े चार आरोप मुख्य तौर पर लगाए गए हैं। जिनका जवाब उनसे मांगा गया है। यह घोटाला लखनऊ के सरोजनीनगर के भटगांव में हुए 58 करोड़ के डिफेन्स कॉरिडोर घोटाले से जुड़ा है। इन्वेस्ट यूपी से जुड़े घूसखोरी प्रकरण में जो चार्जशीट अभिषेक प्रकाश को थमाई गई है, उसमें मुख्यतः एक ही आरोप लगाया गया है। जिसमें सौर ऊर्जा के कलपुर्जे बनाने का संयंत्र लगाने वाली कंपनी एसएईएल सोलर पी-6 प्राइवेट लिमिटेड की उस फाइल का जिक्र है, जिसमें पांच प्रतिशत कमीशन (400 करोड़) के चक्कर में लेटर ऑफ कम्फर्ट (एल ओ सी) कम्पनी को नहीं जारी किया गया था।

अभिषेक प्रकाश से इन आरोपों का जवाब मांगा गया है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि अभिषेक प्रकाश इन आरोपों पर क्या जवाब देते हैं और आगे की कार्रवाई क्या होगी।

जम्मू में खाई में गिरा टेंपों ट्रेवलर, पांच की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक टेंपों ट्रेवलर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 यात्री घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के पोंडा इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यात्रियों से भरा एक टेंपों ट्रेवलर अचानक बेकाबू होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि डोडा शहर से 20-25 किलोमीटर दूर भारत गांव के पास यह हादसा हुआ।

कांवड़ यात्रा : दुकानों में अनिवार्य क्यूआर कोड मामले में अदालत सख्त

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा मार्ग पर बनी दुकानों पर क्यूआर कोड लगाने और दुकान मालिकों की पहचान

- यूपी से 22 तक मांगा जवाब

उजागर करने के उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। साथ ही 22 जुलाई तक जवाब मांगा है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी सरकार से जवाब तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल भी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के निर्देशों पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 25 जून को यूपी सरकार द्वारा जारी निर्देश का हवाला देते हुए शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा ने कहा कि नए निर्देश के तहत कांवड़ मार्ग पर बने सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है।

स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

पंजाब। अमृतसर के गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी फिर से मिली है। धमकी भरा ईमेल लगातार दूसरे भी आया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को ईमेल के ज़रिए मिली बम की धमकी के बाद स्वर्ण मंदिर परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

क्रिकेटर यश दयाल को हाईकोर्ट से राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट से क्रिकेटर यश दयाल को फिलहाल राहत मिल गई है। कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर पर किसी भी तरह की पुलिस उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। साथ ही विपक्षी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा व न्यायमूर्ति अनिल कुमार की खंडपीठ ने की सुनवाई। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में एक युवती ने यश दयाल पर शादी का वादा कर यौन उत्पीड़न के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी। क्रिकेटर यश दयाल ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उनकी मांग थी कि गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए दर्ज एफआईआर रद्द की जाए। यश दयाल के खिलाफ युवती ने 6 जुलाई को गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में बीएनएस की धारा 69 के तहत मामला दर्ज कराया है।

युवाओं को रोजगार के लिए कटिबद्ध है भाजपा सरकार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि भाजपा की सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। विश्व युवा कौशल

- विश्व युवा कौशल दिवस पर बोले सीएम योगी

दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय कौशल मेले और प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद योगी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षित युवा आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत है और भाजपा की सरकारें उन्हे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिये कटिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ की आबादी में 56 से 60 प्रतिशत लोग कामकाजी वर्ग से हैं। इन युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होने कहा कि इस वर्ष की थीम 'एआई और डिजिटल स्किल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण' उत्तर प्रदेश के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, क्योंकि यह राज्य की युवा शक्ति को नई दिशा प्रदान करने का आधार बन रही है। योगी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने कहा हमने स्केल को स्किल में बदलने के लिए कई कदम उठाए हैं।

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का टाइम टेबल जारी

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2025 का टाइम टेबल जारी कर दिया है। जिन उम्मीदवारों ने प्रारंभिक परीक्षा पास की है, वे अब मुख्य परीक्षा में शामिल होंगे। आयोग की ओर से विस्तृत शेड्यूल आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर जारी किया गया है। सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 22, 23, 24, 30 और 31 अगस्त 2025 को आयोजित की जाएगी। यूपीएससी सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2025 दो शिफ्टों में आयोजित की जाएगी। पहली शिफ्ट सुबह 9.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक होगी, जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक चलेगी।

'संजय दत्त सीधे-सादे आदमी लेकिन एक चूक कर दी थी'

नई दिल्ली। मुंबई बम धमाकों की सुनवाई में विशेष सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम ने एक बड़ा दावा

- 1993 के मुंबई बम धमाके पर उज्जवल निकम का बड़ा खुलासा

किया है उनका कहना है कि अगर अभिनेता संजय दत्त ने एके-47 से भरी वैन की जानकारी पुलिस को दी होती, तो साल 1993 के मुंबई बम धमाके रोके जा सकते थे। इस हमले में 267 लोगों की जान गई थी और देश की सबसे बड़ी आतंकी घटनाओं में से एक के रूप में इसे याद किया जाता है।

उज्ज्वल निकम अब राष्ट्रपति की सिफारिश पर राज्यसभा में जा रहे हैं, ऐसे में उन्होंने ये एक न्यूज चैनल के साथ इंटरव्यू में कहा कि संजय दत्त ने हथियार रखने का अपराध तो किया था, लेकिन उन्होंने कभी एके-47 का इस्तेमाल नहीं किया। उनका इरादा आतंक फैलाना नहीं था, बल्कि वह सिर्फ हथियारों की तरफ आकर्षित थे। निकम ने कहा कि उसने कानून की नजर में अपराध किया, लेकिन वह एक सीधा-सादा आदमी है। मैंने उसे निर्दोष माना। निकम ने बताया कि धमाके से कुछ दिन पहले ही अबू सलेम संजय दत्त के घर एक वैन लेकर आया था, जिसमें ग्रेनेड और एके-47 जैसे हथियार थे। संजय दत्त ने कुछ हथियार लिए, फिर लौटाकर केवल एक एके-47 अपने पास रख ली। अगर उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी होती, तो जांच शुरू होती और शायद 12 मार्च, 1993 के धमाके टल जाते। साल 1993 के मामले में अदालत ने संजय दत्त को आतंकवाद विरोधी कानून टाडा से तो बरी कर दिया था, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाया। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में उनकी छह साल की सजा घटाकर पांच साल कर दी थी। उन्होंने यह सजा पुणे की यरवदा जेल में पूरी की।

अजमल कसाब पर निकम का 'बिरयानी' बयान

26/11 हमले के दोषी पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब पर भी निकम ने बड़ा केस लड़ा था। उस समय उनके बिरयानी वाले बयान ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। अब निकम ने कहा कि कसाब ने सच में बिरयानी की मांग की थी, लेकिन इस मुद्दे को बाद में राजनीतिक रंग दे दिया गया। लंबे समय तक देश के अहम मामलों में वकालत कर चुके उज्ज्वल निकम अब राजनीति में कदम रख रहे हैं। राष्ट्रपति की सिफारिश पर उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है।

स्कूल विलय नीति मौलिक अधिकारों का उल्लंघन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को शिक्षा के मुद्दे पर जबरदस्त जनआंदोलन देखने को मिला। अपना दल (कमेरावादी) की विधायक और तेजतर्रार नेता डॉ. पल्लवी पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी प्रदेश सरकार द्वारा 27,764 प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर अन्य विद्यालयों में मर्जर की योजना के खिलाफसड़कों पर उतर आए। दोपहर करीब 12 बजे लालबाग स्थित पार्टी कार्यालय से एक विशाल जुलूस निकला, जो नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ा।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'भाजपा सरकार शर्म करो - शिक्षा पर हमला बंद करो', 'मर्जर नहीं सुधार चाहिए - हर गांव में फिर से स्कूल चाहिए' और 'शराब की दुकान गली-गली, स्कूल गांव से दूर चली...' जैसे नारों से लिखी तख्तियां थीं और राजधानी की फिज़ा इन नारों से गूंज उठी। पुलिस ने दारुलसफा के पास बैरिकेडिंग लगाकर जुलूस को रोका। इसके बाद अपना दल कमेरावादी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मर्जर की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। डॉ. पल्लवी पटेल ने इस मौके पर कहा कि भाजपा सरकार की यह मर्जर नीति शिक्षा के मौलिक अधिकारों का खुला हनन है और यह गरीब तथा ग्रामीण समाज की पहली शिक्षित पीढ़ी के भविष्य को अंधकार में धकेलने की साजिश है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक विद्यालय और तीन किलोमीटर के भीतर उच्च प्राथमिक विद्यालय खोलना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है, लेकिन मर्जर की आड़ में इसे पूरी तरह रौंदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वास्तव में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के नारे को ईमानदारी से लागू करना चाहती है तो उसे गांव-गांव स्कूल खोलने होंगे, बंद नहीं करने होंगे। स्कूलों के दूर चले जाने से सबसे पहले बेटियों की पढ़ाई छूटेगी। यह केवल शिक्षा पर हमला नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय पर भी सीधा प्रहार है।

डॉ. पल्लवी पटेल ने साफ चेतावनी दी कि यदि सरकार ने स्कूलों के मर्जर की यह योजना वापस नहीं ली तो अपना दल कमेरावादी पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन छेड़ेगा और सरकार को सड़कों से जवाब दिया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी. एल. पटेल ने की, जबकि संचालन प्रदेश महासचिव गगन प्रकाश यादव ने किया।

आवासीय योजनाओं, बड़े भवनों, स्कूलों व पार्कों में जल संरक्षण के हों उपाय : डीएम

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विशाख जी. की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जनपद में गिरते भूगर्भ जल स्तर को रोकने और जल संरक्षण के लिए ठोस रणनीति तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से आवासीय कॉलोनियों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के मानकों की जानकारी ली। चीफ इंजीनियर ने बताया कि 300 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले भवनों में रुफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने इस पर निर्देश देते हुए कहा कि सभी आवासीय योजनाओं में संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि 300 वर्ग मीटर से बड़े भवनों पर अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सरकारी भवनों, विद्यालयों, अस्पतालों, नगर निकाय परिसरों और अन्य संस्थानों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन भवनों में अभी यह प्रणाली स्थापित नहीं है, वहां संबंधित विभाग प्रस्ताव बनाकर इसे जल्द कार्यान्वित करें। खंड विकास अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अपनी कार्ययोजना में शामिल कर इसे सुनिश्चित कराएं। नगर निगम और जल कल विभाग को अपने सभी जोनल कार्यालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सभी ग्राम पंचायतों में जहां नवीन आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन आदि बनाए जा रहे हैं, वहां भी इस व्यवस्था को लागू करने को कहा गया। सभी पार्कों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट तथा पुराने हैंडपंप और ट्यूबवेल पिट को वाटर रिचार्ज पिट में परिवर्तित करना सुनिश्चित करें। साथ ही ग्राम पंचायतों में अभियान चलाकर खंड विकास अधिकारी ऐसे क्षेत्रों का चिन्हांकन करेंगे जहां जलभराव की समस्या है और वहां मनरेगा के तहत सोक पिट बनाए जाएंगे।

खबर एक नजर

31 जुलाई तक महाभियान चलाकर किसानों को दिया जायेगा लाभ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही मंगलवार को बैंकों तथा कृषि बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ किसान क्रेडिट कार्ड की अद्यतन स्थिति के संबंध में समीक्षा बैठक की। उन्होंने लीड बैंक तथा अन्य सभी संबंधित बैंकों द्वारा केसीसी पर अपनाई गई कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की। बैंकों को 31 जुलाई तक युद्ध स्तर पर कार्य करके जरूरतमंद किसानों को केसीसी का लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। बैठक के दौरान श्री शाही ने सभी बैंक प्रतिनिधियों से उनके बैंकों द्वारा अब तक किये गये केसीसी ऋण की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। बैंक प्रतिनिधियों की ओर से संतोषजनक प्रत्युत्तर न मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने 31 जुलाई तक केसीसी ऋण उपलब्ध कराने के लिए विशेष महाभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने की भी आवश्यकता है, जिससे जरूरतमंद किसानों तक सम्पूर्ण जानकारी पहुंच सके। बीमा कंपनियों द्वारा प्रत्येक तहसील स्तर पर कार्यालय न खोले जाने तथा किसानों के प्रति उनके उदासीन रवैये पर भी मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियां प्रत्येक तहसील स्तर पर कार्यालय खोलकर किसानों को आवश्यक सहायता उपलब्ध करायें।

जन कल्याण समिति की कार्यकारिणी बैठक

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विवेक खंड 3 जन कल्याण समिति की कार्यकारिणी बैठक को आयोजित की गई। बैठक में गोमती नगर जन कल्याण महासमिति के महासचिव डॉ. राघवेंद्र शुक्ला भी उपस्थित थे। वी के सिंह रिटायर्ड आईएएस को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया। मीता ढल को क्रीडा सचिव और अर्चना सिंह को सांस्कृतिक सचिव का कार्यभार सौंपा गया। डॉ. राघवेंद्र शुक्ला ने महिला कार्यकर्ताओं के योगदान की प्रशंसा की और उनके लिए कपड़ा बैंक और सेनेटरी पैड वितरण जैसे कार्यक्रमों पर चर्चा की। बैठक में पार्क के रखरखाव और नए पौधों की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। अध्यक्ष बी डी मिश्रा ने अपना धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सावन उत्सव का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। महिला योगशक्ति फाउंडेशन ने सावन उत्सव का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नीमा पंत और मुख्य जज मधु सुभाष ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में नृत्य और गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नृत्य प्रतियोगिता में उर्मिला मिश्रा, संध्या पांडे और पूनम पटेल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। गायन प्रतियोगिता में लीला त्यागी, प्रियंका शुक्ला और पूनम अवस्थी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला योगशक्ति फाउंडेशन की संस्थापिका कुसुम पाठक ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को निखारना है।

ताइक्कांडो हॉल ऑफ फेम 2 को

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। भारत में ताइक्कांडो की कला के लिए खुद को समर्पित किया उन्हे विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा, जिनमें राष्टीय ताइक्कांडो खिलाड़ी, लाइफटाइम अचीवमेंट, सीनियर मास्टर इंस्ट्रेलक्टर, अंतर्राष्टीय ताइक्कांडो खिलाड़ी, ताइक्कांडो में मास्टर और ताइक्कांडो में ग्रैंडमास्टर शामिल हैं। राजधानी में 2 अगस्त को 11 बजे हलवासिया कोर्ट आयोजित होगा 6वां ताइक्कांडो हॉल ऑफ फेम। डॉ. जी.एम. जिमी आर. जगतियानी, संस्थापक ताइक्कांडो, भारत ने इस आयोजन की घोषणा की। आयोजन का उद्देश्य उन प्रतिभावान और संभावित व्यक्तियों को सम्मानित करना है। सफल उम्मीदवारों को डिप्लोमा और योग्यता प्रमाण पत्र, पदक और टाई प्रदान की जाएगी।

हिन्दू बेटियों के शोषण के खिलाफ वीएचपी का प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ स्थित लुलु मॉल्स में कार्यरत हिन्दू बहन-बेटियों के जबरन धर्मांतरण एवं शारीरिक शोषण के मामलों में कड़ी कार्यवाही की मांग को लेकर मंगलवार को संशांत गोल्फ सिटी एंट्री प्वाइंट पार्क में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भी जिला प्रशासन को सौंप कर इस मॉल्स की गतिविधियों की जांच कराके कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गयी। इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विहिप के प्रांत प्रचार प्रमुख नृपेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि मीडिया के माध्यम से यह गंभीर जानकारी सामने आई है कि लखनऊ स्थित लुलु मॉल में कार्यरत हिंदू बहन-बेटियों को जबरन शारीरिक संबंध बनाने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। साथ ही उन पर धर्म परिवर्तन का भी अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है। लुलु मॉल जैसे प्रतिष्ठानों में कार्यरत कई महिलाएं इस तरह की अमानवीय स्थितियों का सामना कर रही हैं। इससे स्पष्ट है कि कुछ तत्व इन प्रतिष्ठानों को धर्मांतरण के केंद्र के रूप में प्रयोग कर रहे हैं, जो समाज की एकता, सुरक्षा एवं सांस्कृतिक मूल्यों के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि न केवल लुलु मॉल, बल्कि लखनऊ के अन्य प्रमुख मॉल्स व प्रतिष्ठानों की भी उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं। साथ ही, शासन स्तर पर एक निगरानी टीम का गठन किया जाए, जो समय-समय पर इन स्थानों का निरीक्षण कर संदिग्ध गतिविधि पर त्वरित कार्यवाही के लिए निर्देशित कर सके। मुख्यमंत्री से मांग की गयी है कि इस गंभीर विषय पर त्वरित संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर प्रदर्शन कारियों ने हनुमान चालीसा का भी पाठ किया। कार्यक्रम में बाराबंकी के जिला सह प्रचार प्रमुख जसवंत, बजरंग दल के प्रांत सहसंयोजक महेंद्र, विभाग संयोजक विजय बजरंगी, सहसंयोजक अमरेंद्र, जिला संयोजक नरेंद्र परमार, महर्षी नगर के प्रखंड मंत्री पवन, जानकी नगर प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप, सहित बजरंग दल एवं विहिप कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारियों का प्रशिक्षण आज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा कल 16 जुलाई को तृतीय चरण में लखनऊ में 38 जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्वाचक नामावली के आगामी पुनरीक्षण के दृष्टिगत एक दिवसीय प्रशिक्षण देंगे। आवास एवं विकास परिषद कार्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण में निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को मतदाता सूची को अपडेट करने, प्रत्येक मतदेय स्थल पर 1200 मतदाता सुनिश्चित करने जानकारी दी जायेगी। इस प्रशिक्षण में आगरा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, औरैया, कन्नौज, इटावा, लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर, खीरी, हरदोई, बाराबंकी, झांसी, जालौन, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट, गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, फतेहपुर, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं, बिजनौर, अलीगढ़, मथुरा, मुरादाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर तथा पीलीभीत के जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल होंगे।

27 हजार विद्यालय बंद के बजाय खोले जाते तो भारत बनता विश्वगुरु

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने फेसबुक लाइव के जरिए देशभर के शिक्षक संगठनों और कर्मचारियों से एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब विद्यालय ही नहीं रहेंगे तो शिक्षक भी नहीं रहेंगे, और शिक्षक नहीं रहेंगे तो शिक्षक संगठनों का भी कोई औचित्य नहीं बचेगा। उन्होंने सभी संगठनों से अपील की कि अभी भी समय है, सभी को एक मंच पर आकर विद्यालय मर्जर का विरोध करना चाहिए ताकि आने वाले समय में शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों के अस्तित्व पर कोई खतरा न आये। अपने संवाद में विजय कुमार बंधु ने विद्यालयों के विलय को निजीकरण की पहली सीढ़ी बताते हुए चेताया कि अगर अब भी लोग नहीं जागे तो भविष्य में कभी विरोध करने की स्थिति नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि जब पुरानी पेंशन बंद की गई थी, तब भी कुछ लोग यही सोचकर शांत रहे कि उनका कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन इसका परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ा और उन्हें अंधकार में धकेल दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर आज भी हम नहीं चेते तो आगे की पीढ़ियों को न केवल नौकरी गंवानी पड़ेगी बल्कि निजीकरण के चलते और भी गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने स्कूल मर्जर नीति पर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यदि 27 हजार विद्यालयों को बंद करने की बजाय 27 हजार नए विद्यालय खोलने की पहल की जाती, तब भारत वाकई विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर होता। फेसबुक संवाद में विजय कुमार बंधु ने आगामी आंदोलन की रूपरेखा भी साझा की और देशभर के शिक्षकों व कर्मचारियों से 25 नवंबर को दिल्ली पहुँच कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर आवाज उठाने की अपील की।

पांच कंपनियों को मिलेगी 104 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश में निवेश को बढ़ाने, निवेशकों को अधिक से अधिक सहूलियत प्रदान करने एवं वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाने के लिए शुरू की गई औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति के प्रदेश के अलग-अलग जनपदों में स्थापित पांच कंपनियों को 104.90 करोड़ की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने मंगलवार को विभागीय प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की। साथ ही दो कंपनियों को 7.09 करोड़ का ब्याज मुक्त ऋण भी किया स्वीकृत किया। श्री नन्दी द्वारा मेसर्स एसएलएमजी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड को 38 करोड़ 14 लाख 92 हजार 360, मेसर्स सिल्वरटन पल्प एण्ड पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड को एक करोड़ 86 लाख 16 हजार 406, मेसर्स एसीसी लिमिटेड को 17 करोड़ 02 लाख 15 हजार 711, मेसर्स वंडर सीमेंट लिमिटेड को 37 करोड़ 74 लाख 82 हजार 199 एवं मेसर्स मून बेवरेजेज लिमिटेड को 8 करोड़ 55 लाख 29 हजार 197 के प्रोत्साहन राशि प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की गई। औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना के तहत मेसर्स एसडी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड गोरखपुर को वित्तीय सहायता एवं प्रोत्साहन के रूप में 6 करोड़ 37 लाख 38 हजार एवं आरएलजे कॉनकास्ट प्राइवेट लिमिटेड चुनर मिर्जापुर को 72.50 लाख का ब्याज मुक्त ऋण स्वीकृत किया गया। श्री नन्दी ने कहा कि इस प्रोत्साहन राशि से उद्योगों को और बढ़ाने में मदद मिलेगी। 2017 से पहले जहां प्रदेश से उद्योग धंधों का पलायन हो रहा था। वहीं योगी सरकार में निवेश का प्रमुख केंद्र बन कर उभरा है। जहां निवेशकों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। प्रदेश सरकार ने निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन योजना नीति के तहत विशिष्ट नीतियां घोषित की है। इनके अंतर्गत सब्सिडी, एसजीएसटी प्रतिपूर्ति एवं व्यवसायों के लिए अन्य वित्तीय प्रोत्साहनों का प्रावधान किया गया है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को आपदा राहत किट का वितरण

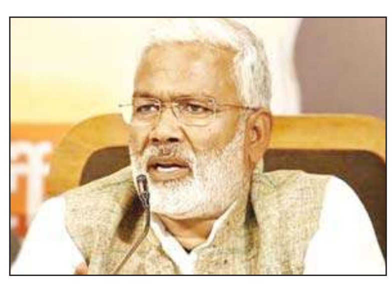

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में भारी वर्षा के कारण आई बाढ़ के क्रम में प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मंगलवार को चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने के लिए रामघाट पहुंचकर बाढ़ प्रभावित दुकानदारों, व्यापारियों, किसानों से वार्ता कर हुए नुकसान का जायजा लिया। दुकानदारों से वार्ता किया कि बीमा दुकान का हुआ है कि नहीं। जलशक्ति मंत्री ने जिलाधिकारी से कहा कि उपजिलाधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का आकलन कराकर रिपोर्ट प्रेषित करें कि कितनी दुकानों का नुकसान हुआ है।

तत्पश्चात उन्होंने भजन संध्या स्थल पर पहुंचकर आपदा राहत किट वितरण भी किया।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्परता के साथ राहत सामग्री दिया गया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में अधिक बारिश हो जाने के कारण बाढ़ का प्रकोप बढ़ा। सभी प्रभावित लोगों को सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वे के बाद दुकानदार, व्यापारी किसान व मजदूर जो भी प्रभावित है उनको तत्काल राहत दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का निर्देश है कि जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रभावित क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव व दवाओ की उपलब्धता एवं साफ सफाई की व्यवस्था अच्छी रहनी चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए।

संभावित बाढ़ से बचाव को सभी तैयारियां पूरी करे

प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को बॉदा के संभावित बाढ क्षेत्र चिल्ला घाट के मदनपुर पंप नहर के तट पर यमुना नदी के जल प्रवाह का निरीक्षण किया। उन्होंने अधीक्षण अभियंता सिंचाई से जनपद बॉदा में संभावित बाढ प्रभावित क्षेत्रों के संबन्ध में जानकारी ली, जिस पर अभियंता ने बताया कि तहसील पैलानी एवं सदर में अधिक बाढ प्रभावित क्षेत्र रहता है। उन्होंने बाढ से राहत और बचाव एवं गॉव वालों को सुरक्षित जगह पर रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित रखने के निर्देश दिये। यमुना एवं केन नदी में जल स्तर पर निरन्तर दृष्टि रखें। नदियों के कटान वाले स्थानों को चिन्हित करने एवं उन स्थानों पर आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाढ की संभावित स्थिति नही है, इसके बावजूद भी जिला प्रशासन निरन्तर सजग है तथा आवश्यक व्यवस्थायें की गयी हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को बाढ की स्थिति में कोई कठिनाई नही होने दी जायेगी। श्री सिंह ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से संभावित बाढ की स्थिति उत्पन्न होने पर यमुना एवं केन नदी के जल स्तर के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि निरन्तर वर्षा के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए जल स्तर बढ़ने पर कडी नजर रखी जाए तथा प्रशासन को समय पर सूचना उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों से वार्ता करते हुए संभावित बाढ की स्थिति उत्पन्न होने पर की गयी व्यवस्थाएं नाविकों, मोटर वोट एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

खन्ना ने बेल तो सुषमा ने लगाया सिंदूर का पौधा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज इंदिरा नगर जोन-7 में बेल का पौधा लगाया। साथ ही महापौर सुषमा खर्कवाल ने सिंदूर का पौधा लगाया। इसके अलावा पार्षदों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी पौधरोपण अभियान में भाग लिया। सुरेश कुमार खन्ना के निर्देश पर लखनऊ नगर निगम द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह आयोजन नगर निगम की ओर से पर्यावरण संरक्षण, जन-जागरूकता और मातृ-सम्मान के उद्देश्य से किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल पर्यावरण की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि माँ के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अनूठा प्रयास भी है। यह अभियान नागरिकों को प्रकृति से जोड़ने और हरित वातावरण को बढ़ावा देने में कारगार साबित होगा।

सात दिन में 18 हजार नवजात को मिला ग्रीन गोल्ड प्रमाण - पत्र

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने एक से 7 जुलाई के बीच जन्म लेने वाले 18,348 नवजातों को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट व उनके अभिभावकों को पौधे प्रदान किए। वहीं अभिभावकों ने भी संकल्प लिया कि नवजात के साथ ही पौधों की भी देखभाल करेंगे। अभिभावकों को कई प्रजातियों के पौधे प्रदान किए गए। सर्वाधिक ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट व पौधे लखनऊ मंडल में दिए गए। देवीपाटन मंडल दूसरे व आगरा तीसरे स्थान पर रहा। पौधरोपण अभियान के निदेशक दीपक कुमार ने बताया कि सभी प्रभागों के वनाधिकारी को निर्देश दिया गया था कि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर संस्थागत प्रसव से जन्मे बच्चों को यह सर्टिफिकेट व पौधा दिया जाए। जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी व अन्य सरकारी अस्पतालों को शामिल किया जाए। अभिभावकों से खाली स्थानों पर पेड़ लगाने का अनुरोध किया गया। वन विभाग ने अभिभावकों को जामुन, सहजन, अमरुद, नीम, सागौन, शीशम, सिल्वर ओक, आंवला, कंजी, आम, अनार, बेलपत्थर, बकैन, तुलसी, बरगद, पीपल, बेल, महुआ, कटहल, पाकड़, लीची, नींबू सहित कई प्रजातियों के पौधे दिये गए।

पेंशनर्स लंबित मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राजधानी समेत पूरे उत्तर प्रदेश और देश भर में लाखों पेंशनर्स, कर्मचारी और शिक्षक अपनी लंबित मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे। अखिल भारतीय स्टेट गवर्नमेंट पेंशनर्स फेडरेशन, उत्तर प्रदेश सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसियेशन तथा शिक्षक महासंघ के आह्वान पर यह एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन और विरोध सभाएं आयोजित की गईं। पेंशन नियमावली में किए गए हालिया बदलाव और केंद्र सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग का गजट नोटीफिकेशन जारी न किए जाने से बढ़े असंतोष के बीच, प्रदर्शनकारियों ने अपनी मूलभूत मांगों का अनुस्मारक ज्ञापन स्थानीय प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को सौंपकर सरकार को चेताया। लखनऊ में इस आंदोलन का मुख्य कार्यक्रम वीएन सिंह प्रतिमा स्थल पर दोपहर 3 बजे से आयोजित हुआ। इसमें पेंशनर्स संगठनों के शीर्ष प्रांतीय पदाधिकारी, कई जिलों से आए पेंशनर्स, सेवानिवृत्त कर्मचारी और शिक्षकों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अमरनाथ यादव और महामंत्री ओ.पी. त्रिपाठी ने कहा कि 16 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने 8वें केन्द्रीय वेतन आयोग के गठन का निर्णय लिया था और कहा गया था कि आयोग की रिपोर्ट 1 जनवरी 2026 से लागू कर दी जाएगी। मगर छह माह बीतने के बाद भी न आयोग का गठन हुआ, न अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति, न ही टर्म्स ऑफ रेफ्रेंस का गजट नोटीफिकेशन जारी हुआ। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए भी वेतन, पेंशन और भत्तों के पुनरीक्षण की मांग को प्रमुखता से उठाया। अखिल भारतीय पेंशनर फेडरेशन के उपाध्यक्ष एस.पी. सिंह, राष्ट्रीय सचिव एस.के. मिश्रा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष बी.एल. कुशवाहा ने कहा कि संसद से पारित वित्त विधेयक 2025 के माध्यम से सीसीएस (पेंशन) नियमों में ऐसा संशोधन किया गया है, जिससे सरकार को सेवानिवृत्ति की तिथि के आधार पर पेंशनरों में भेद करने का अधिकार मिल गया है।

खाद वितरण के नियमित संचालन के कड़े निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य इस समय जनपद में तेजी से जारी है और इसके लिए किसानों को अनुदानित दरों पर यूरिया, डीएपी, एनपीके जैसे उर्वरक सहकारी तथा निजी बिक्री केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ये उर्वरक आवश्यक वस्तुओं की श्रेणी में आते हैं, जिनका विक्रय सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर ही किया जाना सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि फसली सीजन में जनपद के सभी उर्वरक विक्रय केन्द्र नियमित रूप से संचालित रहें। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि निरीक्षण या प्रवर्तन की कार्रवाई के दौरान कोई भी उर्वरक प्रतिष्ठान बिना पूर्व सूचना अथवा नोटिस के बंद नहीं पाया जाना चाहिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि समस्त थोक एवं फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि यदि उर्वरक निरीक्षक, जिला कृषि अधिकारी अथवा उच्च अधिकारियों द्वारा निरीक्षण, भ्रमण अथवा छापेमारी के समय उनका प्रतिष्ठान बिना किसी सूचना अथवा नोटिस के बंद पाया गया तो यह माना जाएगा कि विक्रेता द्वारा उर्वरक का अनियमित विक्रय या वितरण किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में संबंधित उर्वरक विक्रेता का लाइसेंस उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के अंतर्गत निरस्त कर दिया जाएगा और आगे विधिक कार्यवाही की जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी।

271 भवन बने दिव्यांगजन फ्रेंडली

राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक में शामिल हुए दिव्यांगजन मंत्री

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने मंगलवार को राज्य सलाहकार बोर्ड की छठवीं बैठक में कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार लगातार गंभीर प्रयास कर रही है।

योजन भवन में आयोजित बैठक में नरेन्द्र कश्यप ने नगर निकायों के सार्वजनिक भवनों, स्थलों, पार्कों, सुलभ शौचालयों आदि को दिव्यांगजन अनुकूल बनाया जाए। साथ ही, परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगजनों को चढ़ने-उतरने में ड्राइवर-कंडक्टर द्वारा सहायता और उनके साथ मित्रवत व्यवहार किया जाए।

शिकायत की स्थिति में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दिव्यांगजन की अधिकता वाले रूटों पर बसों में चार से अधिक सीटें आरक्षित करने पर भी विचार करने के निर्देश दिये। राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक छह माह में आयोजित करें जिसमें सक्षम अधिकारियों की उपस्थिति हो। सरकारी वेबसाइटों को दिव्यांगजन फ्रेंडली बनाया जाए।

विभागीय मंत्री ने दिव्यांग विद्यार्थियों को आरक्षण के अनुरूप निःशुल्क प्रवेश और सुविधाएं देने के निर्देश दिए। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के 278 भवनों में से 271 भवनों को दिव्यांगजन फ्रेंडली बनाया जा चुका है। वर्ष 2024-25 में 10.41 लाख को पेंशन, कुष्ठावस्था पेंशन 11,671 लाभार्थियों को राशि भेजी गई। कृत्रिम अंग योजना में 10,229 उपकरण वितरित किए गए हैं। 18 बचपन डे-केयर केंद्रों के माध्यम से 3-7 वर्ष आयु के दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित व मानसिक मंदित बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि नगर विकास विभाग द्वारा आवंटित दुकानों, विकास प्राधिकरणों और औद्योगिक क्षेत्रों में दिव्यांगजन को प्राथमिकता दी जाए। पीडीएस दुकानों में दिव्यांगजन आरक्षण की स्थिति स्पष्ट की जाए।

राज्य आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा द्वारा वर्ष 2024-25 में 503 और 2025-26 में 91 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसमें 58 का निस्तारण कर शेष 33 लंबित हैं। दिव्यांगजनों की समस्याओं के निस्तारण हेतु मोबाइल कोर्ट आयोजित किए गए। बैठक में विधान परिषद सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी, विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव सुभाष चन्द्र शर्मा, राज्य आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा सहित कई विभागों के उच्च अधिकारी भी मौजूद रहे।

इत्र को वैश्विक मंच देने के लिए फैम ट्रिप का आयोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। विश्व में इत्र बनाने वाले प्रमुख देश- फ्रांस, इटली, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका की श्रेणी में इत्रनगरी कन्नौज को स्थापित करने के लिए पर्यटन विभाग ने आज 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को आगरा से कन्नौज तक फैमिलियराइजेशन ट्रिप का आयोजन किया। इसका उद्देश्य इत्र निर्माण केन्द्र कन्नौज को वैश्विक मंच पर स्थापित करना है। इस ट्रिप में टूर एंड ट्रैवल एजेंट्स, होटलों के प्रतिनिधि और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल रहे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि फैम ट्रिप में प्रतिनिधिमंडल ने कन्नौज स्थित फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर डेवलपमेंट सेंटर और इत्र कारखानों का दौरा किया। यहां पर उन्हें गुलाब, बेला, केवड़ा और अन्य पारंपरिक इत्रों के निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

प्रतिनिधियों ने कन्नौज के पुरातात्विक संग्रहालय, 52 खंभों वाली मखदूम जहानियां मस्जिद और गौरी शंकर बाबा मंदिर का भ्रमण किया। उन्होंने बताया कि कन्नौज को फ्रांस के ग्रास की तर्ज पर विख्यात बनाना है। इसके माध्यम से पर्यटन विभाग आगरा के लिए आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटकों के ठहराव का समय बढ़ाना है। कन्नौज को आगरा के साथ एक साझा यात्रा मार्ग के रूप में विकसित करना है, जिससे आगरा-मथुरा-बृज-कन्नौज जैसे बहु-आयामी पर्यटन मार्गों का निर्माण संभव हो सकेगा। पर्यटक ताजमहल देखने के साथ-साथ यूपी की विरासत, संस्कार, संस्कृति और सुगंध को भी आत्मसात कर सकेंगे। इसे परफ्यूम टूरिज्म हब के रूप में विकसित कर राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल किया जाए। इससे न केवल राज्य में पर्यटन का विस्तार होगा, बल्कि स्थानीय शिल्पियों, दस्तकारों और उद्यमियों को भी रोजगार और विपणन के नए अवसर मिलेंगे। इस ट्रिप में सम्मिलित टूर एंड ट्रैवल ऑपरेटर्स अब इत्र-थीम आधारित विशेष टूर पैकेज तैयार करने की दिशा में कार्य करेंगे, जिसमें आगरा-कन्नौज-बृज क्षेत्र को एकीकृत यात्रा अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

एटीएस ने हथियार लाइसेंस फर्जीवाड़े का किया पर्दाफाश

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो। गुजरात की एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड एटीएस ने हथियार लाइसेंस से जुड़े एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है, जिसमें उत्तर प्रदेश से संचालित हो रहे एक गिरोह ने फर्जी तरीके से हथियार लाइसेंस हासिल किए। एटीएस ने अहमदाबाद से सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से सात अवैध हथियार, 285 कारतूस और नकली हथियार लाइसेंस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश सिंह चौहान,अभिषेक त्रिवेदी,वेदप्रकाश सिंह,राजेंद्रसिंह सांखला,अजय सेंगर,विजय सेंगर,शोलेसिंह सेंगर है। आरोपियों ने उत्तर प्रदेश के एटा जिले का फर्जी निवासी बनकर फर्जी लाइसेंस बनवाए और देसी बंदूकें हासिल कीं। इसके लिए उन्होंने यूपी के एजेंट देवकांत पांडे को कुल 53.5 लाख रुपये दिए थे, जिसके बदले में उन्हें तीन रिवॉल्वर और चार पिस्टल उपलब्ध कराई गईं। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने लाइसेंस में जो पता दिया है, वह फर्जी है और उन्होंने एटा के मजिस्ट्रेट के सामने इंटरव्यू नहीं दिया, जो लाइसेंस प्रक्रिया का जरूरी हिस्सा है। एटीएस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है और एटीएस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

रिटर्न में जीरो टैक्स दिखाने वालों की संख्या 3500 पहुंची

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सरकारी स्कूलों के अध्यापकों से लेकर पुलिस और रेलवे के अफसर कर्मचारी जांच के घेरे में हैं। बड़ी संख्या में प्राइवेट कंपनियों के बड़े ओहदे वाले और प्रबंधक भी रिटर्न में 'जीरो टैक्स देयता दिखाने में फंस चुके हैं। आयकर की जांच में ऐसे सरकारी और निजी कर्मचारियों की संख्या 3500 के ऊपर निकल गई है। आयकर रिटर्न जमा कराने वाले बिचौलियों का एक बड़ा नेटवर्क सामने आया है। छापेमारी में अब तक कई जगह भारी मात्रा में कैश बरामद हुआ है। अकेले गोंडा में ही एक ठिकाने से 17 लाख रुपये कैश बरामद होने की सूचना है। सोमवार को यूपी के सुलतानपुर, गोंडा, वारासणी, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, अमरोहा और मुरादाबाद में शुरू हुई छापेमारी मंगलवार को जारी रही। सूत्रों के अनुसार छापेमारी के दौरान बिचौलियों, टैक्स अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट के ठिकानों से बड़े पैमाने पर बिना दस्तावेज या फर्जी रसीदों के जरिए टैक्स रिर्टन जमा करने के साक्ष्य मिले हैं। जिन लोगों का गलत तरीके से रिर्टन जमा कराया गया, उनकी संख्या हजारों में पहुंच चुकी है। छापेमारी की शुरुआत तो यूपी में 50 ठिकानों से हुई थी लेकिन अब दायरा बढ़ता जा रहा है। इन पर लम्बे समय से आयकर की नजर थी। आयकर रिर्टन में टैक्स लायबिलिटी यानी देयता शून्य दिखा रहे थे। रिर्टन में इसका क्लेम करने के लिए जो बिल लगाए या बिना बिल लगाए जानकारी दी वो गलत निकली। वकील और चार्टेड एकाउंटेंटों का एक वर्ग वेतनभोगियों का रिटर्न जमा करवाते हैं और साक्ष्य देते नहीं, देते हैं तो फर्जी होते हैं। मोटी कमाई करने वाले बड़ी संख्या में सरकारी, गैर सरकारी कर्मचारी टैक्स देने से बच रहे थे। इसके लिए जिन प्राविधानों में टैक्स की छूट दी गई है उनका गलत इस्तेमाल किया। बैंक ट्रांजेक्शन और रिर्टन के मेल से पता चली गड़बड़ी जिन लोगों ने टैक्स में छूट का दावा किया था उनके बैंक ट्रांजेक्शनों ने पोल खोल दी। यूपीआई और खातों में ट्रांसफर रकम, आरटीजीएस के पेमेंट कुछ और दर्शा रहे थे। साथ ही ज्यादा वेतन होने के बाद भी एलआईसी की पॉलिसी, राजनीतिक दलों को चंदा देने के जो दावे रिर्टन में किए थे वे गलत निकले। आयकर विभाग ने कटौतियों और छूट के फर्जी दावा करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। पेशेवर बिचौलियों की मदद से आईटीआर तैयार करने वालों और बिचौलियों के संगठित रैकेट का पर्दाफाश हुआ है।

आयुष मंत्री ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री डा दयाशंकर मिश्र दयालु ने मंगलवार को मिशन के सभागार में राष्ट्रीय मिशन आयुष के अंतर्गत निर्माण कार्यों की प्रगति के संबंध में कार्यदायी संस्था के साथ समीक्षा बैठक किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। कार्यदायी संस्था को पेंडिंग यूसी को तत्काल राष्ट्रीय आयुष मिशन को उपलब्ध करायें। अधोमानक सामग्री का उपयोग पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। डा दयालु ने राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय अयोध्या में निर्माण कार्य, राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ में छात्रावासों के रिन्यूवेशन का कार्य, राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय वाराणसी में फार्मेसी निर्माण कार्य, राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय अतर्रा बांदा में नवीन हास्पिटल ब्लाक निर्माण कार्य प्राथमिकता पर कराये। इसके साथ ही राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल आजमगढ़ में तीन क्लासरूम एवं शौचालय ब्लाक का निर्माण, राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल गोरखपुर में इंटरलाकिंग सहित कार्य, राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल मुरादाबाद में छात्रावास के निर्माण कार्य शीघ्रता से कराये। उन्होंने 50 शैय्या एकीकृत आयुष चिकित्सालय जनपद मेरठ, मिर्जापुर, सम्भल, गोरखपुर, हरदोई, श्रावस्ती एवं 30 शैय्या एकीकृत आयुष चिकित्सालय जौनपुर में निर्माण का कार्य समय से पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने 250 आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का निर्माण कार्य, 49 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में सिविल एवं ब्राण्डिंग कार्य, 103 राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालयों का उच्चीकरण, 25 राजकीय यूनानी चिकित्सालयों के नवनिर्माण कार्य को भी प्राथमिकता पर पूर्ण कराने के निर्देश दिये। प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने मंत्री को विभाग द्वारा कराये जा रहे कार्यों के विषय में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिये गये निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराया जायेगा।

अधोमानक सामग्री का उपयोग पाये जाने पर होगी कड़ी कार्रवाई : डा दयाशंकर

तहसील व पंचायतों में लागू होगी रोस्टर प्रणाली

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में राजस्व तंत्र को आधुनिक और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में एक व्यापक परिवर्तन की शुरुआत राजस्व परिषद द्वारा की जा रही है। इसका उद्देश्य लेखपालों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर राजस्व प्रशासन को और सुलभ, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना है।

राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि नागरिकों को राजस्व विभाग से जुड़ी सेवाएं प्रमाण पत्रों की संस्तुति, भू-अभिलेखों को अद्यतन करना और वरासत संबंधी कार्य को समयबद्ध, त्रुटिरहित और ग्राम स्तर पर ही उपलब्ध कराया जायेगा। इससे प्रदेश के सभी लेखपालों को तहसील स्तर पर एक कार्यस्थल दिया जा रहा है, जहाँ उन्हें इंटरनेट और आधुनिक डेस्कटॉप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे लेखपालों के कार्यों में न केवल तीव्रता आएगी, बल्कि प्रमाणपत्रों की संस्तुति, वरासत, भू-अभिलेख, निरीक्षण रिपोर्ट जैसे कार्य पारदर्शिता आयेगी। उन्होंने बताया कि एकीकृत डिजिटल लॉगिन प्रणाली विकसित की जा रही है, जिससे सभी कार्य एक ही पोर्टल से किए जा सकेंगे । लेखपालों की उपस्थिति को ग्रामस्तर तक सुलभ बनाने के लिए तहसील और ग्रामसभा स्तर पर स्पष्ट रोस्टर प्रणाली लागू होने से नागरिकों को यह पूर्व जानकारी होगी कि उनके हलके का लेखपाल किस दिन उपलब्ध रहेगा। उन्होंने बताया कि इस डिजिटल परिवर्तन से प्रदेश के 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को सीधा लाभ होगा। यह पहल न केवल सेवा वितरण को आसान बनाएगी, बल्कि नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास को भी सशक्त करेगी।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

18 जुलाई से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक चलेगा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण-2025 की प्रक्रिया राजधानी में विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार पूरी कराई जाएगी। इस संबंध में जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी. ने आदेश जारी कर विस्तृत समय-सारिणी के साथ दिशा-निर्देश दिए हैं। निर्वाचन कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश की अधिसूचना के तहत यह कार्य 18 जुलाई 2025 से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक चलेगा। पहले चरण में 18 जुलाई से 13 अगस्त तक ग्राम पंचायतों के आंशिक भागों के अन्य ग्राम पंचायत या नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन तथा मतदाता सूची प्रिंट करने की कार्यवाही के साथ बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन, प्रशिक्षण और स्टेशनरी का वितरण किया जाएगा। इसके बाद 14 अगस्त से 29 सितंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण कर हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करेंगे, जिसमें 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी पात्र व्यक्तियों के नाम जोड़े जाएंगे। इसी अवधि में 14 अगस्त से 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे और 23 से 29 सितंबर तक इन ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की घर-घर जाकर जांच की जाएगी। 30 सितंबर से 6 अक्टूबर तक तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपियों को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा किया जाएगा। फिर 7 अक्टूबर से ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार होगी, जिसके तहत मतदान केन्द्रों व स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, वार्डों की मैपिंग तथा फोटो प्रतियों की डाउनलोडिंग आदि की प्रक्रिया 24 नवंबर तक पूरी कर ली जाएगी। 5 दिसंबर को अनंतिम मतदाता सूची का आलेख प्रकाशित किया जाएगा और 6 से 12 दिसंबर तक इसका निरीक्षण होगा। इसी अवधि में दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इन दावों व आपत्तियों का निस्तारण 13 से 19 दिसंबर के बीच किया जाएगा। 20 से 23 दिसंबर तक निस्तारण उपरांत पाण्डुलिपियां तैयार कर सहायक निर्वाचक अधिकारी के कार्यालय में जमा कराई जाएंगी। 24 दिसंबर से 8 जनवरी तक पूरक सूचियों का कम्प्यूटरीकरण कर उन्हें मूल सूची में शामिल करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद 9 से 14 जनवरी तक मतदान स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, वार्डों की मैपिंग व अन्य प्रक्रिया पूरी कर 15 जनवरी 2026 को अंतिम निर्वाचक नामावलियां जनसामान्य के लिए प्रकाशित कर दी जाएंगी।

अटल आवासीय विद्यालयों के समुचित संचालन के निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में अटल आवासीय विद्यालय के लिए निर्दिष्ट सामग्रियों के क्रय व अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयुक्त कक्ष कार्यालय में सम्पन्न हुई।

बैठक में विद्यालय के कुशल संचालन और विद्यार्थियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। इनमें शिक्षकों की चयन प्रक्रिया, छात्र-छात्राओं के भोजन के लिए मेस की व्यवस्था, सुरक्षा की दृष्टि से फैसिलिटी मैनेजमेंट, विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं शामिल रहीं। मंडलायुक्त ने अधिकारियों व विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित और अनुकूल वातावरण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मण्डलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने सुझाव दिया कि विद्यालय की समस्त गतिविधियों के लिए अलग-अलग कमेटियां गठित की जाएं और इनमें विद्यार्थियों की भी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विद्यालय परिसर में कैन्टीन को शीघ्र टेंडर कराकर चालू कराने के निर्देश दिए ताकि विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को उचित सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विद्यालय का विद्युत लोड वहां की वास्तविक खपत के अनुरूप किया जाए तथा विद्यालय की छतों पर लगे सोलर सिस्टम की क्षमता और पैनलों की संख्या में भी वृद्धि की जाए, ताकि ऊर्जा जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके। बैठक में राधेश्याम अपर आयुक्त न्यायिक, अपर श्रम आयुक्त कल्पना श्रीवास्तव, सहायक श्रम आयुक्त सुमित कुमार, संयुक्त शिक्षा निदेशालय से डॉ. प्रदीप कुमार, प्रधानाचार्य अटल आवासीय विद्यालय सुखवीर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पेट परीक्षा 6 और 7 सितंबर को

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस वर्ष की प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा (पेट) 6 और 7 सितंबर को आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो दिनों में दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक जबकि दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक संपन्न कराई जाएगी। परीक्षा में इस बार रिकॉर्ड 25.32 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षार्थियों की बड़ी संख्या को देखते हुए आयोग ने केंद्रों की व्यवस्था को लेकर पहले ही तैयारी शुरू कर दी थी। कार्मिक विभाग की ओर से जारी शासनादेश में सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों व कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाए जाने की अनुमति दी गई थी। परीक्षार्थियों की संख्या अत्यधिक होने के कारण उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने शासन से सीबीएसई और आइसीएसइ बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों को भी परीक्षा केंद्र बनाए जाने की अनुमति मांगी थी। सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए अब सीबीएसई और आइसीएसइ बोर्ड के स्कूलों को भी परीक्षा केंद्र बनाने की अनुमति दे दी है। इस संबंध में विशेष सचिव कार्मिक शशिकांत कनौजिया ने सोमवार को शासनादेश जारी कर दिया। आयोग ने उत्तर प्रदेश में भर्तियों की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए दोहरी परीक्षा प्रणाली लागू की है। इसके तहत प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा में सफल होने वाले ही विभिन्न भर्तियों के लिए आवेदन के पात्र माने जाएंगे।

शुभांशु के धरती पर लौटने का हुआ सजीव प्रसारण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के छात्र एवं अन्तरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने मंगलवार शाम जैसे ही प्रशान्त महासागर में कैलीफोर्निया तट पर सफल लैंडिग की, पूरे देशवासी खुशी व गर्व से झूम उठे। सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में सैकड़ों छात्रों, शिक्षकों, गणमान्य अतिथियों एवं शुभांशु के माता-पिता सहित परिवारजनों ने इस ऐतिहासिक क्षण को लाइव देखा और जैसे ही कैप्सूल ने प्रशांत महासागर की जल सतह को छुआ, ऑडिटोरियम का माहौल अत्यन्त भावुक हो उठा और पूरा ऑडिटोरियम 'भारत माता की जय' के नारों, तालियों और गले मिलने व खुशी से गुंजायमान हो उठा।

शुभांशु के अन्तरिक्ष यान के पानी में उतरने के साथ ही स्कूल प्रबंधन एवं शुभांशु के परिवार ने त्रि-स्तरीय केक काटा। इस केक के तीन स्तर लाँच, आईएसएस पर प्रवास और धरती पर वापसी के प्रतीक स्वरूप थे। इस अवसर पर पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर शुभांशु के पिता श्री शम्भू दयाल शुक्ल ने भावुक होकर कहा, 'यह उपलब्धि भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का परिणाम है। मैं डा. भारती गांधी, प्रो. गीता गांधी किंगडन और सीएमएस परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।'

नाटापन के खिलाफ हर जिले के 100 आंगनबाड़ी केंद्रों पर जोर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कुपोषण के उन्मूलन और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए संभव अभियान 5 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके तहत 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों में अतिगंभीर कुपोषण का चिन्हांकन, चिकित्सीय उपचार और नाटापन की दर में कमी लाया जायेगा।

बाल विकास एंव पुष्टाहार विभाग की निदेशक सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि बीते 7 जुलाई को मुख्यमंत्री ने संभव अभियान 5.0 का शुभारंभ किया था। इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सबसे अधिक स्टंटिंग वाले 100-100 आंगनबाड़ी केंद्रों का चयन किया गया है, जहां स्टंटिंग की पहचान, निगरानी और न्यूट्रिशन ट्रैकिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन केंद्रों की सघन निगरानी के लिए प्रत्येक जनपद में ब्लॉक और जनपद स्तर के 100 अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार निदेशालय से जूम वेबिनार के माध्यम से सभी नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके बाद 15 जुलाई को प्रदेश में पहली बार एक साथ स्टंटिंग की पहचान और न्यूट्रिशन ट्रैकिंग के लिए विशेष मापन और निगरानी अभियान चलाया गया। इस अभियान का लक्ष्य कुपोषण के कारण होने वाले शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा को समाप्त करना है। नोडल अधिकारियों द्वारा एकत्रित रिपोर्ट्स के आधार पर प्रत्येक माह जिला पोषण समिति की बैठक में स्टंटिंग की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इन बैठकों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सकारात्मक परिणामों वाले आंगनवाड़ी केंद्रों को मॉडल के रूप में चिन्हित किया जाएगा। सरकार का यह प्रयास बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण स्तर में गुणात्मक सुधार लाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। यह अभियान न केवल कुपोषण के खिलाफ जंग को मजबूत कर रहा है, बल्कि उत्तर प्रदेश को स्वस्थ और सशक्त भविष्य की ओर ले भी जा रहा है। इस दौरान बच्चों की लंबाई, वजन व ऊंचाई की माप प्रक्रिया को देखा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता कमजोर और नाटे बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें उपयुक्त पोषण उपलब्ध कराना है। सीएम योगी ने देटूक कहा कि सिर्फ सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही कुपोषण पर विजय संभव है।

रेल संरक्षा आयुक्त ने चारबाग में कोचिंग कॉम्प्लेक्स का किया निरीक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त दिनेश चंद देशवाल ने चारबाग में बन रहे कोचिंग कॉम्प्लेक्स का मंगलवार को निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप का भी मुआयना कर उपकरणों को देखा और मेंटीनेंस संबंधी कार्यप्रणालियों को देखा। इसके बाद लखनऊ से सफेदाबाद तक विंडो ट्रेलिंग रूट का निरीक्षण किया। चारबाग रेलवे स्टेशन पर दिनेश चंद पोरवाल डीआरएम सुनील कुमार वर्मा व अन्य अफसरों के साथ पहुंचे थे। वहां पर नॉर्थ कोचिंग कॉम्प्लेक्स पहुंचकर ट्रेनों के मेंटीनेंस कार्यों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। अफसरों ने बताया कि निर्माणाधीन नॉर्थ कोचिंग कॉम्प्लेक्स शेड का कार्य पूर्ण होने पर यहां ट्रेनों की मेंटेनेंस के काम होंगे। इससे संचालन अब और आसान हो जाएगा। इसके बाद उन्होंने वहां पर पावर केबिन की कार्य प्रणाली को देखा। गार्ड लॉबी में इमर्जेन्सी ब्रेक प्रणाली के डेमो को भी देखा और कर्मचारियों से सुरक्षा संबंधी सवाल भी किये। इसके अलावा उपलब्ध उपकरणों की स्थिति देखी। वहीं लखनऊ से सफेदाबाद तक विंडो ट्रेलिंग रूट का निरीक्षण किया। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि सफेदाबाद स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद डीआरएम ऑफिस में अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं की जानकारी ली।

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना
मैं, एन जैक्सन, निवासी 1 कैपर रोड, लालबाग, लखनऊ, अपना नाम बदलकर ''एन मारिया जैक्सन'' कर रही हूँ। अब से सभी कार्यों हेतु मेरा नया नाम ''एन मारिया जैक्सन'' ही प्रयुक्त किया जाएगा।
सी.आर.-781/ L-28

संबंध विच्छेद
मैंने पुत्रवधू शवनम पत्नी रेहान के दुर्व्यहार के कारण चल अचल संपत्ति से बेदखलकर संबंध विच्छेद कर लिए। जैतूल निशा पत्नी मो . अशरफ नि. मो.शांति पुरम कालोनी गदियाना, थाना सदरबाजार, शाहजहांपुर।
सी.आर.-780/ D-26

सूचना
विवाह से पूर्व मेरा नाम सुशीला था अब सदावती हो गया है भविष्य में मुझे सदावती नाम से जाना जाए। सदावती पत्नी राजाराम नि, ढोड़ी तहसील सदर शाहजहांपुर।
सी.आर.-780/ D-25

संबंध विच्छेद
मैंने पुत्री सुनैना को दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल अचल सम्पति से वेदखल करके संबंध विच्छेद कर लिए है। वह अपने कृत्यों की स्वंय जिम्मेदार होगी। माधुरीदेवी पत्नी स्व महेश कुमार नि, अजीज गंज,थाना कोतवाली,शाहजहांपुर।
सी.आर.-780/ D-31

सूचना
मेरा हाईस्कूल वर्ष 2023 अनुक्रमांक 2235735772 का प्रमाणपत्र व सहअंकपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। श्वेता पुत्री राजकुमार नि. ग्राम हथौड़ा बुजुर्ग , शाहजहांपुर।
सी.आर.-780/ D-25

संबंध विच्छेद
अपने पुत्र कुलदीप सिंह, पुत्रवधू नीतू सिंह को दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल - अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध- विच्छेद कर लिए है। वे अपने कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे। राजेंद्र सिंह पुत्र नन्हकू सिंह नि. ग्राम मदरौली, थाना कांट, शाहजहांपुर।
सी.आर.-780/ D-34

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम SATYA NAND था जो अब बदलकर SATYANAND YADAV हो गया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। SATYANAND YADAV S/O- Rama Shankar Yadav,207/C Lukerganj, Prayagraj UP.
सी.आर.-776/ D-29

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम SANTOSH DUBEY था जो अब बदलकर SANTOSH KUMAR DUBEY हो गया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। SANTOSH KUMAR DUBEY S/o- Ashok Kumar Dubey, 12/11 Bakshi Khurd Daraganj, Prayagraj UP.
सी.आर.-776/ D-33

NOTICE
I Ayush Yadav , son of Shailendra Kumar Yadav resident of 75 , Nawal Kishore state Hazratganj Lucknow, Uttar Pradesh 226001. I have lost my original school Transfer Certificate issued by Seventh Day Adventist Senior Secondary 17 Vidhaan Sabha Marg Lucknow Uttar Pradesh 226001. Bearing TC no. 12160 issued on 08-04-2022. If found kindly contact at 8009400908
सी.आर.-777/ L-47

NOTICE
I am Avanish Pratap son of Shri Ram Kripal resident of Chandroday Nagar, Rajajipuram, Lucknow 226017. My daughter name is written without the surname in school records Kindly add SINGH (surname) in my daughter's name. The correct and full name of my daughter is SHAMBHAVI SINGH. SHAMBHAVI and SHAMBHAVI SINGH both are the names of the same person.
सी.आर.-778/ L-49

विकसित भारत की नींव मजबूत करने में खाद्य प्रसंस्करण का महत्वपूर्ण योगदान

प्रदेश को 01 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने मे फूड प्रोसेसिंग सेक्टर की बडी सहभागिता होगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उद्यमियों को प्रोत्साहन व सुविधाएं देने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस सेक्टर में प्रदेश में बहुत तेजी से काम करते हुए जहां किसानों के उत्पादों के प्रसंस्कृत कराते हुए उन्हें सुविधाएं मुहैय्या कराने के साथ उनके भण्डारण आदि के बारे में भी सार्थक कदम उठाए गए हैं, वहीं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़कर महिला सशक्तीकरण की दिशा में प्रभावी व ठोस कार्य किये गये हैं, खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान पर है, प्रदेश में सबसे अधिक खाद्य प्रसंस्करण के उद्योग स्थापित हैं। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 65000 से अधिक खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां स्थापित हैं। लगभग 2800 इकाइयां लगभग 100 करोड़ टर्न ओवर वाली हैं। खाद्य प्रसंस्करण आई.टी. सेक्टर के बाद यह सर्वोच्च प्राथमिकता वाला सेक्टर है, जिसमें रोजगार के असीमित अवसर है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना इस वर्ष स्वीकृत प्रस्ताव सर्वाधिक हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 98 प्रतिशत है, जोकि देश मे प्रथम स्थान पर है।

पूर्वोत्तर रेलवे
शुद्धि–पत्र

ई–निविदा सूचना सं० -DYCE-CON-LJN-EPC-04-2025 जो दिनांक: 30-07-2025 को 11:00 बजे खुलनी थी, वह अब दिनांक: 14-08-2025 को 11:00 बजे खोली जायेगी। इस सूचना का शुद्धिपत्र *http://ireps.gov.in* वेबसाइट पर भी लोड कर दिया गया है।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I
मुजाधि/डब्लू–160 **लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अदालती नोटिस
हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् चकबन्दी अधिकारी, सरोजनी नगर, लखनऊ
पत्रांक : 774/न्या0लि0
दिनांक 11.07.2025
ग्राम बीबीपुर, पर0 बिजनौर, तह0 सरोजनी नगर, जिला–लखनऊ
वाद दायरा संख्या–रेस्ट/2025
ता0पेशी–17.07.2025
दीपक कुमार सिंह व अन्य
–प्रार्थीगण/वादीगण
बनाम्
अयोध्या सिंह व एक अन्य
1–अयोध्या सिंह पुत्र स्व0 सुन्दर सिंह निवासी–ग्राम बीबीपुर, पर0 बिजनौर, तह0 सरोजनी नगर, जिला–लखनऊ
2–बीरबल पुत्र स्व0 रामचरन निवासी–ग्राम बीबीपुर, पर0 बिजनौर, तह0 सरोजनी नगर, जिला–लखनऊ – विपक्षीगण
चूंकि उपरोक्त नामांकित–वादी/प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा–9क(2) हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 17.07.2025 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 11.07.2025 के दिवस को दिखायी गयी।
(अनिल कुमार सिंह विसेन)
चकबन्दी अधिकारी,
सरोजनी नगर, लखनऊ

सी.आर.-782/ L-CN

अदालती सूचना ता0पेशी 25.08.2025 सम्मन तनकीह तलब (आर्डर-5 कायदा 1 व 5) न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय शाहजहांपुर।
मूलवाद संख्या 114 वर्ष 2020
उपेन्द्र तिवारी बनाम- श्रीमती ऋचा तिवारी आदि बनाम- उमेश पांडे पुत्र नामालूम निवासी रेलवे कालोनी जिला हरदोई , प्रतिवादी संख्या ,2 हरगाह उपेन्द्र तिवारी वादी उपरोक्त ने आपके नाम एक नालिश बाबत विवाह विच्छेद के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि व तारीख 25 माह 08 सन् 2025 ई0 ववक्त 10.00 बजे दिन के असलीन या मार्फत वकील जो मुकदमें की कार्यवाही से वाकिफ किया गया हो हाजिर हो जबावदेही दावा की करें। आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें, जिन पर आप बताइद अपने जबावदेही के इस्तदलाल करना चाहते हो। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिर आपके मुसामत और फैसला होगा। आज व तारीख 15.07.2025 को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया। **न्यायालय के आदेशानुसार मुंसरिम/रीडर, अपर प्रधान न्यायाधीश/परिवार न्यायालय, शाहजहांपुर।**

सी.आर.-780/ D-CN

सूचना
सूचित हो कि मेरी फर्म को जारी फार्म-38 संख्या-CC-2694837 वास्तव में कहीं खो गया है। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा इसका प्रयोग अवैध होगा। प्रो. मो. कलीम M/S भारत टिम्बर स्टोर्स इस्माइलगंज, फैजाबाद रोड, लखनऊ।

सी.आर.-773/ L

शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणाप्रद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अंतरिक्ष की ऊँचाइयों को छूकर, देश और प्रदेश दोनों का मान बढ़ाने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के शुभ आगमन पर हृदय से स्वागत करते हुये शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणादायक है और उनके सपनों को एक नई उड़ान देने वाली है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की सफलता देश के लिए अपार हर्ष, गर्व व गौरव की बात है। माँ भारती की सेवा में श्री शुक्ला का योगदान न केवल राष्ट्र को गौरवान्वित करता है, बल्कि उनके परिवारजन भी इस गौरवगाथा के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। शुभांशु ने देश का झण्डा बुलन्द किया है। शुभांशु की सफलता से देश मे जश्न का माहौल है।

एफ0 सी0 जे0 फॉर्म नंबर, 13 भाग,1 हेतु संदर्शित की सूचना साधारण प्रारूप न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय स्थान मोहम्मदी जिला खीरी वाद संख्या 5545 सन् 2025 ई.
तारीख पेशी 16/07/2025
नरेन्द्र कुमार गुप्ता ... वादी
बनाम
नसीम खां आदि... प्रतिवादी
1- बाबू, 2-नईम, 3- जईम पुत्रगण स्व. नसीम खां निवासी मोहल्ला शुक्लापुर कस्बा, परगना व तहसील मोहम्मदी (खीरी)
चूंकि उपरोक्त नामित प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदक के खिलाफ हेतु संदर्शित के लिए दिनांक 2025 के 07/16 के दिवस को 10:00 बजे पूर्वाह्न मैं स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षी रूप से सुना जाएगा। व अवधारित किया जाएगा ।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर सहित आज दिनांक आज के दिवस को निकाली गयी।
दस्तखत हाकिम व मुहर अदालत

सी.आर.-775/ D-CN

U.P. Rajkiya Nirman Nigam Ltd.
(ISO 9001:2008 Certified Company)
Visheshwaraiya Bhawan, Gomti Nagar, Lucknow

TENDER NOTICE
On behalf of Managing Director, U.P. Rajkiya Nirman Nigam Ltd. General Manager (Varanasi Zone)/(Prayagraj Zone) invites online Item Rate/ percentage rate bids in two bid system for-
01. NIT No. 1534/GMVNSZ/RNN/TENDER/305//25, Date-07-05-2025 e-tender Construction of Sewashram Ashram (Near Sankat Mochan Mandir) Bhingaraj Dandi Sewashram in Varanasi.
02. NIT No. 1535/GMVNSZ/RNN/TENDER/306//25, Date-07-05-2025 e-tender Construction of Anathaalay (Near Sankat Mochan Mandir) Bhingaraj Anathaalay,kamachha. Varanasi.
03. NIT No. 846/GM(P.Z.)/RNN/Agnishaman Pratapgarh Tender/2025, Date-10-07-2025 e-tender Construction of Residential (G+5)/ Non Residential (G+1) Building of Agnishaman Kendra (02 unit) at Tehsil Sadar, Nagar Panchayat Antu, Distt. Pratapgarh. Last date of submission of offers upto 02:00 PM on Dated- 26-07-2025(SI No- 1,2), upto 4:00 PM on Dated-31-07-2025, (SI No-3) all other details on:- **website:www.etender.up.nic.in** and **www.uprnn.upsdc.gov.in.**

उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन लिमिटेड
अधिशासी अभियन्ता, विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम, ५७–जार्ज टाउन, प्रयागराज
ई–निविदा सूचना दिनांक: 14.07.2025
शुद्धि पत्र
इस खण्ड द्वारा दिनांक २५–०६–२०२५ एवं १०.०७.२०२५ को न्यायाधीश प्रयागराज एवं स्वतन्त्र भारत प्रयागराज में प्रकाशित अल्पकालीन ई–निविदा संख्या ०१–वि०प्रे० ख०प्र०३०/२०२५–२०२६ एवं अति अल्पकालीन निविदा संख्या ०२–वि०प्रे०ख०प्र०प्रया०/२०२५–२६ के खुलने कि तिथि दिनांक २५/०७/२०२५ तक बढाई जाती है। निविदा की अन्य शर्ते पुर्ववत रहेगी।
विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी।
पत्रांकः 688/वि.प्रे.खं.प्र./प्रया./
टेण्डर नोटिस दिनांकः 14.07.2025
(विजय कुमार दुबे)
अधिशासी अभियन्ता

हरिश्चन्द्र महाविद्यालय सरौली, मिल्कीपुर, अयोध्या, (उ0प्र0)
सम्बद्ध – डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या
आवश्यकता है: स्ववित्त पोषित योजना के अन्तर्गत परास्नातक स्तर पर कृषि एवं विज्ञान संकाय के अन्तर्गत एम0एससी0 एवं एम0एससी0 कृषि पाठ्यक्रम हेतु प्रवक्ता-परास्नातक स्तर पर कृषि एवं विज्ञान संकाय के अन्तर्गत एम0एससी0 कृषि पाठ्यक्रम में एग्रोनामी, हार्टीकल्चर तथा एग्रीकल्चर कमेस्ट्री एण्ड स्वायल साइंस एवं एम0एससी0 विज्ञान पाठ्यक्रम में जन्तु विज्ञान, भौतिक विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, तथा गणित विषयों में 2-2 पद। योग्यता- सम्बन्धित विषयों नेट/पीएच-डी0, वेतनमान- यू0जी0सी0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी 10 कार्य दिवस के अन्दर अपने समस्त अंक पत्रों एवं प्रमाण पत्रों को दो स्व हस्ताक्षरित प्रतियों एवं दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ एवं दो स्वपता लिखे लिफाफे के साथ महाविद्यालय के उपरोक्त पते पर आवेदन करें। **(प्रबन्धक), हरिश्चन्द्र महाविद्यालय सरौली, अयोध्या।**

सरजू सहकारी चीनी मिल्स लि0, बेलरायां-खीरी
पत्रांक : 365/प्र0प्र0/2025-26 **दिनांक : 15/07/2025**
अल्पकालीन निविदा सूचना
इस मिल समिति में विभिन्न सिविल कार्य ब्वायलर हाउस, क्लेरीफिकेशन एवं पैन हाउस की क्षतिग्रस्त ए0सी0 सीटों को बदलकर नई ए0सी0 सीटें लगाने का कार्य, क्षतिग्रस्त मिल फ्लोर की मरम्मत का कार्य, ब्वायलर नं0 1, 2 व 3 के वैट स्क्रैवर मोटर व पम्पों की फाउण्डेशन को ऊंचा करने का कार्य, ब्वायलिंग हाउस की नाली की मरम्मत का कार्य एवं एअर ड्रायर की फाउण्डेशन सम्बन्धित मरम्मत के कार्यो हेतु चीनी मिल के कुशल एवं अनुभवी ठेकेदारों से दिनांक 30.07.2025 को मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 31.07.2025 को मिल निविदा कमेटी के समक्ष खोली जायेंगी यथा आवश्यकता निगोसियेशन भी कराया जा सकता है। निविदा से जुडी कोई भी जानकारी किसी भी कार्य दिवस में अवर अभियन्ता सिविल अथवा मिल कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
प्रधान प्रबन्धक

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 व कायदा 1 व 5)
न्यायालय सिविल जज (जूनियर डिवीजन),फास्ट ट्रैक कोर्ट , जिला -गोरखपुर।
वाद संख्या - 224/2023
शिवजी शर्मा बनाम श्रीमती विन्दू मल्ल
बनाम
7- प्रदीप कुमार शुक्ला बालीग पुत्र जगत नरायन शुक्ला निवासी डी 01/257 विनित खण्ड गोमती नगर लखनऊ
- प्रतिवादी
हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 27 माह 07 सन् 2025 ई. बवक्त 10 बजे दिन के अदालत में या मार्फत वकील के जो मुकदमें की हालात से करार वाकई वाकिब किया गया हो जो कुल उमूर अहम मुतालिक मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करे और हरगाह वही तारीख को इजहार के लिए मुकर्रर है कि वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज जुमला दस्तावेज को जिनकी आप जवाबदेही हुई है कत्तई देय ताईद इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूह और फैसला होगा।
ता. पेशी 27.07.2025
जवाबदेही व तनकीह
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज 10.07.2025 बतारीख जारी किया गया।
न्यायालय सिविल जज (जूनियर डिवीजन),फास्ट ट्रैक कोर्ट , जिला -गोरखपुर।

सी.आर.-774/ D-CN

मदरसा शिक्षा में सुधार के लिए चर्चा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मदरसा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार को लेकर मंगलवार को इंदिरा भवन में एक अहम बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रदेश भर से आए मदरसों के प्रिंसिपल, टीचर और अन्य जिम्मेदार लोगों ने भाग लिया। इस बैठक में मदरसा शिक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और सुधार के लिए सुझाव लिए गए। बैठक को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मदरसा शिक्षा नीति में व्यापक सुधार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जो मदरसा शिक्षा के संचालन और वहां पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य के लिए आवश्यक बदलावों पर रिपोर्ट तैयार कर रही है। इस समिति में बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, वित्त, न्याय और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के विशेष सचिव भी सदस्य के रूप में शामिल हैं। इसी क्रम में मंगलवार को समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के निदेशक अंकित अग्रवाल भी मौजूद रहे। बैठक में मदरसों के प्रिंसिपल और शिक्षकों ने शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने को लेकर अपने-अपने सुझाव रखे।

पूर्वोत्तर रेलवे
निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर, यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है:– **निविदा सं. एवं कार्य का विवरण:** EL-MWS-GKP-2025-26-07 मॉडिफिकेशन वर्क फॉर प्रोविजन ऑफ डबल इनलेट ब्लोअर इन एल०एच०बी० टाईप नन ए०सी० कोचेज इन मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपुर। **अनुमानित लागत:** ₹49,77,600/- ; **बयाना राशि:** ₹99,600/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** ₹ निल ; **कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने की तिथि से:** 12 महीना। • ऑनलाइन ई–निविदा जमा करने की तिथि 05.08.2025 समय 11:00 बजे तक। • पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपे० (कार.) गोरखपुर
मुजाधि/विद्युत–88
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

अदालती सूचना
अदालती सूचना ता0 पेशी 17/07/2025 हेतु संदर्भित करने की सूचना (साधारण प्रारूप) न्यायालय सिविल जज जू डी पुवायां शाहजहाँपुर। मूल वाद सं0-17/2024 रामसरन बनाम रामनिवास आदि बनाम 1, श्रीमती सिरोजनी पत्नी हरद्वारी 2,हरद्वारी पुत्र श्रीकृष्ण निवासी गण ग्राम रघुनाथ पुर,परगना व तहसील पुरनपुर जिला पीलीभीत प्रतिवादी गण चूंकि उपर निमांकित रामसरन वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है अतैव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 ई0 के माह 7 के 17 दिवस को प्रातः 10 बजे में स्वयं या सम्येक रूपेण अनादिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। आज सन् 2025 के माह 07 के 15 दिवस को मेरे दस्तखत व मोहर से जारी किया गया। **न्यायालय के आदेशानुसार वाद लिपिक सिविल जज जू डी पुवायां,शाहजहाँपुर।**

सी.आर.-780/ D-CN

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्यो के लिये ई–निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है:–
क्रम सं.-1, निविदा सं.: वमंविइं-टीआरडी-लजं-ओटी-163, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में मौजूदा SCADA प्रणाली में साइबर सुरक्षा का कार्यान्वयन। ई-निविदा बन्द होने की तिथि व समय: 11-08-2025 व 15:00 बजे, ई-निविदा खुलने की तिथि व समय: 11-08-2025 व 15:30 बजे, अनुमानित लागत: ₹ 6,92,00,000/-, बयाना राशि: ₹ 4,96,000/-, निविदा मूल्य: ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधि: 06 माह।
नोट: (1) इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। **(2)** विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत–91 लखनऊ
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि.-पूरनपुर पीलीभीत
ई-निविदा एवं अल्पकालीन निविदा सूचना

मिल समिति द्वारा पेराई सत्र 2025-26 के संचालन हेतु मिल मे विभिन्न कार्यो हेत अनुभवी ठेकेदारो से ई-निविदाये एंव अल्पकालीन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिनका विवरण निम्नवत है :-

क्र. सं.	कार्य का विवरण	निविदा लोड करने की तिथि	निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि	धरोहर धनराशि रुपये	निविदा प्रपत्र मूल्य जी.एस.टी. सहित रु.
1.	गन्ना क्रय केन्द्रों से ट्रकों द्वारा गन्ना दुलाई कार्य-शाहगढ़ प्रथम, रायपुर, जगतपुर, प्रसादपुर एवं पचपेडा ।	17.07.2025	23.07.2025	10,000.00	590.00
2.	कुंवरपुर, गजरौला, उदयकरनपुर, चन्दुइया, दुधियाखुर्द, जटपुरा, झुकना, गढवाखेडा, अण्डबोझी एंव शाहबाजपुर।	17.07.2025	23.07.2025	20,000.00	590.00
3.	रम्पुराकोन	17.07.2025	23.07.2025	30,000.00	590.00
4.	मिल गेट तथा वाह्य गन्ना क्रय केन्द्रों पर स्थापित कांटो की मरम्मत व रखरखाव (ए.एम.सी.)।	06.08.2025	13.08.2025	10,000.00	236.00
5.	4 बाह्य गन्ना केन्द्रों की स्थापना एवं 8 स्थापित कांटो की मरम्मत तथा सत्र समाप्त उपरान्त कांटो को उखाड कर मिल में जमा करना ।	06.08.2025	13.08.2025	10,000.00	236.00
6.	सिविल कार्य- पावर हाउस की छत बदलने का कार्य।	17.07.2025	25.07.2025	8,000.00	295.00
7.	पावर हाउस का गटर मरम्मत कार्य।	17.07.2025	26.0720.25	4,000.00	295.00
8.	चीनी गोदामों के लोडिंग प्वाइन्ट पर टीन शेड बनाने का कार्य।	17.07.2025	24.07.2025	6,000.00	295.00
9.	लैगून मरम्मत का कार्य।	17.07.2025	25.07.2025	4,000.00	295.00
10.	कैन्टीन निर्माण कार्य ।	17.07.2025	24.07.2025	6,000.00	295.00
11.	मिल कालोनी के 02 आवासों की छत मरम्मत का कार्य।	16.07.2025	24.07.2025	3,000.00	295.00
12.	विभिन्न हाउसों में कॉलम, परलिंग मरम्मत कार्य ।	20.07.2025	28.07.2025	40,000.00	295.00
13.	केन यार्ड में हैंड पम्प लगाना ।	18.07.2025	25.07.2025	3,000.00	295.00
14.	केन यार्ड में शौचालय निर्माण कार्य ।	22.07.2025	30.07.2025	3,000.00	295.00
15.	ए.एम.सी. वार्षिक मरम्मत कन्ट्रेक्टआफ शुगरबिन सिस्टम (03नग)	17.07.2025	30.07.2025	2,000.00	295.00
16.	शुगर हैण्डलिंग का कार्य ।	28.07.2025	07.08.2025	30,000.00	295.00
17.	ड्रायर हाउस हैण्डलिंग का कार्य।	28.07.2025	07.08.2025	30,000.00	295.00
18.	सीजन के दौरान बैगास फीडिंग शिफ्टिगं तथा लूज बैगास से गाठे बनाना सम्बन्धित अन्य कार्य।	05.08.2025	14.08.2025	50,000.00	590.00
19.	प्रेसमड / मैली का विक्रय तथा सम्बन्धित अन्य कार्य।	05.08.2025	14.08.2025	2,00,000.00	590.00
20.	फलाई ऐस अरिस्टर पौण्ड की सफाई एवं पौण्ड से निकलने वाली राखी को निकालकर निर्देशित स्थान पर डालना।	05.08.2025	14.08.2025	10,000.00	295.00
21.	मिल स्टोर मे उपलब्ध निष्प्रयोज्य सामान का विक्रय।	21.07.2025	29.07.2025	3,000.00	295.00
22.	ई0टी0पी0 का वैज्ञानिक संचालन	21.07.2025	05.08.2025	10,000.00	590.00
23.	जेम पोर्टल के माध्यम से मेन पावर की आपूर्ति	28.08.2025	12.09.2025	15,00,000.00	590.00

नियम एवं शर्तें ई-टेण्डरिंग में अंकित होगीं । अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये एक अथवा समस्त ई-निविदाये एंव अल्पकालीन निविदाओं को पूर्ण एवं आंशिक रूप से निरस्त करने का सर्वाधिकार सुरक्षित होगा।
पत्रांक : 489/लेखा-विक्रय/ 2025-26 दिनांक : 15-07-2025
प्रधान प्रबन्धक

सी.आर.-774/ D

न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, जनपद- गोरखपुर
एम0ए0सी0पी0नं0-572/2023
पृथ्वीनाथ बनाम कामरान अजीज आदि
1/1. कामरान अजीज पुत्र अब्दुल अजीज निवासी, धम्माल, निकट स्टार प्रेस, वार्ड नं0 - 68 पुराना गोरखपुर, जिला-गोरखपुर, पिन- 273001
(वाहन स्वामी मोटर साइकिल रजिस्टर्ड संख्या U.P. 53 EL 8938)
2. फरहान अजीज पुत्र अब्दुल अजीज निवासी, धम्माल, निकट स्टार प्रेस, वार्ड नं0 - 68 पुराना गोरखपुर, जिला-गोरखपुर, पिन- 273001
(वाहन चालक मोटर साइकिल रजिस्टर्ड संख्या U.P. 53 EL 8938)
विपक्षी
हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 09 सन् 2025 बवक्त 10 बजे दिन को अदालत में या मारफत वकील के जो मुकदमें की हालात से करार वकई वाकिफ किया गया हो और जिसे कुल उमूर अहम मुतालिक मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई सख्स हो जो कि जवाब सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाब देही दावा की करें और हरगाह वही तारीख को आप के इजहार के लिये मुकर्रर है कि वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा व के तजवीज हुई है आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनकी आप जवाबदेही हुई है कत्तई दे ताईद इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
ता. पेशी 15 .09.2025
जबावदेही व तनकीह
आज ता. 30.06.2025 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत के हवाले से जारी किया गया।
न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, जनपद- गोरखपुर

सी.आर.-774/ D-CN

उत्तर रेलवे
ई–ऑक्शन सूचना
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**ADVT-LKO-PRG-OSD-539-24-1 (Advertising- On Station Premise (Digital))**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	09.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	24.07.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	24.07.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**ADVT-LKO-LKO-OH-565-25-1 (Advertising- Out of Home)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.07.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.07.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**MSS-LKO-PYGS-BCA-100-25-1 (Misc Static Services-Battery operated carts with Advertisement)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	07.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	24.07.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	24.07.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

2129/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना संख्या	1186–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ दिनांक 14.07.2025
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के अंतर्गत विभिन्न रेलवे कॉलोनियों में स्थित विभिन्न प्रकार के रेलवे आवासो की विद्युत परिसंपत्तियों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य
अनुमानित लागत	रु.1,01,91,976.91/– (एक करोड़ एक लाख इक्यानवे हजार नौ सौ छिहत्तर रूपये एवं इक्यानवे पैसा)
ई–निविदा की कीमत	शून्य
बयाना राशि	रु. 2,01,000/– (दो लाख एक हजार रूपये मात्र)
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह
ई–निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 08.08.2025 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर चैक की जा सकती है।

सूचना सं0 1186–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ
दिनांक : 14.07.2025
2142/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एफ0 सी0 जे0 फॉर्म नंबर, 13 भाग,1 हेतु संदर्शित की सूचना साधारण प्रारूप न्यायालय अपर परगना अधिकारी महोदय जिला लखीमपुर खीरी
वाद संख्या T2025104301035 85
तारीख पेशी 20/07/2025
मुरारी लाल
बनाम
विजय गौड़ आदि
1- विजय गौड़ पुत्र शान्ती प्रसाद निवासी रंगीला नगर परगना व जिला खीरी।
2- वीरेंद्र कुमार पुत्र शान्ती प्रसाद निवासी रंगीला नगर परगना व जिला खीरी।
चूंकि उपरोक्त नामित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अत एव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदक के खिलाफ हेतु संदर्शित के लिए दिनांक 20/07/2025 के दिवस को 10:00 बजे पूर्वाह्न मैं स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षी रूप से सुना जाएगा। व अवधारित किया जाएगा । मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर सहित आज दिनांक 9/07/2025 के दिवस को निकल गई।
आज्ञा से न्यायालय अपर परगना अधिकारी मजिस्ट्रेट-लखीमपुर खीरी

सी.आर.-779/ D-CN

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोर्ट संख्या -1 गोरखपुर
वाद संख्या 690/2024
शैलेश कुमार गुप्ता बनाम श्री इन्तजार अहमद आदि
बनाम
2. श्रीमती शाहीन सिद्दकी बालिग पत्नी जयाउद्दीन सिद्दकी पुत्री स्व0 नसीर अहमद खान निवासिनी-12 इन्साफ नगर, पानीगांव इन्द्रानगर, लखनऊ । 5. श्रीमती शबनम खान बालिग पत्नी स्व. शरीफ अहमद, निवासिनी - इन्साफ नगर, पानीगांव, इन्द्रानगर, जिला-लखनऊ। 6. श्रीमती जरीना बेगम बालिम पत्नी श्री मुनीर अहमद खान पुत्री स्व0 नसीर अहमद खान, निवासिनी ए-25 गायत्रीनगर, पानीगांव, इन्द्रानगर लखनऊ ।
- प्रतिवादी गण
हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 07 सन् 2025 ई. बवक्त 10 बजे दिन के अदालत में या मार्फत वकील के जो मुकदमें की हालात से करार वाकई वाकिब किया गया हो जो कुल उमूर अहम मुतालिक मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करे और हरगाह वही तारीख को इजहार के लिए मुकर्रर है कि वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज जुमला दस्तावेज को जिनकी आप जवाबदेही हुई है कत्तई देय ताईद इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूह और फैसला होगा।
ता. पेशी 17.07.2025
जवाबदेही व तनकीह
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज 04.07.2025 बतारीख जारी किया गया।
अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोर्ट संख्या -1 गोरखपुर

सी.आर.-774/ D-CN

अदालती नोटिस
हेतू संदर्शित करने की सूचना(साधारण सूचना)
अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोर्ट संख्या -1 गोरखपुर
वाद संख्या 690/2024
शैलेश कुमार गुप्ता बनाम श्री इन्तजार अहमद आदि
बनाम
2. श्रीमती शाहीन सिद्दकी बालिग पत्नी जयाउद्दीन सिद्दकी पुत्री स्व0 नसीर अहमद खान निवासिनी-12 इन्साफ नगर, पानीगांव इन्द्रानगर, लखनऊ । 5. श्रीमती शबनम खान बालिग पत्नी स्व. शरीफ अहमद, निवासिनी - इन्साफ नगर, पानीगांव, इन्द्रानगर, जिला-लखनऊ। 6. श्रीमती जरीना बेगम बालिम पत्नी श्री मुनीर अहमद खान पुत्री स्व0 नसीर अहमद खान, निवासिनी ए-25 गायत्रीनगर, पानीगांव, इन्द्रानगर लखनऊ ।
- प्रतिवादी गण
हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 07 सन् 2025 ई. बवक्त 10 बजे दिन के अदालत में या मार्फत वकील के जो मुकदमें की हालात से करार वाकई वाकिब किया गया हो जो कुल उमूर अहम मुतालिक मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करे और हरगाह वही तारीख को इजहार के लिए मुकर्रर है कि वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज जुमला दस्तावेज को जिनकी आप जवाबदेही हुई है कत्तई देय ताईद इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूह और फैसला होगा।
ता. पेशी 17.07.2025
जवाबदेही व तनकीह
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज 04.07.2025 बतारीख जारी किया गया।
अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोर्ट संख्या -1 गोरखपुर

सी.आर.-774/ D-CN

रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर समेत चार गिरफ्तार

सीबीआई ने बरामद किया 3.3 लाख नकद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। हजरतगंज में स्थित नॉर्दर्न रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डिप्टी चीफ इंजीनियर समेत चार लोगों को घूस लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। सोमवार देर रात तक सीबीआई की टीम की छापेमारी व प्रारंभिक जांच के बाद माना जा रहा है कि मामले में कुछ और रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों की भी जल्द गिरफ्तारी हो सकती है। सीबीआई को जानकारी मिली थी कि रेलवे के मिशन गति शक्ति यूनिट में प्रोजेक्ट देने के एवज में बड़े स्तर पर रिश्वत खोरी चल रही है। जानकारी की पुष्टि होते ही सीबीआई की टीम ने डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा समेत 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर डीआरएम ऑफिस सहित कई अन्य ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम ने टेंजेंट इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी जिम्मी सिंह को रंगे हाथ गिरफ्तार किया, जो अफसरों को रिश्वत देने आया था। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह विवेक कुशवाहा को घूस देने आया था। इसके बाद डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा को भी गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से करीब ढाई लाख नकद बरामद हुए। कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए सीबीआई ने ऑफिस सुपरिंटेंडेंट अंजुम निशा और सीनियर सेक्शन इंजीनियर अशोक रंजन को भी घूस की रकम के साथ गिरफ्तार किया। अंजुम कार्यालय प्रक्रियाओं की देखरेख करती हैं जबकि अशोक ड्राइंग और तकनीकी फाइनल अप्रूवल से जुड़े कार्य देखते हैं। दोनों के पास से करीब अस्सी हजार रुपए बरामद हुआ। सीबीआई की टीम ने देर रात तक लखनऊ समेत कई ठिकानों पर दबिश देती रही। गिरफ्तार अधिकारियों और कर्मचारियों के घर और दफ्तरों में भी तलाशी जारी है। एजेंसी को शक है कि प्रोजेक्ट पास कराने के नाम पर बड़े पैमाने पर घूसखोरी का जाल फैला हुआ है, जिसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं। सीबीआई की मौजूदगी की खबर मिलते ही डीआरएम कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई।

कई कर्मचारी और अधिकारी दफ्तर छोड़कर बाहर भाग निकले, जिनकी पहचान और तलाश अब की जा रही है। वहीं, सीबीआई ने घटनास्थल पर ही बिल से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों, प्रोजेक्ट फाइलों और कंप्यूटर डेटा को जब्त कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग सेक्शन में कार्यरत महिला बाबू अंजुम निशा ने 'अमृत भारत योजना' के तहत रेलवे स्टेशन के रिनोवेशन का काम करने वाले एक ठेकेदार से उसका बिल पास करने के एवज में 1 प्रतिशत कमीशन मांगा था। ठेकेदार का करीब 3 करोड़ रुपए का बिल अटका हुआ था। वह बीते दो महीने से लगातार लखनऊ से दिल्ली तक चक्कर काट रहा था। ठेकेदार ने रिश्वत देने के बजाय इसकी शिकायत दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में दर्ज कराई। शिकायत की पुष्टि के बाद दिल्ली और लखनऊ की संयुक्त टीम ने मिलकर जाल बिछाया। तय योजना के तहत सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे डीआरएम ऑफिस के अंदर गति शक्ति के सिविल इंजीनियरिंग सेक्शन में ठेकेदार ने महिला बाबू को एक लिफाफे में 3 लाख रुपए दिए। जैसे ही महिला ने लिफाफा पकड़ा सीबीआई की टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। वहीं सूत्रों के मुताबिक यह सिस्टम इतनी सफाई से चलता है कि हर लेवल पर %कमीशन तय% है। ठेकेदारों को सीधे न कहकर उन्हें फाइल अटकाने, तकनीकी आपत्तियां बताने और दस्तावेजों में कमी का बहाना बनाकर मानसिक रूप से दबाव में लाया जाता है। जब तक वे घूस देने को तैयार नहीं होते, उनका बिल महीनों तक क्लियर नहीं किया जाता।

बाइक चोर तीन दोस्त गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पीजीआई पुलिस ने बाइक चोर गैंग का खुलासा किया। पांचवीं पास गैंग के सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से सात चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। डीसीपी ने पुलिस टीम को दस हजार रुपए का नकद इनाम देने की घोषणा की है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि 8 जुलाई को कृष्ण कुमार शुक्ला की बाइक सेक्टर 12 कल्होन के सामने से चोरी हुई थी। 14 जुलाई को मंजुदेवी के पुत्र शाहिद की अपाचे बाइक मल्लीली देशी शराब के ठेके के पास से चोरी हो गई थी। उसी दिन अंकुर अवस्थी की फोनेक्स बाइक सेक्टर 12 सरदार गेट के पास से चोरी हो गई थी। पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर तीन आरोपियों को बरौली फ्लाई ओवर के पास से गिरफ्तार किया।

मां ने बेटी की हत्या कर पति पर लगाया आरोप, सख्ती पर कबूला जुर्म

पति को फंसाने के लिए उठाया कदम

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। कैसरबाग इलाके में एक मां ने पति को फंसाने के लिए अपनी 6 साल की बेटी की हत्या कर दी। वह अपने प्रेमी के साथ लिव-इन में रहती थी। वारदात के बाद मां ने पुलिस को कॉल की। कहा कि पति ने बेटी की हत्या कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। इस दौरान मां बार-बार बयान बदल रही थी। पुलिस ने सख्ती की तो उसने गुनाह कबूल लिया। वारदात 14-15 जुलाई की रात कैसरबाग के खंदारी बाजार इलाके की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मां का नाम रोशनी उर्फ नाज है। करीब 10 साल पहले उसकी शादी शाहरुख खान नाम के युवक से हुई थी। दोनों की 6 साल की बेटी सायनारा उर्फ सोना थी। कुछ साल पहले रोशनी का उदित जायसवाल नाम के युवक के साथ अफेयर हो गया। रोशनी ने मई में पति को मारपीट कर घर से निकाल दिया था। सास, दोनों ननद और जेठ को अलग-अलग मुकदमों में जेल भिजवा दिया था। उसके बाद से अपने ही घर में उदित के साथ लिव-इन में रहने लगी थी। इंस्पेक्टर कैसरबाग ने बताया कि रोशनी ने बेटी की हत्या की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम में दी। उसने कहा कि पति शाहरुख ने बेटी की हत्या कर दी। मौके पर जांच पड़ताल की गई तो रोशनी की बात झूठ निकली। पता चला कि रोशनी का पति से विवाद चल रहा था। वह बेटी से मिलने आया था तो दोनों के बीच बहस हो गई। पति को फंसाने के लिए उसने गला दबाकर बेटी की हत्या कर दी। फिर पुलिस को कॉल की। आरोपी महिला को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की। वह बार बार ब्यान बदल रही थी। पुलिस को इस पर शक हुआ। जिस कमरे में बच्ची की लाश मिली,उसे सील कर दिया। बच्ची का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और छानबीन शुरू की। रोशनी बार-बार बयान बदलने लगी। इससे उस पर शक गहरा गया। पुलिस उसको हिरासत में लेकर थाने ले गई। जहां प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उसका पति से करीब दो साल से विवाद चल रहा है। पति अमीनाबाद में किराए के मकान में रहता है। उसने रोशनी के खिलाफ 18 मई को मुकदमा भी दर्ज कराया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि रोशनी की करीब 10 साल पहले खंदारी निवासी शाहरुख से शादी हुई थी। तभी से दोनों खंदारी में रहते थे। शाहरुख की मां परवीन ने घर को बिल्डर की मदद से चार फ्लोर का बनवाया था। जिसमें पहली और चौथी फ्लोर पर वो परिवार के साथ रहती थी।

तीन लोगों से पूछ-ताछ की जा रही है जो भी इस मामले का दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा। **धनंजय कुशवाहा अपर पुलिस आयुक्त पश्चिमी**

खबर एक नजर

दो पक्षों में भिड़ंत, 11 घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। अमेठी जिले के कचनाव गांव में खड़ी फसल की जोताई के विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। भिड़ंत में 11 लोग घायल हो गए जिनमें से एक की हालत गंभीर है। कचनाव गांव के पूरे रिसाल मजरे में मंगलवार सुबह खड़ी फसल जोतने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद लाठी-डंडे चल गए। विवाद में दोनों ओर से कुल 11 लोग घायल हुए, जिनमें से दो को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है।पुलिस के अनुसार, पूरे रिसाल निवासी रामदुबेर और भाले सुल्तान शहीद स्मारक के थोरी गांव निवासी रमेश के बीच खेत की भूमि को लेकर पूर्व से विवाद है। कुछ दिन पहले राजस्व विभाग की टीम ने विवादित जमीन का सीमांकन कराया था, जिसके बाद रामदुबेर ने उसमें धान की रोपाई की थी।मंगलवार सुबह करीब आठ बजे रमेश के पक्ष के लोग खेत पर पहुंचे और खड़ी फसल की जोताई शुरू कर दी। सूचना पर रामदुबेर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और विरोध करने लगे। इसी दौरान विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट शुरू हो गई। घटना में रामदुबेर पक्ष के रामधनी, दान बहादुर, रामवती, बाबादेई, आदित्य, रामा व बाबा दीन घायल हुए। वहीं, रमेश पक्ष के रमेश कुमार, गया प्रसाद, प्रेमा देवी, जितेंद्र कुमार और राहुल को भी चोटें आईं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर छह और पांच नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

जहरीली गैस की चपेट में आया सफाईकर्मी, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। कानपुर के पनकी थाना क्षेत्र अंतर्गत सीवर सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आकर सफाईकर्मी की मौत हो गयी। आरोप है कि नाला सफाई के दौरान ठेकेदार द्वारा कर्मियों को सुरक्षा उपकरण मोहैया नहीं करवाए गए थे। जिस वजह से यह हादसा होना माना जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच में जुट गई है। विजयनगर अंबेडकर नगर के रहने वाला अनिल उर्फ पप्पू (35) बीते एक साल से जल संस्थान में ठेकेदार कमलेश व सुपरवाइजर सौरभ के साथ काम कर रहा था। परिवार में उसकी पत्नी संतोषी और ढाई साल की बेटी है। पत्नी ने बताया कि मंगलवार को पति अनिल, छोटेलाल व विजय नगर निवासी बिरजू के साथ काम पर जाने की बात बोलकर घर से निकले थे। पनकी के सुंदर नगर इलाके में 10 फीट गहरे नाले में सफाई करने के लिए अनिल बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के नीचे उतरा। जबकि बिरजू और छोटेलाल बाहर ही खड़े थे। ऐसे में नाले से निकलने वाली जहरीली गैस की चपेट में आने से वह बेहोश हो गये। काफी देर तक नाले के अंदर से कोई हलचल नहीं हुई तो बाहर खड़े साथियों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल लेकर पहुंचे।

ट्रक की चपेट में आयी छात्रा की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ । जौनपुर जिले के चंदवक थाना अंतर्गत चंदवक औड़िहार मार्ग पर मंगलवार दोपहर बगेरवा नाले पर विद्यालय से घर जा रही साइकिल सवार छात्रा की तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हृदय विदारक घटना को देखकर साइकिल से साथ जा रही तीन छात्राएं बिलखते हुए बेहोश हो गईं। छात्राओं को किसी तरह संभाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीछा कर ट्रक को चालक सहित हिरासत में ले लिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करने में जुटी है।जमुनीपुर गांव निवासी प्रमोद वर्मा की पुत्री दिब्या वर्मा इंटर कॉलेज चंदवक में कक्षा नौ में पढ़ती है। वह स्कूल से दोपहर में घर साइकिल से अन्य छात्राओं के साथ लौट रही थी। बगेरवा नाले के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह असंतुलित होकर गिर गई और ट्रक के पहिये के नींचे आ गई। इससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

सेवानिवृत्त आईपीएस के निधन पर शोक सभा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पुलिस विभाग के वरिष्ठ व सेवानिवृत्त अधिकारी सुनील चन्द्र बाजपेयी (एसपीएस-2001), सेवानिवृत्त पुलिस उप महानिरीक्षक के निधन पर आज पुलिस मुख्यालय, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा समेत पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्व. बाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व एवं सेवाकाल को याद किया। इस अवसर पर डीजीपी ने दिवंगत अधिकारी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सुनील चन्द्र बाजपेयी का जन्म 15 अप्रैल 1955 को जनपद इलाहाबाद (प्रयागराज) में हुआ था। वे वर्ष 1985 में प्रांतीय पुलिस सेवा (पीपीएस) में चयनित हुए थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने पीलीभीत, आगरा, लखनऊ, वाराणसी, शाहजहांपुर, हरिद्वार जैसे कई जनपदों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

नावेद का काला-चिट्ठा खोलने की तैयारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। शाहजहांपुर जिले में पहचान छिपाकर युवती के साथ दुष्कर्म व धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाले आरोपी नावेद उर्फ कासिफ पठान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस घटना की तह तक और उसका काला चिट्ठा खोलने में जुटी पुलिस। एसपी ने जांच के लिए एसओजी व सर्विलांस समेत तीन टीमों को लगाया है। टीमें आरोपी के मोबाइल, सोशल मीडिया व कॉल डिटेल को खंगाल रही है। यही नहीं आरोपी के मोबाइल में मिले फोटो की भी जांच-पड़ताल कर रही है। चौक कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी युवती शनिवार की शाम को चौक कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि दो साल पूर्व शिवा वर्मा नाम के युवक से सोशल मीडिया के जरिये संपर्क हुआ था। उसने तिलक और कलावा बांध अपना धर्म छिपाकर शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। हिडेन कैमरे से वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा।

साइकिल मिस्त्री से शार्प शूटर बना शाहरुख पठान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। संजीव जीवा और मुख्तार अंसारी गिरोह का शार्प शूटर मुजफ्फरनगर के खालापार निवासी शाहरुख पठान ने बाल्यकाल के बाद युवा जिंदगी की शुरुआत साइकिल की मरम्मत करने वाली पिता की दुकान पर काम सीखने से की थी। उसके बाद वह जरयाम की दुनिया में अपराध का ऐसा पाठ पढ़ा कि वह माफिया संजीव जीवा व मुख्तार अंसारी तक जा पहुंचा। उसने वर्चस्व कायाम रखने के लिए एक के बाद एक तीन हत्याएं की। उसने पुलिस कस्टडी में शातिर अपराधी आसिफ जायदा की हत्या की थी यही नहीं उसने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमों के गवाहों को धमका रहा था। एसटीएफ के एएसपी बृजेश कुमार ने बताया कि खालापार निवासी शाहरुख पठान को उसके फूफा फक्करशाह खालापार निवासी अमीर आजम ने संतान न होने के कारण गोद ले लिया था।उसने अपराध करने का सफर साइकिल की मरम्मत करने के दौरान साथी बने सोबी के साथ मिलकर वर्ष 2015 में शुरू किया।

अन्तर्राज्यीय चोर गैंग का खुलासा, तीन गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी में बंद पड़े घरों की रेकी कर चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग का पुलिस ने खुलासा किया है। थाना पीजीआई व सर्विलांस सेल, पुलिस उपायुक्त दक्षिणी की संयुक्त टीम ने डलौना रेलवे अंडरपास के पास से तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार करते हुए चोरी की गई एक्सेंट कार, कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान और आभूषण समेत पूरी चोरी का माल बरामद कर लिया। पकड़े गए तीनों अभियुक्त बिहार के कैमूर जनपद के रहने वाले हैं, जो लंबे समय से लखनऊ में सक्रिय थे। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया कि 12 जुलाई को सेक्टर-ए, एल्डिको-2, रायबरेली रोड स्थित एक डॉक्टर के बंद मकान को चोरों ने अपना निशाना बनाया। मकान मालिक प्रियवृत शुक्ला परिवार सहित बीस दिन से बाहर थे। इस दौरान रात करीब 1 बजे चोरों ने ताला तोड़कर अंदर घुसते हुए एक्सेंट कार , टीवी, लैपटॉप, टैबलेट, डेस्कटॉप, आभूषण व अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया था। मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद सर्विलांस और स्थानीय पुलिस टीम ने मिलकर जांच शुरू की। उउळश् फुटेज, तकनीकी ट्रैकिंग और मैनुअल इनपुट्स के आधार पर तीन अभियुक्त सोनू सिंह, अनुराग कुमार सिंह और शक्तिमान सिंह को 15 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। मौके से चोरी की गई एक्सेंट कार के साथ-साथ स्कार्पियो कार (घटना में प्रयुक्त), एलईडी टीवी, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल, डेस्कटॉप, कीमती गहने और दस्तावेज भी बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्त सोनू सिंह के खिलाफ लखनऊ के अलग-अलग थानों में 08 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं शक्तिमान और अनुराग पर भी चोरी व एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज हैं। ये गैंग बंद पड़े मकानों की पहले रेकी करता, फिर मौका देखकर योजनाबद्ध तरीके से रात में चोरी को अंजाम देता था। पुलिस ने इनके कब्जे से एक कार, एक स्कार्पियों, दो लैपटॉप, दो टैबलेट, एक टीवी डेस्कटॉप सेट, दो मोबाइल फोन, सोने की चूड़ियां, झुमके, मंगलसूत्र, मांगटीका सहित कई आभूषण, आधार कार्ड, लैपटॉप चार्जर आदि बरामद किया है।

बंद मकानों को बना रहे थे निशाना

अपना बूथ करो मजबूत अभियान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। समाजवादी पार्टी द्वारा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान अपना बूथ करो मजबूत के अंतर्गत सरोजनीनगर विधानसभा में दो संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया गया। पहली बैठक सेक्टर-34 में हुई, जिसकी अध्यक्षता भावी प्रत्याशी राम प्रकाश यादव ने की। दूसरी बैठक रजनी खंड में आयोजित की गई, जिसमें महिला कार्यकर्ताओं और युवाओं की सक्रिय सहभागिता रही। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन की वर्तमान स्थिति का आकलन, विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीतिक तैयारियां, मतदाता सूची का पुनरीक्षण और नवमतदाताओं को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा की गई। राम प्रकाश यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हर बूथ चुनावी रणभूमि है और उसे संगठित कर जीत का गढ़ बनाना है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई हैं।

जेड प्लस श्रेणी सुरक्षा की मांग

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर को जान से मारने की धमकी देने वाले मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धमकी देने वाले की पहचान कमलेश सिंह के रूप में हुई है, जो फेसबुक पर करणी सेना बलिया नामक पेज चलाता है। इस पेज से ओम प्रकाश राजभर को जान से मारने की खुली चेतावनी दी गई थी। सुभासपा नेता मंत्री प्रतिनिधि अहमद उस्मानी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने ओम प्रकाश राजभर को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा और पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर व प्रवक्ता महासचिव अरुण राजभर को वाई श्रेणी की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। अपर पुलिस अधीक्षक कृपा शंकर ने बताया कि बलिया में सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक पोस्ट वायरल हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष को अपशब्द कहे थे। इस मामले में कोतवाली थाना बलिया में उचित धारा के तहत मुकदमा पंजीकृत कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सुंदरकांड और भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। साँई रेजीडेंसी ग्राम उत्तरधौना चिनहट में स्थित स्फटिक लिंगेश्वर मंदिर में 4 वर्ष पूरे होने पर एक विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर हवन, सुंदरकांड का पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया। स्फटिक लिंगेश्वर मंदिर में विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियों की स्थापना की गई है, जिनमें गणेश जी, दुर्गा जी, हनुमान जी, साई बाबा और शंकर जी शामिल हैं। भंडारे में पूरी सब्जी और बूंदी प्रसाद वितरण किया गया, जिसे भक्तों ने बहुत ही आनंद के साथ ग्रहण किया। कार्यक्रम में प्रदीप सिंह बबलू, संदीप सिंह रिन्कू और समस्त साँई रेजीडेंसी परिवार मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल ने अपने स्थापना दिवस और राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे के जन्मदिन के शुभ अवसर पर लखनऊ पाण्डेय पुरम जानकीपुरम विस्तार में पौधारोपण किया और जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी का सामान वितरित किया। इस मौके पर संगठन के मुखिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे ने कहा कि संगठन व्यापारियों के हित के लिए रात दिन काम करता रहेगा। उन्होंने समस्त व्यापारियों और क्षेत्र वासियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव प्रमोद मिश्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ गुड़िया निगम, संरक्षक सूर्य नारायण तिवारी, प्रदेश महासचिव मनोज ठाकुर और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति घोटाले में पूर्व निदेशक गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी छात्रवृत्ति योजना के नाम पर करोड़ों की हेराफेरी का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश के पूर्व निदेशक मिश्रीलाल पासवान को गिरफ्तार किया है। उन पर योजनाबद्ध तरीके से फर्जी छात्रों के नाम पर छात्रवृत्ति की राशि हड़पने का गंभीर आरोप है। वित्तीय वर्ष 2010-11 व 2011-12 के मध्य निदेशालय समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में नियुक्त तत्कालीन निदेशक मिश्रीलाल पासवान व अन्य अधिकारी व कर्मचारी द्वारा संस्था गुरूनानक एजूकेशन ट्रस्ट रुड़की हरिद्वार, उत्तराखण्ड के तत्कालीन ट्रस्टी के साथ आपसी आपराधिक दुरभि सन्धि व छल करके मूल्यवान एवं महत्वपूर्ण अभिलेखीय साक्ष्यों को विलोपित एवं नष्ट करके, केन्द्र पुरोनिधानित अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत पीजीडीएम पाठ्यक्रम में उक्त अवधि में अध्ययनरत 336 छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति की निर्धारित धनराशि के स्थान पर अनियमित तरीके से अधिक धनराशि प्रदान करके, कुल 7,95,10,370 रुपए (सात करोड़ पिचानवे लाख दस हजार तीन सौ सत्तर रुपये मात्र) की राजकीय धनराशि का गबन कर लिया गया था। प्रकरण में गुरूनानक एजूकेशन ट्रस्ट रुड़की हरिद्वार, उत्तराखण्ड द्वारा कई छात्रों का फर्जी प्रवेश दिखाकर दुरभिसंधि करते हुए फर्जी छात्रों की छात्रवृत्ति प्राप्त की गयी, जिसके सम्बन्ध में जांचोपरान्त 23 अक्टूब 2019 को थाना एसआईटी यूपी लखनऊ पर 5 अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया था। विवेचना के मध्य संकलित साक्ष्य से अपराध प्रमाणित पाये जाने पर तत्कालीन निदेशक समाज कल्याण विभाग मिश्रीलाल पासवान को आज ईओडब्लू यूपी की टीम द्वारा महानगर से गिरफ्तार किया गया । अन्य चार अभियुक्तों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है ।

करीब आठ करोड़ की हेराफेरी का आरोप

हाईवे पर गरीबी का हवाला देकर वसूली

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। शाहजहांपुर जिले के निगोही थाना क्षेत्र में लिपुलेख-भिंड हाईवे पर मंगलवार को जींस टॉप पहनीं पांच-छह युवतियों के गैंग ने मिश्रीपुर गांव के पास वाहन चालकों को रोककर परिवार की गरीबी का वास्ता देते हुए मदद के बहाने रकम वसूल रही थीं। उनके पहनावे और अंग्रेजी मिश्रित बोल-चाल से ऐसा नहीं लग रहा था कि वह गरीब परिवारों से वास्ता रखती हैं। वहां से गुजर रहे किसी वाहन चालक ने थाने में सूचना दी, पुलिस के पहुंचने से पहले युवतियां वहां से फरार हो गई। पुलिस के मुताबिक मधवामई मोड़ व सतवां गांव मोड़ के पास अज्ञात युवतियां वाहनों को सड़क के दोनो ओर रोक कर वसूली करने से दोनों कतार लगने से जाम जैसी स्थिति बनती देख लड़कियां वहां से चली गईं। इससे पहले भी कई स्थानों पर युवतियों द्वारा वसूली की शिकायत पुलिस को मिली चुकी थी।

शराबी बेटे को पिता ने मारी गोली, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। लोग कहते हैं कि नशा नाश की जड़ होता है...हंसते-खेलते परिवारों को भी उजाड़ देता है शाहजहांपुर जिले के तिलहर के मोहल्ला निजामगंज में एक लाचार पिता अपने ही नशेड़ी पुत्र की आदत व घर की वस्तुओं को बेचने में नहीं हिचकता था शराब मिलनी ही चाहिए। यहां तक उसने अपन ही घर के खिड़की व दरवाजे तक बेच डाले यही नहीं रोज-रोज पैसे मांगने से आजिज होकर मंगलवार को बेटे के सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्यारे को गिरफ्तार करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पूंछ-ताछ कर रही है।

पुलिस के मुताबिक चीनी मिल से सेवानिवृत्त सहायक लेखाकार ओमकार गंगवार ने अपने बेटे हर्षवर्धन गंगवार उर्फ चिंटू (32 वर्ष) को गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक नशे की लत के कारण वह अक्सर पिता से पैसे मांगने के साथ ही घर वालों को परेशान करता था। नशे का आदी होने के साथ ही वह आये दिन रुपये मांगता था नही देने पर मारपीट गाली-गलौच करता था। यहां तक उसने मकान के खिड़की-दरवाजे समेत अन्य सामान बेच दिया था। उसने शराब पीने के लिए माता-पिता पैसे मांगने लगा उन्होंने पैसे देने से इंकार किया तो बेल्चे के साथ वहां पड़ी हथौड़ी लेकर माता-पिता को दौड़ा लिया। हमला होता देख पिता ओमकार ने लाइसेंसी बंदूक निकाल लाये यह देखकर मृतक उनसे भिड़ गया और छीना-झपटी के दौरान फायरिंग हो गई गोली उसके सीने में जा धंसी जिससे उसकी मौत हो गई। पत्नी कलावती व चार बेटों के साथ रहने लगे थे। बड़ा बेटा नीरज बाहर रहकर नौकरी करता है तो वहीं दूसरा बेटा नीरज पीआरडी जवान है और सबसे छोटा आलोक चीनी मिल में ही कार्यरत हैं। तीसरे नंबर का हर्षवर्धन गलत संगत में पड़ा तो उससे छुड़ाना मुश्किल हो गया। ओमकार व कलावती ने बताते हैं कि इससे पहले भी दो बार हर्षवर्धन अपने पिता के सिर पर हमला कर चुका था, जिससे उन्हें काफी चोट आई थी।

मादक पदार्थ के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

ट्रक में छिपा कर उड़ीसा से लाकर कानपुर में करते थे सप्लाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ । एसटीएफ यूपी को अवैध मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को लगभग 76 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ (गांजा) के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम शाने आलम पुत्र बली ,अली उर रहमान पुत्र सफीक , ब्रजेश पुत्र बलराम सिंह, दिलीप पुत्र विशुनदयाल है। चारों अभियुक्त कन्नौज जनपद के रहने वाले है। इनके कब्जे से गांजा के अलावा एक आधार कार्ड, एक वोटर कार्ड, दो मोबाइल फोन, 1130/- रूपये नकद तथा एक ट्रक बरामद किया है। विगत काफी दिनों से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह के सम्बन्ध में सूचनायें प्राप्त हो रही थी। इस सम्बन्ध में एसटीएफ की विभिन्न टीमों व इकाइयों को अभिसूचना संकलन व कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया था। जिसके क्रम में अब्दुल कादिर, अपर पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ फील्ड इकाई बरेली के पर्यवेक्षण में अभिसूचना संकलन की कार्रवाई की जा रही थी। इस दौरान एसटीएफ को ज्ञात हुआ कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह के कुछ सदस्य उडीसा राज्य से ट्रक में अवैध मादक पदार्थ (गांजा) छिपाकर ला रहे है।इस सूचना पर एसटीएफ टीम द्वारा सहायक पुलिस आयुक्त, पनकी, जनपद कानपुर को साथ लेकर एनडीपीएस एक्ट के प्राविधानों के अनुरूप कानपुर-इटावा हाइवे पर किसान नगर से 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिनके कब्जे से उपरोक्त बरामदगी हुई। पूछताछ में अभियुक्त ब्रजेश (ट्रक चालक) ने बताया गया कि वह अवैध मादक पदार्थ (गांजा) उड़ीसा से शाने आलम उपरोक्त के कहने पर लाया था। इस काम के लिए शाने आलम 10,000-रूपये भाडा देता है। इसके पूर्व में भी ब्रजेश अपने ट्रक में उड़ीसा से गांजा लाकर अन्य लोगों को दिया है। अभियुक्त शाने आलम ने बताया कि वह पिछले काफी समय से उड़ीसा से कम दामों में गांजा मंगाकर कानपुर में बच्चा भईया एवं अन्य लोगों को अधिक दामों में सप्लाई करता है। इस काम में इसका मुख्य सहयोगी अली उर रहमान उपरोक्त है। इसके विरूद्ध थाना सदर कोतवाली, जनपद कन्नौज में एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध थाना सचेण्डी, जनपद-कानपुर नगर में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

अभिव्यक्ति की आजादी

एक लोकतांत्रिक देश में किसी भी तरह के संविधान सम्मत अधिकार पर पहरे नहीं होने चाहिए बल्कि नागरिकों को उनका विधि अनुसार उपयोग करने की अनुमति होनी चाहिए। पर इस आजादी के किसी भी रूप में दुरुपयोग किए जाने को किसी भी तर्क के आधार पर सही नहीं माना जा सकता। आधुनिक विचारों के दौर में अन्य पहलुओं की तरह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात समय-समय पर काफी जोर शोर के साथ उठाई जाती है और इसे ढाल बनाकर आलोचना और उपहास के रूप में ऐसी चुनी बातें कही, लिखी और सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाती हैं जो किसी भी तरह उचित नहीं होतीं, उनके पीछे दुर्भावना का मकसद भी साफ रहता है। तर्क होता है कि अपनी बात कहने की आजादी है, इसलिए यह अनुचित नहीं है, अधिकार का ही तो इस्तेमाल किया है। लेकिन सवाल यह है कि अधिकारों का कुतर्कों के सहारे बेजा इस्तेमाल क्या आज के सभ्य समाज मान्य हो सकता है। फिर भी यह हो रहा है। ऐसा करने वालों में मुख्य रूप से राजनीतिज्ञ तो हैं ही, तथाकथित सामाजिक कार्यकर्ता और एक नई जमात जिसे सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर का नाम दिया गया है, बढ़ चढ़ कर अपनी टिप्पणियों के जौहर दिखा रही है। कह सकते हैं कि इस अधिकार के नाम पर उलूलजुलूल बातें सार्वजनिक रूप से कहना-करना तेजी के साथ फैशन बन गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कहा है कि नागरिकों को अपने बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी की कीमत समझनी चाहिए तथा इसके साथ ही स्व-नियंत्रण और संयम का पालन करना चाहिए। न्यायालय का यह भी कहना है कि सोशल मीडिया पर बढ़ती विभाजनकारी प्रवृत्ति पर लगाम लगानी चाहिए। उसने यह भी कहा है कि बात सेंसरशिप की नहीं है बल्कि लोगों को खुद होकर जिम्मेदारी निभानी और अपनी बातों में संयम बरतना चाहिए। वास्तव में किसी भी उद्बोधन को ले कर सामान्य शिष्टाचार यही है कि यदि कोई आरोप भी इंगित करना हो या किसी पर कटाक्ष भी करना हो तो वह मर्यादापूर्ण तरीके से और सभ्य आचरण के दायरे में किया जाए। यह ध्यान रहे कि उससे कोई आहत न हो तथा उसका कोई दूसरा अर्थ न निकले। संविधान में भी पहले से इसके लिए युक्तिपूर्ण सीमाएं हैं जिनका पालन होना चाहिए। यह इसलिए भी आवश्यक है कि यदि अभिव्यक्ति के नाम पर कटुता की बातें कही जाती रहीं तो समाज में उससे द्वेष फैलने में कोई देर नहीं लगती। इसे कई बार देखा जा चुका है।

महंगाई में कमी

महंगाई बाजार का ऐसी स्थायी तत्व है जो समय-समय पर कम और ज्यादा रूपों में दिखाई देता है। यह दावा कभी नहीं किया जा सकता कि अब इससे मुक्ति मिल गई है और दाम बढ़ने नहीं पाएंगे। सरकार की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों में दावा किया गया है कि देश में गत माह थोक महंगाई की दर घटी है। खुदरा महंगाई के बारे में भी यही बात कही गई है। यह अच्छी बात है और नागरिकों, खासकर मध्यम और गरीब वर्गों के लोगों को इससे काफी राहत भी महसूस हुई है। महंगाई में गिरावट की मुख्य वजह खाने-पीने की वस्तुओं खासकर सब्जियों और दालों की कीमतों में आई भारी गिरावट है। अगर इसी तरह रहा तो जल्दी ही यह दो प्रतिशत या इससे भी नीचे जा सकती है। इसका असर दूसरी बातों पर भी पड़ेगा। जैसे इससे रिजर्व बैंक के पास ब्याज दर में और कटौती करने का मौका बनेगा। यानी अगर लंबे समय तक महंगाई में नरमी रही तो अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में तो यह विश्लेषण बिल्कुल सटीक है लेकिन इस वक्त विश्व के उथल-पुथल के दौर से गुजरने की स्थिति को देखें तो कई कारणों से वैश्विक स्तर पर मांग में कमी भी आ रही है। इसका परिणाम यह हो सकता है कि विशेष रूप विभिन्न वस्तुओं के दामों में गिरावट से दुनियाभर के बाजारों में अनिश्चितता हो सकती है और इसका असर घरेलू बाजार पर पड़ना भी अवश्यंभावी होगा। इस तरह यह मामला अभी भी जटिल ही माना जाना चाहिए क्योंकि भले ही इस वक्त महंगाई नरम हुई हो लेकिन इस फिर बढ़ाने वाले कारक फिर पैदा हो सकते हैं। हालांकि दिलासा इस बात का है कि हमारी अर्थव्यवस्था का आधार अन्य की तुलना में अधिक सुदृढ़ है और हम अपना आर्थिक हिसाब-किताब अपनी परंपरा के अनुसार भी करते हैं जिसमें बचत यानी सेविंग को सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। यही कारण है कि स्थानीय स्तर से लेकर विदेशी मुद्रा भंडार परिस्थितियों से प्रभावित तो होते हैं लेकिन जल्दी ही वे संभल भी जाते हैं। ऐसे में अगर बाजार स्थिर हो जाए और कीमतें में थोड़ा-बहुत स्थायित्व भी आ जाए तो वह देश के हर क्षेत्र के लिए अच्छा रहेगा।

काँव-काँव

◆◆◆

यूपी में शिक्षा से वंचित न रहे एक भी बच्चा-योगी
दस किलोमीटर की यात्रा बच्चों की जिम्मेदारी!

खुदरा महंगाई साढ़े छह वर्षों के निचले स्तर पर
बाजार में प्याज के अलावा सब कुछ महंगा है!

सरकारों पर केस करने वाले लोग जरूरी-गडकरी
आप प्रधानमंत्री बनेंगे तो इच्छा पूरी हो जायेगी!

आधुनिक युद्ध के लिये तैयार रहे सेना-रक्षाप्रमुख
मोदीजी ने कहा कि हमें युद्ध नहीं, बुद्ध चाहिये!

कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों कड़ी कार्रवाई
दंगा करने वाले कांवड़ियों पर फूल बरसायेंगे?

देश भर में फैला छांगुर बाबा का धर्मांतरण रैकेट
किसी सरकारी विभाग को इसका पता नहीं था?

◆◆◆

पारंपरिक विधि ज्ञान तथा सुप्रीम कोर्ट

सर्वोच्च न्यायालय भारतीयों के लिए न्याय का प्रथम तथा अंतिम सहारा है. भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णयों से ना सिर्फ लोकतंत्र की सच्ची नींव रखी अपितु एक संस्था के रूप में अपनी साख को भी संजोये रखा. सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीयों के मूलभूत अधिकारों को और संविधान के आधारभूत ढांचे को सुरक्षित बनाये रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई है. सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न अवसरों पर अपने निर्णयों की दक्षता के माध्यम से भारतीय नागरिकों की अपेक्षाओं और इच्छाओं को सिद्ध किया. कई बार ऐसा भी हुआ कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों पर सवाल उठे, जैसे कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय अत्यधिक लंबे, भाषा की दृष्टि से जटिल और क्लिष्ट होते हैं तथा भारतीय सर्वोच्च न्यायालय अपने निर्णयों में विदेशी न्यायिक दृष्टांतों (नजीरों) पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं, किंतु यह सत्य नहीं. भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के संदर्भ में बनस्थली विद्यापीठ में किए गए एक शोध में इस मिथक के विरुद्ध निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए।

– डॉ. रश्मि सिंह राणा

सर्वोच्च न्यायालय भारतीयों के लिए न्याय का प्रथम तथा अंतिम सहारा है. भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णयों से ना सिर्फ लोकतंत्र की सच्ची नींव रखी अपितु एक संस्था के रूप में अपनी साख को भी संजोये रखा. सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीयों के मूलभूत अधिकारों को और संविधान के आधारभूत ढांचे को सुरक्षित बनाये रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई है. सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न अवसरों पर अपने निर्णयों की दक्षता के माध्यम से भारतीय नागरिकों की अपेक्षाओं और इच्छाओं को सिद्ध किया. कई बार ऐसा भी हुआ कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों पर सवाल उठे, जैसे कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय अत्यधिक लंबे, भाषा की दृष्टि से जटिल और क्लिष्ट होते हैं तथा भारतीय सर्वोच्च न्यायालय अपने निर्णयों में विदेशी न्यायिक दृष्टांतों (नजीरों) पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं, किंतु यह सत्य नहीं. भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के संदर्भ में बनस्थली विद्यापीठ में किए गए एक शोध में इस मिथक के विरुद्ध निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए।

इस शोध में दी गई तालिका से यह स्पष्ट होता है कि सर्वोच्च न्यायालय ने सन 2016 से 2020 के बीच लगभग 5502 निर्णय दिये जिसमें मात्र 1245 विदेशी नजीरों जबकि 24160 भारतीय नजीरों को उद्धृत किया गया. न्यायालय के 85त्न से भी अधिक निर्णय 30 पृष्ठों से भी कम हैं जो इस मिथक के विपरीत है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय अत्यधिक लंबे, जटिल और क्लिष्ट होते हैं. इस अध्ययन में यह भी पाया गया था कि भारतीय जनता कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका, तीनों संस्थाओं में से सबसे अधिक आस्था न्यायपालिका में रखती है . इसका मुख्य कारण यह है कि सर्वोच्च न्यायपालिका के निर्णय निष्पक्ष होते हैं. भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों में भारतीय पारंपरिक ज्ञान परंपरा की झलक मिलती है. हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पंकज मित्तल ने यह कहा है कि विधि विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रम में वेदों, महाभारत, रामायण तथा पुराण में निहित विधि-दर्शन को औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम में लागू किया जाए है, जिससे भारतीय न्यायिक व्यवस्था का भारतीयकरण संभव हो सके.भारतीय सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय जैसे बच्चन सिंह बनाम राज्य जिसे जिसे विरले से विरलेतम (रेयर ऑफ द रेयरेस्ट) मामला कहा जाता है में यह सिद्धांत

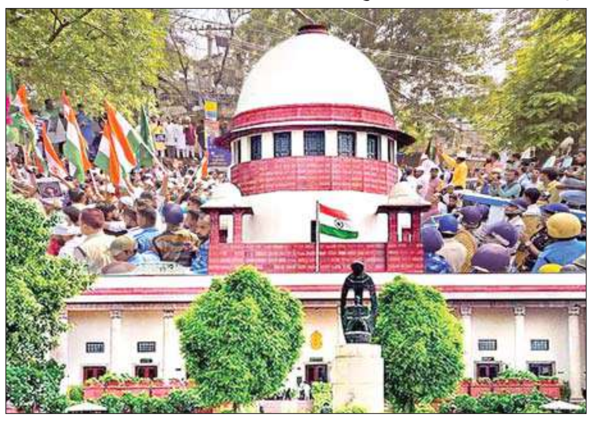

प्रतिपादित किया था कि मृत्युदंड सिर्फ विरले से विरलेतम मामले में ही दी जा सकती है. इस निर्णय का प्रमुख आधार राजेंद्र प्रसाद बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (एआईआर 1979 एससी 916) की नजीर थी, जिसमें न्यायमूर्ति वीआर कृष्ण अय्यर ने कहा भारत, गौतम बुद्ध, महावीर और गांधी की भूमि है, भारतीय संस्कृति में जीवन सृष्टि द्वारा दत्त और प्रदत्त माना जाता है, इसका हरण विरलतम परिस्थितियों में ही संभव है. इसी प्रकार मेनका गांधी बनाम भारत संघ का मामला है जिसे हम व्यक्ति की गरिमा का मामला भी कहते हैं. इस मामले यह भी स्थापित किया गया कि 'विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के मूल अधिकार में विदेश भ्रमण का अधिकार भी शामिल है . सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में उद्धृत करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीनकाल से ही विचारों के आदान-प्रदान हेतु विदेश भ्रमण तथा विदेशियों के आगमन की एक लंबी परंपरा है. हितोपदेश और नीति शास्त्र को उद्धृत करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा भारतीय संस्कृति कूपमंडूक बने रहने की प्रथा का समर्थन नहीं करती है. यह मानव के प्रगतिशील होने की दिशा में बाधक है. इसी प्रकार 'निजता के अधिकार' (राइट टु प्राइवेसी) को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय केएस पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ में न्यायाधीशों ने निजता के अधिकार को परिभाषित करते हुए रामायण, महाभारत, गृहसूत्र तथा कौटिल्य के अर्थशास्त्र को उद्धृत करते हुए इसे मूलाधिकार के रूप में स्वीकृत किया. कलिंदी दामोदर गार्डे बनाम मनोहर लक्ष्मण कुलकर्णी एवं अन्यके मामले मे जब एक दिलचस्प प्रश्न सर्वोच्च न्यायालय आया कि क्या किसी व्यक्ति को गोद लिये जाने से पूर्व जन्मे उसके पुत्र को उसकी सम्पत्ति में उत्तराधिकारी होने का अधिकार है या नहीं? या दत्तक लिये जाने के पश्चात जन्मे बच्चे को ही सम्पत्ति उसकी सम्पत्ति में उत्तराधिकारी होने का अधिकार होगा? इस प्रश्न को सुलझाने के लिये भी सर्वोच्च न्यायालय ने हिन्दू शास्त्रों से इस तर्क को उद्धृत किया, किसी भी प्रकार से पिता को पिता होने से निरूद्ध नहीं किया जा सकता हैं. और स्थापित किया दत्तक से पूर्व तथा पश्चात जन्मे हर बच्चे समान रूप उत्तराधिकारी होने का अधिकार है .अतः यह कहना अनुचित न होगा कि सर्वोच्च न्यायालय अपने निर्णयों में दिये गये इन ही तर्कों एवं मूल्यों से ही जनमानस के हृदय में अपना स्थान बनाया है. भारतीय पारंपरिक ज्ञान जो आदिकालीन है किंतु इसके सिद्धान्तों की उपादेयता आज भी प्रासंगिक है तथा शोधकर्ताओं के लिए शोध का विषय है. अतः भारतीय विधिक दर्शन का विधिक शिक्षा में शामिल किया जाना सुसंगत है।

प्रेमचंद की कहानियां

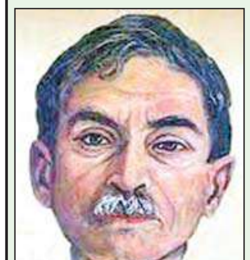

खून सफेद

जव मुझे अवसर मिला करेगा, तुम्हें देख जाया करूंगा। तुम्हारा प्रेम मेरे चित्त से नहीं जा सकता। लेकिन यह असम्भव है कि मैं इस घर में रहूं और अलग खाना खाऊं, अलग बैठूं। इसके लिए मुझे क्षमा करना। देवकी घर में से पानी लायी। साधो हाथ मुंह धोने लगा। शिवगौरी ने मां का इशारा पाया तो डरते-डरते साधो के पास गयी। साधो ने आदर-पूर्वक दंडवत की। साधो ने पहिले उन दोनों को आश्चर्य से देखा, फिर अपनी मां को मुस्कराते देख कर समझ गया। दोनों लड़कों को छाती से लगा लिया और तीनों भाई-बहन प्रेम से हंसने-खेलने लगे। मां खड़ी यह दृश्य देखती थी और उमंग से फूली न समाती थी। जलपान करके साधो ने बाइसिकल संभाली और मां-बाप के सामने सिर झुका कर चल खड़ा हुआ। वहीं, जहां से तंग होकर आया था, उसी क्षेत्र में, जहां कोई अपना न था! देवकी फूट-फूट कर रो रही थी और जादोराय आंखों में आंसू भरे, हृदय में एक ऐंठन-सी अनुभव करता हुआ सोचता था, हाय! मेरे लाल, तू मुझसे अलग हुआ जाता है। ऐसा योग्य और होनहार लड़का हाथ से निकला जाता है और केवल इसलिए कि अब हमारा खून सफेद हो गया है।

मृतक-भोज

सेठ रामनाथ ने रोग-शय्या पर पड़े-पड़े निराशा पूर्ण दृष्टि से अपनी स्त्री सुशीला की ओर देखकर कहा- मैं बड़ा अभागा हूं, शीला! मेरे साथ तुम्हें सदैव ही दुख भोगना पड़ा। जब घर में कुछ न था, तो रात-दिन गृहस्थी के धन्यों और बच्चों के लिए मरती थीं। जब जरा कुछ संभला और तुम्हारे आराम करने के दिन आये, तो यों छोड़े चला जा रहा हूं। आज तक मुझे आशा थी, पर आज वह आशा टूट गयी। देखो शीला, रोओ मत। संसार में सभी मरते हैं, कोई दो साल आगे, कोई दो साल पीछे। अब गृहस्थी का भार तुम्हारे ऊपर है। मैंने रुपये नहीं छोड़े; लेकिन जो कुछ है, उससे तुम्हारा जीवन किसी तरह कट जायेगा.... यह राजा क्यों रो रहा है?

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

◆◆◆

दानशक्ति प्रिय बोलिबो, धीरज उचित विचार ।
ये गुण सीखे ना मिलैं, स्वाभाविक हैं चार ।।

मनुष्य के अंदर कुछ गुण स्वंय से उत्पन्न होते हैं। जैसे दान करना, मीठी बातें करना, लोगों की सेवा करना, समय पर सही-गलत का निर्णय लेना। इसे कहीं और से नहीं सिखा जा सकता।

◆◆◆

कोख में कत्ल होती बेटियाँ : हरियाणा की घुटती संवेदना

हरियाणा में केवल तीन महीनों में एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात। कारण कन्या भ्रूण हत्या की आशंका। छप्पन आशा कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस। निगरानी प्रणाली में

-प्रियंका सौरभ

चूक। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिस के सहयोग से कठोर कार्यवाही की तैयारी। किन्तु क्या यह सख़्ती पर्याप्त है? जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं। जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए – जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को 'सहेली' की भूमिका में तैनात किया था। उनका कर्तव्य था कि वे गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करें, उनके स्वास्थ्य की देखरेख करें, और सही सलाह देकर उन्हें सहयोग प्रदान करें। किन्तु छप्पन आशा कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना यह दर्शाता है कि इस निगरानी प्रणाली में गम्भीर लापरवाही हुई है। क्या ये कार्यकर्ता जानबूझकर लापरवाह थीं, या उनके पास संसाधनों की कमी थी? क्या वे सामाजिक दबाव, भय अथवा अव्यवस्था के कारण चुप रहीं? यह गहन जाँच का विषय है, क्योंकि केवल दंड देना समाधान नहीं, अपितु इस समस्या का संवेदनशील समाधान आवश्यक है। हमारे देश में गर्भधारण से पूर्व एवं पूर्व प्रसव भ्रूण परीक्षण निषेध अधिनियम के अंतर्गत भ्रूण की लिंग जाँच तथा लिंग के आधार पर गर्भपात एक दंडनीय अपराध है। परंतु यह अधिनियम केवल काग़ज़ों तक सीमित रह गया है।हरियाणा में कई स्थानों पर अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्र, निजी चिकित्सा केंद्रों की मिलीभगत, तथा पैसे के लालच में लिंग जाँच और भ्रूण हत्या आज भी बेरोक-टोक जारी है। इन केंद्रों पर रोक लगाने हेतु बनाए गए विशेष दस्तों तथा निरीक्षण टीमों की सक्रियता केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।स्वास्थ्य विभाग ने गर्भपात करवाने वाली महिलाओं की 'पश्च परीक्षण प्रणाली' को अधिक कठोर करने की घोषणा की है तथा विशेष रूप से उन महिलाओं की निगरानी बढ़ाने की बात कही है, जिनकी पहले से एक या अधिक पुत्रियाँ हैं। उद्देश्य सकारात्मक है, परंतु यदि इसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ लागू नहीं किया गया, तो यह कदम स्वयं महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों और निजता पर प्रहार बन सकता है। क्या यह निगरानी केवल भय का वातावरण उत्पन्न करने का माध्यम बन रही है? या फिर वे महिलाएँ, जो सामाजिक दबाव में आकर गर्भपात करवाने को विवश हुईं, अब एक बार फिर पीड़िता की बजाय अपराधिनी बना दी जाएँगी?

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे नारे केवल दीवारों पर लिखे जा रहे हैं अथवा नेताओं के भाषणों में दोहराए

जा रहे हैं। ज़मीनी सच्चाई यह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी समाज भी पुत्री को आज भी एक बोझ के रूप में देखता है। दहेज, सुरक्षा, सम्मान और वंश परंपरा जैसे कुप्रथाओं के कारण बेटियाँ आज भी अवांछित हैं।

क्या केवल नारेबाज़ी पर्याप्त है या इस दिशा में मूलभूत सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता है?

कोख में हो रही बेटियों की हत्या केवल माँ या परिवार की जिम्मेदारी नहीं है। यह एक सामूहिक अपराध है, जिसमें समाज, चिकित्सा संस्थान, प्रशासनिक व्यवस्था और हम सब शामिल हैं। जब कोई महिला दूसरी या तीसरी बार पुत्री को जन्म देने वाली होती है, तो समाज उसकी मानसिकता, पात्रता और पारिवारिक स्थिति पर कटाक्ष करता है। यही मानसिकता उस माँ को मजबूर करती है कि वह अगली बार कन्या का जन्म न होने दे – भले ही इसकी क़ीमत किसी जीवन के रूप में क्यों न हो। केवल नोटिस, निलंबन और निगरानी से यह विकराल समस्या नहीं सुलझेगी। इसके लिए आवश्यक है ङ्क स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण अभियान, पुत्रियों के जन्म पर प्रोत्साहन योजनाओं का क्रियान्वयन, जनजागृति के लिए पत्र-पत्रिकाओं, चलचित्रों और सामाजिक माध्यमों का उपयोग, पारिवारिक मुखियों को संवेदनशील बनाना, लिंग परीक्षण करने वाले चिकित्सकों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही, अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्रों को बंद करना, तथा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में लिंग समानता की शिक्षा को समाविष्ट करना।आशा कार्यकर्ताओं को दंडित करना एक सतही समाधान है। असल प्रश्न यह है – क्या उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, संसाधन, समय पर मानदेय तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा प्राप्त थी? जिन चिकित्सकों ने अवैध लिंग जाँच की, जिन केंद्रों ने भ्रूण हत्या करवाई, तथा जिन परिवारों ने कन्या को अस्वीकार किया – क्या उन सबको भी समान रूप से उत्तरदायी ठहराया गया?

यदि माताओं को निर्णय लेने का अधिकार देना है, तो उन्हें शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान देना होगा। बेटी तभी बचेगी जब उसकी जननी स्वयं को सक्षम और सशक्त मानेगी। आज आवश्यकता है कि हम हर माँ को यह कहें – 'तू दुर्बल नहीं है, तेरे गर्भ में एक शक्ति पल रही है।'

पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिसिया दबाव केवल भय का वातावरण उत्पन्न करेंगे। इनकी अपेक्षा यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दें, तथा समाज में बेटियों के लिए सम्मान का भाव विकसित करें – तो परिणाम अधिक स्थायी और सकारात्मक होंगे।

प्रेरक प्रसंग

सत्कार और तिरस्कार

एक थका मांदा शिल्पकार लंबी यात्रा के बाद किसी छायादार वृक्ष के नीचे विश्राम के लिये बैठ गया। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उस सुंदर पत्थर के टुकड़े को उठा लिया, सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा, उफ मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा, मत मारो मुझे, मत मारो... मत मारो। शिल्पकार ने उस पत्थर को छोड़ दिया, अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे हथौड़ी से तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमे से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ती वहीं पेड़ के नीचे रख वह अपनी राह पकड़ आगे चला गया। कुछ वर्षों बाद उस शिल्पकार को फिर से उसी पुराने रास्ते से गुजरना पड़ा, जहां पिछली बार विश्राम किया था। उस स्थान पर पहुंचा तो देखा कि वहां उस मूर्ती की पूजा अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगीं हैं, जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर देखा कि उसकी बनाई मूर्ती का कितना सत्कार हो रहा है! जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर में पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ फोड़ कर मूर्ती पर चढ़ा रहे है।

शिल्पकार ने मन ही मन सोचा कि जीवन में कुछ बन पाने के लिए शुरू में अपने शिल्पकार को पहचानकर, उनका सत्कारकर कुछ कष्ट झेल लेने से जीवन बन जाता हैं। बाद में सारा विश्व उनका सत्कार करता है। जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

आपका पत्र मिला

बारिश के मौसम में जोखिमों से बचें

पिछले कुछ समय से देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश व भूस्खलन के चलते जान व माल दोनों का नुकसान हो रहा है। इस भारी बारिश के दौरान देश प्रदेश की सभी नदियों में पानी पूरे वेग से (खतरे के निशान के ऊपर से) बह रहा है। जब नदी, नाले, झरने तालाब में पानी का बहाव तेज है, उसके बाद भी लोग अपनी जान को जोखिम में डालकर मौत को गले लगाने का खतरा मोल लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। समय-समय पर शासन प्रशासन सभी को सावधान करता है। आखिर हम शासन प्रशासन को भी कब तक दोष देते रहेंगे। यह तो हमारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी बनती है कि जब पुल पुलियाओं पर पानी है तो हमें खतरा मोल नहीं लेना चाहिए। गंगा मैया हो या नर्मदा मैया या अन्य नदियों में तेजी से पानी बह रहा है। लेकिन लोग (युवा बच्चे भी) रील बनाने के चक्कर में छलांगें लग रहे हैं। तो कई नदियों में तैरने के मोह में मौत को गले लगा लेते हैं। दुपहिया व चार पहिया वाले भी उफनती नदियों व नालों में वाहनों को डाल जोखिम मोल ले रहे हैं। सब्र व शांति किसे भी नहीं है। हम इंसान हैं, न कि महामूर्ख ! ऐसे समय में खतरा उठाने का साहसिक प्रयास नहीं करना चाहिए। अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी समझना चाहिए कि जान है तो जहान है। क्योंकि घर पर परिवार के सदस्य इंतजार जो करते हैं। यह नागरिक बोध सोच कर, जोखिम मोल नहीं लेना चाहिए।

हेमा हरि उपाध्याय 'अक्षत'
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक,**
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

इमोजी बन रहा जेन जी की भाषा

वर्कप्लेस पर इस्तेमाल का बढ़ा चलन

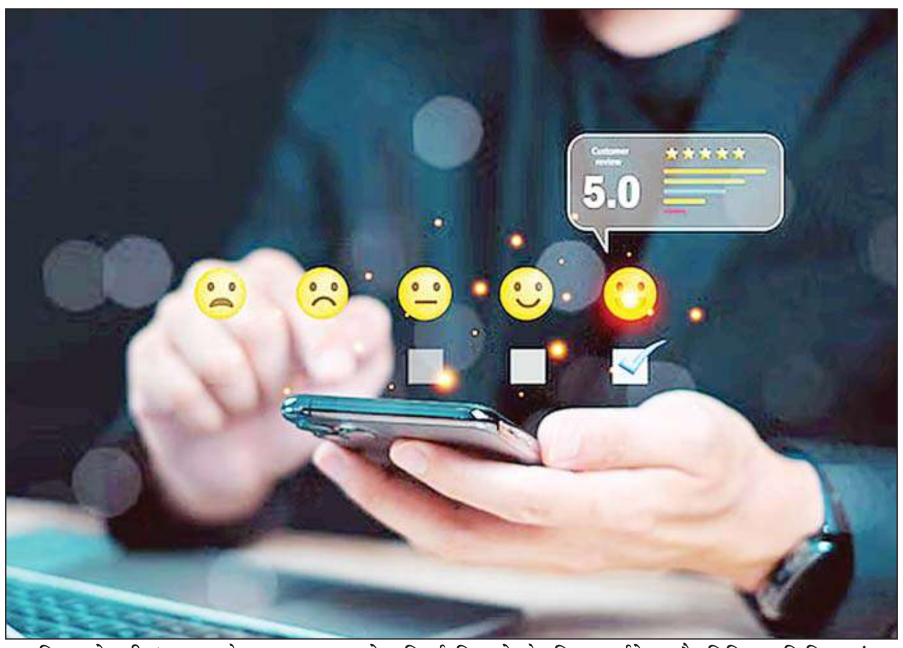

सोशल मीडिया पर अक्सर लोग के बीच अलग-अलग पीढियों के लोगों की पसंद-नापसंद और उनके व्यवहार को लेकर बहस छिड़ी रहती है। इसमें एक शब्द बहुत चर्चा में रहता है, वह है - ज़ेनजी (Gen Z)। इस पीढ़ी के लोगों के रहन-सहन, तौर-तरीके अक्सर चर्चा का विषय बने रहते हैं।

88% ज़ेनजी मानते हैं कि इससे कम्युनिकेशन प्रभावी होता है

हाल ही में हुए सर्वे में यह पाया गया कि इन पीढ़ी के लोगों को अपने कार्यस्थल पर इस्तेमाल होने वाली भाषा में इमोजी शामिल करना पसंद है। वर्कप्लेस सॉफ्टवेयर कंपनी Atlassian और YouGov द्वारा किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण के मुताबिक, ज़ेनजी (1997 के बाद जन्मे युवा) कर्मचारियों में 88त्न लोग मानते हैं कि इमोजी कम्युनिकेशन को ज्यादा प्रभावी बनाते हैं।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी और भारत के 10,000 ऑफिस कर्मचारियों पर यह सर्वे किया गया। इसका उद्देश्य यह समझना था कि आज की वर्कफोर्स विशेषकर डिजिटल वातावरण में कैसे एक-दूसरे से जुड़ती है।

रिपोर्ट बताती है कि ज़ेनजी इमोजी का प्रयोग सिर्फ दिखावे के लिए नहीं करते, बल्कि वह इसे संदेश के अभिन्न हिस्से की तरह इस्तेमाल करते हैं। ज़ेनजी के लिए इमोजी सिर्फ सजावट नहीं, संवाद का हिस्सा हैं।

हर कोई इससे सहमत नहीं

ज़ेनजी और बेबी बूमर पीढ़ी (जो उम्र में बड़ी है) में आधे से भी कम कर्मचारी ऑफिस में इमोजी के इस्तेमाल को लेकर सहमत हैं। यह पीढ़ीगत अंतर कामकाज में तनाव और भ्रम की स्थिति को जन्म दे सकता है। खासकर जब चैट, ईमेल और डिजिटल लिखित संवाद का चलन बढ़ता जा रहा है।

सभी कर्मचारी नहीं समझ पाते एक-दूसरे का लिखा हुआ

करीब 93% लोगों ने कहा कि उनका ज्यादातर कम्युनिकेशन लिखित (जैसे चैट, ईमेल आदि) रूप में होता है, ना कि आमने-सामने। जेन जी में से लगभग 48त्न कर्मचारी मानते हैं कि वे हर हफ्ते घंटों इस बात में गंवाते हैं कि सामने वाले ने किस भावना से क्या कहा। वे अपने वरिष्ठ सहयोगियों की तुलना में चार गुना ज्यादा बार संवाद में भ्रम का सामना करते हैं।

जेनजी के लिए इमोजी क्यों जरूरी हैं?

रिपोर्ट इसे डिजिटल बॉडी लैंग्वेज कहती है। जैसे आमने-सामने बातचीत में हावभाव, स्वर और आंखों का संपर्क बहुत कुछ कहता है, वैसे ही डिजिटल दुनिया में इमोजी, विराम चिह्न, जवाब देने की गति और टोन उस भावना को व्यक्त करने के लिए जरूरी हो गए हैं। एक वर्क फ्यूचरिस्ट के अनुसार, ईमेल, डीएम, स्लैक थ्रेड्स और जूम चैट - अब सब कुछ डिजिटल हो गया है। इस बदलाव को अपनाना एक सीखने की प्रक्रिया है।

इमोजी वाले मैसेज ध्यान से पढ़ते हैं

Gen Z कर्मचारियों ने माना कि वे इमोजी रिएक्शंस से 2.5 गुना अधिक प्रेरित महसूस करते हैं, जबकि वरिष्ठ कर्मचारी उतनी प्रतिक्रिया नहीं दिखाते। करीब दो-तिहाई युवाओं ने कहा कि वे उन संदेशों को ज्यादा ध्यान से पढ़ते हैं जिनमें इमोजी शामिल होते हैं। इसका सार ये है कि युवा पीढ़ी संवाद में सिर्फ शब्द नहीं, भावनाएं भी देखना चाहती है और इमोजी उस भावना को सही तरीके से जाहिर करने में मदद करते हैं।

नौकरी पाने के लिए रिज्यूमे से इन पुरानी डिटेल को जरूर हटा दें

नौकरी की संभावनाएं होंगी मजबूत

हमारे देश में सरकारी नौकरी का अलग महत्व है लेकिन सभी के लिए यह संभव नहीं है। ऐसे में लोग प्राइवेट/ कॉरपोरेट सेक्टर में जॉब करते हैं। प्राइवेट सेक्टर में जॉब के लिए परीक्षा का इतना महत्व नहीं होता है जितना कि रिज्यूमे का महत्व होता है।

इसलिए एक अच्छा रिज्यूमे आपको जॉब दिलवाने में हमेशा ही मदद करता है। अगर आप भी डिजिटल जमाने में अभी भी पुराने रेज्यूमे का उपयोग कर रहे हैं तो इसे अभी बदलने की जरूरत है। पुराने सीवी से अगर आप कुछ चीजें हटाएंगे तो अवश्य ही आपकी नौकरी की संभावनाएं बेहतर होंगी।

अनावश्यक पर्सनल डिटेल को रेज्यूमे से करें बाय-बाय

अगर आप अभी भी अपने रिज्यूमे में मैरिटल स्टेटस, धर्म, डेट ऑफ बर्थ आदि का उपयोग करते हैं तो अभी इसे रेज्यूमे से हटा दें। इससे रेज्यूमे बड़ा होता है। इसकी जगह का उपयोग करके आप कुछ नई चीजें जैसे- **linkedin**, सहित अन्य आवश्यक प्रोफाइल का यूज कर सकते हैं। रेज्यूमे में मोबाइल नंबर, ईमेल को अवश्य जगह दें ताकी सामने वाला आपसे आसानी से संपर्क कर सके।

कंपनी के हिसाब से उद्देश्य करें तय

ऐसा देखा जाता है कि लोग पुराने रिज्यूमे के उद्देश्य को ही हर जगह यूज कर लेते हैं, ऐसे में वो हर कंपनी के लिए काम नहीं करता है। ऐसे में आप जिस कंपनी या नौकरी के लिए आवेदन करने जा रहे हैं उसके हिसाब से उद्देश्य लिखें।

प्रसांगिग अनुभव को रिज्यूमे में दें जगह

रिज्यूमे बनाते समय कंपनी या उसके काम को ध्यान में रखना चाहिए और उसी के अनुसार रिज्यूमे को तैयार करें। अगर उस कंपनी के लिए आपके द्वारा छोटी- मोटी नौकरियों/ इंटर्नशिप का अनुभव काम का नहीं है तो उसे रिज्यूमे से बाहर ही रखना ठीक है। इससे एचआर का टाइम खराब होता है और उसे रिज्यूमे रेलिवेंट भी नहीं लगता है।

प्रतियोगिताओं आदि को तभी शामिल करें जब जरूरी हो

रिज्यूमे बनाते समय ध्यान रखें कि हाई स्कूल या अन्य क्लास के दौरान अपने कोई प्रतियोगिता जीती है और वो नौकरी के लिए रेलिवेंट नहीं है तो उसे सीवी में शामिल करने से बचें। इससे अच्छा है आप पढ़ाई का ट्रैक रिकॉर्ड रिज्यूमे में शामिल करें जिससे एचआर को आपकी पढ़ाई के बारे में पता चल सके।

जो चीजें पता न हों उसे शामिल न करें

कई बार नौकरी के लिए लोग ऐसी चीजें ही सीवी में शामिल कर लेते हैं जिनके बारे में उन्हें पता भी नहीं होता। इंटरव्यू के दौरान अगर एचआर उनसे इसके बारे में सवाल पूछता है तो वे जवाब नहीं दे पाते, ऐसे में आपकी नौकरी के चांसेस कम हो जाते हैं। इसलिए आपको इन चीजों को रिज्यूमे से बाहर रखना ही ठीक है।

कॅरियर अलर्ट

एसएससी सीएचएसएल भर्ती

12वीं पास के लिए एसएससी की बड़ी भर्ती में ऑनलाइन आवेदन जल्द ही बंद होने जा रहे हैं। जो अभ्यर्थी किसी भी वजह से अभी तक एसएससी सीएचएसएल भर्ती में अप्लाई नहीं कर पाएं हैं, वो ऑफिशियल वेबसाइट **ssc.gov.in** पर फॉर्म भर दें। अंतिम तिथि 18 जुलाई 2025 है। इस भर्ती के जरिए 3131 पदों पर सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नौकरी मिलती है।

इंडियन नेवी सिविलियन भर्ती

1104 पदों पर इंडियन नेवी ने सिविलियन भर्ती 2025 के लिए फॉर्म निकाले हैं। 10वीं 12वीं पास युवा जो भारतीय नौसेना में नौकरी पाना चाहते हैं, वो इसमें अप्लाई कर सकते हैं। आखिरी तारीख 18 जुलाई 2025 है। इस भर्ती के जरिए नेवी में स्टाफ नर्स, चार्जमैन, असिस्टेंट आर्टिस्ट, फार्मासिस्ट, फायरमैन, ट्रेड्समैन, लेडी हेल्थ विजिटिर, एमटीएस, समेत विभिन्न पद शामिल हैं।

डीआरडीओ इंटर्नशिप

भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में फ्री में काम सीखने का शानदार मौका मिल रहा है। डीआरडीओ के साथ आपको करियर शुरू करने के साथ स्टाइपेंड भी बढ़िया मिलेगी। जी हां. यानी काम का काम और पैसे भी मिलेंगे। डीआरडीओ में इंटर्नशिप के लिए आप 20 जुलाई तक अप्लाई कर सकते हैं।

यूपीएससी में 241 पदों पर भर्ती

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी और अन्य पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द ही समाप्त होने वाली है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 17 जुलाई, 2025 तक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट **upsc.gov.in** पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस भर्ती अभियान के तहत विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में रिक्त पदों को भरा जाएगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें।

कौन कर सकता है आवेदन?

इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास **B.Sc, B.Tech/B.E, LLB, BVSc, M.Sc**, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा या **MS/MD** जैसी योग्यताएं होनी चाहिए। हर पद की शैक्षणिक योग्यता और अनुभव की शर्तें अलग-अलग निर्धारित की गई हैं।

जानें आयु सीमा और आवेदन शुल्क- इस भर्ती प्रक्रिया के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 30 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। हालांकि, यह आयुसीमा पदों के अनुसार भिन्न हो सकती है और आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट भी मिलेगी।

एग्जाम में नहीं होगी समय की कमी, अपनाएं ये ट्रिक्स

यूपी बोर्ड दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं 24 फरवरी, 2025 से शुरू होनी हैं। एग्जाम के शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। इसलिए, परीक्षार्थियों के लिए अब एक-एक दिन बेहद कीमती है।

स्टूडेंट्स को अब इन बचे हुए दिनों में अपनी तैयारी को अंतिम रूप देना है और एग्जाम में शामिल होना है। इसी कम में स्टूडेंट्स की सहूलियत के लिए नीचे क्वैश्चन पेपर को समय पर पूरा करने से जुड़ी कुछ ट्रिक्स बताने जा रहे हैं, जिससे परीक्षार्थियों को एग्जाम में समय की कमी न रहे। आइए डालते हैं इन टिप्स पर एक नजर।

1- 15 मिनट का करें सही इस्तेमाल : सबसे जरूरी यह है कि बोर्ड परीक्षा में प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए छात्र-छात्राओं को 10 मिनट अतिरिक्त समय दिया जाता है। स्टूडेंट्स को इस वक्त का सही इस्तेमाल करते हुए पहले ठीक ढंग से क्वैश्चन पेपर को पढ़ लेना चाहिए। इससे प्रश्नों में कोई कंफ्यूजन नहीं रहेगा कि, किस सेक्शन से कितने प्रश्न पूछे गए हैं या फिर कितने सवाल के जवाब देने हैं।

2- ईजी क्वैश्चन को पहले करें सॉल्व : एग्जाम में पहले ईजी क्वैश्चन के आंसर दे सकते हैं। इससे निश्चित तौर पर आप स्पीड पकड़ सकेंगे और जल्दी-जल्दी एग्जाम के कुछ क्वैश्चन निपटा सकेंगे, लेकिन बस इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त रहें कि आपको इनके जवाब कंफर्म पता हैं।

3-एक प्रश्न पर ज्यादा समय न खर्च करें : परीक्षा में एक प्रश्न पर ज्यादा समय न लगाएं। अगर प्रश्न पत्र में कोई सवाल नहीं आता है तो उसको छोड़कर आगे बढ़ें और दूसरे क्वैश्चन सॉल्व करें। कई बार स्टूडेंट्स पर एग्जाम स्ट्रेस इतना हावी हो जाता है कि, जिसका जवाब नहीं भी मालूम होता है उसके लिए भी सोच-सोच कर लिखते रहें। भले ही उसका उत्तर गलत हो। ऐसे में जरूरी है कि, उस प्रश्न को वहीं छोड़कर दूसरे सवालों को हल करें।

4- लॉन्ग आंसर लिखने को सेक्शन में डिवाइड करें : बोर्ड एग्जाम में पूछे जाने वाले लॉन्ग आंसर में कई बार परीक्षार्थी लंबा समय लगा देते हैं, जिसके चलते उन्हें परीक्षा में समय की कमी से जूझना पड़ता है, ऐसा आपके साथ न हो तो इसके लिए आप दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के उत्तर को छोटे-छोटे सेक्शन में बांट लें। इंट्रो के साथ सभी पूछे गए प्वाइंटर को शामिल करें।

काम में रुकावटों से ऐसे बचें

आज की दुनिया में, काम की लय बनाए रखना ज्यादा मुश्किल हो गया है। जैसे ही आप काम करने बैठते हैं ई-मेल, फोन कॉल और सोशल मीडिया आपका ध्यान खींच लेते हैं और आपके काम करने की लय टूट जाती है। इसके अलावा, कई बार आपको लगता होगा कि आप एक साथ कई काम (मल्टीटास्किंग) कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करना इतना भी आसान नहीं है।

मल्टीटास्किंग व्हाइटबोर्ड पर लिखने और उसे लगातार मिटाने की तरह है। हर बार जब आप काम बदलते हैं, तो आपके दिमाग को शून्य से शुरू करना पड़ता है, जिससे काम खत्म करने में अधिक समय तो लगता ही है, गलतियां भी ज्यादा होती हैं और तनाव होता है सो अलग। ऐसे में कुछ महत्वपूर्ण तरकीबें आपको सही ट्रैक पर बने रहने में मदद कर सकती हैं।

इन बुनियादी बातों का रखें ध्यान- खुद का ख्याल रखना होगा। इसके लिए पर्याप्त नींद लेना, हाइड्रेटेड रहना और सक्रिय रहना बेहद जरूरी है। काम करने में बाधाएं तो आएंगी ही, जरूरी यह है कि उन पर आपका नियंत्रण हो न की आप पर उनका। यदि आप इन बुनियादी बातों का ध्यान नहीं रखते हैं, तो ऐसा करना मुश्किल हो जाता है। काम करते समय नोटिफिकेशन बंद कर दें और अपना फोन दूर रखें। आप ध्यान भटकाने वाली वेबसाइट को ब्लॉक करने के लिए एप का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

भावनाओं पर हो काबू- लक्ष्य का अर्थ केवल कार्य पूरा करना ही नहीं है। यह भावनाओं पर काबू पाने और उसे प्रबंधित करने की एक शक्तिशाली रणनीति भी है। सकारात्मक भावनाएं आपको अधिक उत्पादक और रचनात्मक बनने में मदद करती हैं। इस बारे में सोचें कि आप दिन

के अंत में कैसा महसूस करना चाहते हैं।

आराम और खुशी जैसे भावनात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करके, आप अपने दिमाग की थकावट और तनाव को कम कर सकते हैं। साथ ही, अपने लक्ष्यों को ऐसी जगह लिखें जहां उन्हें आसानी से रोजाना देख सकें। और खुद से पूछें कि ऐसा क्यों हो रहा है? क्या आप काम से बच रहे हैं? ऐसे में आपकी आत्म-जागरूकता काम आती है। जितना ज्यादा आप आत्म-जागरूकता का अभ्यास करेंगे, आप उतने ही बेहतर होते जाएंगे। अपनी ऊर्जा के स्तर पर नजर बनाए रखें। ई-मेल, नोटिफिकेशन और फोन कॉल जैसे कामों को उस समय के लिए बचाकर रखें जब आपकी ऊर्जा का स्तर कम हो।

दूसरों की बातों पर दें ध्यान-कई बार लोगों से बातचीत के दौरान आपका ध्यान भटक जाता है। फोकस बढ़ाने और लोगों से बातचीत के दौरान आंखों का संपर्क बनाए रखें। इसके अलावा, दूसरा व्यक्ति क्या कह रहा है, उस पर भी ध्यान दें और विचारशील प्रश्न पूछें।

अभ्यास

1. हाल ही में कौन राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के नए अध्यक्ष बने हैं?

(क) सुधांशु मितल
(ख) अभिजीत शेठ
(ग) डॉ.बीएन गंगाधर
(घ)इनमें से कोई नहीं
(ख) अभिजीत शेठ

2. हाल ही में जारी ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट के अनुसार देश का सबसे प्रदूषित शहर कौन बना है ?

(क)नई दिल्ली
(ख)गाजियाबाद
(ग)बर्नीहाट
(घ)इनमें से कोई नहीं
(ग)बर्नीहाट

3. हाल ही में किसने फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीता है?

(क)रियल मैडिड
(ख) चेल्सी एफसी
(ग) पेरिस सेंट जर्मेन
(घ)इनमें से कोई नहीं
(ख) चेल्सी एफसी

4. हाल ही में भारत की अंडर-20 फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम ने -20 चैंपियनशिप में कौनसा स्थान हासिल किया है ?

(क) पहला
(ख)तीसरा
(ग)दूसरा
(घ)इनमें से कोई नहीं
(ग)दूसरा

5. हाल ही में सरोज देवी का निधन हुआ है वे कौन थी ?

(क) लेखिका
(ख)अभिनेत्री
(ग)पत्रकार
(घ)इनमें से कोई नहीं
(ख)अभिनेत्री

अकेले काम करने में आता है मजा तो इन फील्ड्स में बनाएं कॅरियर ऑप्शन

काम के दौरान हमें सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान नहीं देना होता है, बल्कि ऑफिस में अपने काम को करते हुए टीम के अन्य कलीग्स से लेकर लगातार होने वाली मीटिंग्स को भी मैनेज करना होता है। ऑफिस का वर्क कल्चर शायद हर किसी के लिए फिट नहीं बैठता है।

खासतौर से, अगर आपको अकेले काम करना पसंद हैं, तो ऐसे में लगातार आने वाले कई चैलेंजेस आपको अंदर की अंदर काफी परेशान कर सकते हैं। लेकिन एक सफल करियर बनाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप अपनी इच्छाओं के साथ समझौता करें। दरअसल, ऐसे कई करियर ऑप्शन हैं, जो आपको अकेले काम करने का मौका देते हैं। इन फील्ड्स में आप बिना किसी अन्य व्यक्ति की दखलअंदाजी के भी अपना काम कर सकते हैं और नाम कमा सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं, जो अकेले काम करना पसंद करने वाले लोगों के लिए एकदम परफेक्ट साबित हो सकते हैं-

फ्रीलांस राइटर : अगर आप क्रिएटिव फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो ऐसे में बतौर फ्रीलांस राइटर लिख सकते हैं। एक फ्रीलांस राइटर के रूप में आप कहीं से भी ब्लॉग, आर्टिकल या किताबें लिख सकते हैं। अपनी राइटिंग स्किल्स के दम पर ना केवल आप अपनी एक अलग पहचान बना सकते हैं, बल्कि इसमें आपको किसी अन्य व्यक्ति की दखलअंदाजी की जरूत नहीं होती है।

फ़ोटोग्राफ़र : एक फोटोग्राफर के रूप में भी आप अपना एक उज्जवल भविष्य देख सकते हैं। आप अपननी पसंद के अनुसार फोटोग्राफी में फील्ड का चयन कर सकते हैं। मसलन, आप वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बन सकते हैं या फिर प्रोडक्ट फोटोग्राफी के करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं।

करें ऑनलाइन बिजनेस : जो लोग खुद का कुछ करना चाहते हैं, वे ऑनलाइन बिजनेस का ऑप्शन भी चुन सकते हैं। ऑनलाइन बिजनेस करते हुए आप ड्रॉपशिपिंग कर सकते हैं या फिर अपने कस्टमर से आमने-सामने बात किए बिना ऑनलाइन स्टोर चला सकते हैं। इस तरह, आप अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं या फिर खुद का भी एक ब्रांड क्रिएट कर सकते हैं।

रिमोट वर्क : जिन लोगों को अकेले काम करना काफी पसंद आता है, वे रिमोट वर्क का ऑप्शन भी चुन सकते हैं। आप वर्चुअल असिस्टेंट के रूप में अपना करियर देख सकते हैं, जिसमें आप ई-मेल बेस्ड काम कर सकते हैं। ऐसे में आपको कॉल की जरूरत नहीं होती है।

गार्डनिंग : जो लोग प्रकृति के करीब रहना पसंद करते हैं, वे गार्डनिंग को भी बतौर करियर ऑप्शन चुन सकती हैं। इसके लिए आपको थोड़ी अतिरिक्त जगह होगी, लेकिन आप कई प्लांट्स को वहां पर रख सकते हैं। छोटे पैमाने पर खेती करके आप ना केवल नेचर के करीब रह सकते हैं, बल्कि अपना एक अलग करियर भी बना सकते हैं।

ग्राफिक डिज़ाइनर : आर्टिस्टिक लोग बतौर ग्राफिक डिजाइनर भी अपना करियर देख सकते हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा करियर ऑप्शन है, जो अकेले काम करना पसंद करते हैं और कुछ अलग करना पसंद करते हैं। जरूरी नहीं है

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ
बुधवार, 16 जुलाई 2025

श्री शुभ सम्वत् 2081 शके 1946 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी दक्षिण गोलगते ग्रीष्म ऋतौ श्रावण मासोमते कृष्ण पक्षे षष्ठी तिथौ बुध वासरे 21/03/ पूर्वाभाद्रपद नक्षत्रे 05/47/ शोभन योग 11/57/ गर करणे 09/51/ मीन राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार-पंचक। भद्रा घं.21 मि.03से। निरयण सूर्य दक्षिणायन।

मेष- पारिवारिक कार्य में व्यस्त हो सकते हैं। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्यों में वृद्धि होगी।

वृष- किसी कार्य के करने से आपका प्रभाव पड़ेगा। लेकिन उदर विकार या त्वचा के रोग के प्रति सचेत रहे।

मिथुन- झगडा - विवाद से बचें। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क- व्यवसायिक योजना को बल मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कार्य सम्पन्न होने से मन को शान्ति मिलेगी।

सिंह- जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। कोई कार्य भी बन सकता है। व्यावसायिक प्रगति होगी।

कन्या- संबंधित अधिकारी व घर के मुखिया आदि का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। लाभ होगा।

तुला- निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- यात्रा में अपनी वस्तुओं की सुरक्षा रखें। किसी महत्वपूर्ण वस्तु के चोरी होने या खोने की संभावना है।

धनु- उपहार या सम्मान का लाभ मिलेगा। निजी संबंध प्रगाढ़ होंगे संबंधों में निकटता आएगी।

मकर- कुछ पारिवारिक समस्या आ सकती है। व्यर्थ की उलझन व पारिवारिक तनाव का योग है।

कुंभ- निजी मामलों में सफलता। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। निजी संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मीन- स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। धन यश कीर्ति में वृद्धि होगी।

खबर एक नजर

बदमाशों ने सेल्समैन से लूटे रुपए एवं मोबाइल

खीरो, रायबरेली। थाना क्षेत्र के खीरो निहस्था मार्ग पर फिरोजाबाद गांव के सामने सोमवार की रात 10.30 बजे बाइक सवार बदमाशों ने शराब की दुकान के सेल्समैन से 60 हजार रुपए नकद, मोबाइल, दुकान व स्कूटी की चाबी छीन लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच करते हुए बदमाशों की आसपास काफी खोजबीन की। लेकिन सफता नहीं मिली। रामपुर मिलकिन निवासी राहुल कुमार ने बताया कि रनापुर पहरौली निवासी राधेश्याम साहू पुत्र स्व0 मुन्ना साहू की खीरों निहस्था मार्ग पर स्थित गांव फिरोजाबाद के पास देशी शराब की दुकान है। मैं उसमें सेल्समैन के रूप में काम करता हूं। सोमवार की रात घटना के समय मैं दुकान बंद कर अपने घर रामपुर मिलकिन मजरे लोदीपुर जा रहा था। जैसे ही मैं दुकान से करीब 100 मीटर आगे पहुंचा। तभी दो बाइकों में सवार 6 बदमाशों ने सेल्समैन के तमंचा लगाकर मेरी बैग जिसमें 60.000 रुपए नकद थे और मेरा मोबाइल और दुकान तथा स्कूटी की चाबी लूट कर फ रार हो गए। मैंने घटना स्थल से करीब 500 मीटर दूर भागकर तालेश्वर मंदिर में चल रही कीर्तन कार्यक्रम में मौजूद लोगों को घटना की जानकारी दी। जहां मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस बल भेजा गया। इस दौरान बदमाश भाग गए थे। घटना के साथ ही दुकान व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच करके तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

गांव में एक वर्ष से नहीं हुई सफाई

महाराजगंज रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार लगातार स्वच्छ भारत मिशन के तहत निर्देश दे रही की नगरों के साथ साथ गांवों में भी साफसफाई का विशेष ध्यान रखा जाए जिससे गंदगी से होने वाली बीमारियों से लोग सुरक्षित रह सके। लेकिन सरकार के इन आदेशों का कोई असर महाराजगंज विकास खंड में नहीं पड़ रहा है। लोग सफाई कर्मचारी के लिए विकास खंड परिसर के चक्कर काट रहे। दरअसल विकास खंड के ग्राम सभा अटरा के झामखेड़ा गांव निवासी राम खेलावन मौर्य शिकायती पत्र के साथ विकासखंड पहुंचे। उन्होंने बताया कि हमारे गांव में एक वर्ष से कोई भी सफाई कर्मी द्वारा नालियों की साफ-सफाई नहीं की गई सभी नाली कूड़े से पटी पड़ी है। जिससे बारिश में पूरा पानी सड़क पर भर रहता है और उनके घर के आसपास के रहने वाले छोटे बच्चों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता। वही बारिश के बाद जल भराव होने के कारण कई लोग गिर कर गंभीर रूप से घायल हो चुके है। उन्होंने बताया कि कई दिनों से सफाई कर्मचारी गांव में नहीं आता। इस मामले में बीडीओ वर्षा सिंह ने बताया इस समय संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है और सफ ईकर्मी को भेजकर जल्द ही समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

युवक को पागल सियार ने काटा, इलाज के दौरान मौत

खीरो, रायबरेली। थाना क्षेत्र के बरवलिया निवासी एक युवक करीब 15 दिन पूर्व मृतक खेतो में गया था, जहाँ एक पागल सियार ने उसे काट लिया था। दो दिन पूर्व युवक की हालत खराब हुई तो उसे पहले सीएचसी खीरो बाद में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर कर दिया गया था, जहाँ हालत खराब होने पर डॉक्टरों ने सोमवार की रात घर भेज दिया था। जहां मंगलवार को सुबह उसकी मौत हो गई। खीरों पुलिस ने मृतक के पिता की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बरवलिया निवासी मृतक राजेश कुमार 24 वर्ष को 15 दिन पहले खेतो में एक पागल सियार ने काट लिया था। जिसका मृतक राजेश कुमार ने प्राथमिक उपचार कराया था। रविवार को राजेश की हालत बिगड़ने लगी। तब परिजनों ने उसे सीएचसी खीरों पहुंचाया, जहां से उसे पहले जिला अस्पताल व बाद में मेडिकल कालेज लखनऊ रिफर कर दिया गया। मृतक की हालत नाजुक होने पर मेडिकल कालेज के डॉक्टरों ने उसे घर भेज दिया। परिजन मृतक राजेश को लेकर सोमवार की रात 11 बजे घर पहुंचे। जहां मंगलवार को सुबह उसकी मौत हो गई। खीरों पुलिस ने मृतक के पिता की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से मृतक के पिता श्रीकेशन, मां विमला देवी, बड़े भाई मुकेश व उमेश, बहन संतोष कुमारी, पिंकी देवी सहित सभी परिवारी जनो का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के पिता की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

ग्रामीणों ने विधालय मर्जिंग पर दर्ज कराया विरोध

रायबरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के निर्देशानुसार शाखा दीनशाह गौरा के पदाधिकारी अध्यक्ष शैलेश पांडे के नेतृत्व में जनसंवाद कार्यक्रम के तहत ग्राम पुराना पुरवा पहुँचे। पुराना पुरवा के ग्रामवासियों व अभिभावकों ने विधालय बंद करने पर गहरा रोष व्यक्त किया और कहा कि हमारे बच्चे 1 किमी से अधिक दूर कैसे जा पाएंगे। बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है जो कि असंवैधानिक है। गौरा अध्यक्ष शैलेश पांडे ने बताया कि यह आरटीई एक्ट का उल्लंघन है उन्होंने आगे कहा कि प्रांतीय नेतृत्व के निर्देशानुसार संगठन प्रत्येक उस ग्राम के अभिभावकों तथा ग्रामवासियों से जनसंवाद करेगा जहां के विधालय बंद कर दिए गए है। महामंत्री अखिलेश कुमार ने कहा बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित नही किया जा सकता। जनपदीय पर्यवेक्षक व जिला कोषाध्यक्ष यादवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि विधालय बंद करने से बच्चों को तो परेशानी हो ही रही है इसके साथ ही शिक्षको के पद समाप्त हो जाएंगे जिससे भविष्य में शिक्षकों को भी परेशानी उठानी पड़ेगी। संरक्षक त्रिलोकी शरण सिंह ने कहा कि संगठन मजूबती से विधालय मर्जिंग का विरोध कर रहा है और करता रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुणेंद्र सिंह चौहान, उपाध्यक्ष दिनेश मिश्र, श्याम सिंह, मनीष दीक्षित, अमित सिंह, सर्वेन्द्र सिंह, परितोष सिंह, राहुल द्विवेदी, नितिन सोनी, प्रमोद द्विवेदी, कीर्ति शर्मा, जितेंद्र यादव, विनय त्रिपाठी आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हापुड़ के मृतक लेखपाल के प्रकरण को लेकर लेखपाल संघ ने किया प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

लालगंज (रायबरेली)। हापुड़ में लेखपाल सुभाष मीणा के प्रकरण को लेकर लेखपाल संघ ने अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह की अगुवाई में तहसीलदार कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और सीएम को सम्बोधित चार सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार ध्रुव नारायण यादव को सौंपा। ज्ञापन में मृतक लेखपाल उचित आर्थिक सहायता देने, योग्यतानुसार नौकरी देने, जाच रिपोर्ट सार्वजनिक करने के साथ ही लेखपालों से मानवीय व्यवहार करने की मांग की गयी। ज्ञापन में यह भी मांग की गयी कि मुख्य सचिव के आदेश का पालन करते हुए हर स्तर पर अधिकारियों के साथ प्रतिमाह बैठक की जाये। इस मौके पर संगठन मंत्री उमाकांत तिवारी, प्रियम पाण्डेय, आलोक सिंह, राजकुमार पाल, अनामिका सिंह, सर्वेन्द्र पटेल, आनन्द आदि मौजूद रहे।

जूनियर शिक्षक संघ ने खोला मोर्चा

रायबरेली। बेसिक शिक्षा विभाग से बिना किसी मान्यता लिए शहर से लेकर गांव तक संचालित हो रहे विद्यालयों को बंद करने के लिए मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ ने ज्ञापन दिया। बीएसए को ज्ञापन देकर संगठन ने मांग की कि इनका संचालन अभियान चलाकर बंद कराया जाए ताकि परिषदीय विद्यालयों में संख्या में बढोत्तरी हो सकें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला सरंक्षक समर सिंह ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों का मर्जर कम संख्या वालों का किया जा रहा है। वर्तमान में अपने विभाग में स्कूलों के विलय, सरप्लस शिक्षकों का चिन्हांकन आदि का कार्य बहुत तीव्र गति से चल रहा है। पूरा शिक्षक समाज अभूतपूर्व अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। खण्ड शिक्षा अधिकारी छापेमारी करके ऐसे विद्यालयों का संचालन बंद करा सकते हैं।

विद्यालय बंदी से गरीबों को शिक्षा से किया जा रहा वंचित-राजेश शुक्ला

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर आज पुनः जनपद के विभिन्न विकास क्षेत्रों में मर्जर होने वाले दूसरे सबसे बडी संख्या वाले विद्यालयों की ग्राम सभाओं में ग्रामवासियों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों के साथ ब्लाक के पदाधिकारियों ने बैठक की। बैठक में एक स्वर से विद्यालयों के मर्जर पर आक्रोश व्यक्त किया गया। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि विद्यालयों की बंदी से गरीबों और मजलूमों के बच्चों को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है। जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने पर यह आत्ममुग्ध सरकार आमादा है। अध्यक्ष, जिला संघर्ष समिति पंकज द्विवेदी ने कहा कि आरटीई एक्ट का उल्लंघन हो रहा है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। जनपदीय कोषाध्यक्ष यादवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार खुलेआम मनमानी पर आमादा है। जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि जब तक एसएमसी और अभिभावकों की भावनाओं एवं समस्याओं का संज्ञान नहीं लिया जाता तब तक हम लोग संघर्ष करेंगे। महिला अध्यक्ष गीता त्रिपाठी ने कहा कि बच्चे खासकर बेटियां किसी भी हालत में तीन किलोमीटर पढने नहीं जा पाएंगे। जनपदीय संयुक्त मंत्री डा चंद्र मणि बाजपेई ने कहा कि संविधान में प्रदत्त शिक्षा के मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है। जनपदीय लेखाकार गंगा चरण भारती ने कहा कि सरकार पूंजीवाद को बढावा दे रही है जिसके तहत बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। जनपदीय उपाध्यक्ष जटा शंकर बाजपेई और डा बृज किशोर ने कहा कि सरकार शिक्षा को निजी हाथों में सौंप देना चाहती है। जिला संघर्ष समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि सबको शिक्षा दे न सके जो वह सरकार निकम्मी है। जनपदीय संगठन मंत्री सुजीत चौधरी और राम जी सरोज ने कहा विभागीय अधिकारी विद्यालयों की परिस्थतियों को जानकर भी मर्जर की प्रक्रिया में तेजी से लगे हैं। सरेनी अध्यक्ष राकेश द्विवेदी और शिवगढ अध्यक्ष गयेन्दु सिंह ने कहा कि आरटीई एक्ट की अनदेखी करके आनन फानन में विद्यालय बंद किए जा रहे हैं। सलोन अध्यक्ष राजेश पाण्डेय और डीह अध्यक्ष कमलेश ओझा ने कहा कि संगठन का संघर्ष का इतिहास रहा है, संगठन इसकी भी लडाई लडेगा। जगतपुर अध्यक्ष डा संजय सिंह और रोहनियां अध्यक्ष पवन शुक्ला ने कहा कि इस तानाशाही के खिलाफ क्रमबद्ध लडाई लडनी पडेगी। लालगंज अध्यक्ष शेषर यादव और अमावां अध्यक्ष अशोक पाल ने कहा कि ग्राम प्रधान, विद्यालय प्रबंध समिति, अभिभावकों की आवाज को बुलंद किया जाएगा। इस अवसर पर अजय मिश्र, ओमानंद श्रीवास्तव, मो सगीर, अरविन्द मिश्र, अखिलेश कुमार, डा बृज किशोर, श्रवण यादव, नीलेश शुक्ला, जितेन्द्र सिंह, आकाश त्रिपाठी, दर्शन लाल, मुन्ना लाल, शशांक मिश्र आदि उपस्थित रहे।

विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रधान प्रतिनिधि ने आरेडिका जीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऐहार के प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने मंगलवार को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्र को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने फैक्ट्री गेट नंबर तीन के सामने बंद पड़े सार्वजनिक शौचालय को जल्द खुलवाने, जलनिकासी की समस्या और अवैध पार्किंग की स्थिति पर जनहित में कार्यवाही की मांग की। प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने बताया कि गेट नंबर-3 के सामने बना शौचालय काफी समय से बंद है, जिससे ट्रक चालक और राहगीर खुले में शौच के लिए मजबूर हैं। यह स्थिति जन स्वास्थ्य और स्वच्छता दोनों के लिहाज से चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले ग्राम पंचायत का बरसाती पानी कारखाने के भीतर बने नाले से होकर निकलता था, लेकिन बाउंड्री वॉल के किनारे सड़क बन जाने से जल निकासी अवरुद्ध हो गई है। इससे गांव में जलभराव की स्थिति पैदा हो रही है। इसके अलावा छुट्टी के दिनों में माल लेकर आने वाले ट्रक फैक्ट्री के बाहर सड़क किनारे खड़े हो जाते हैं। इससे न सिर्फजाम लगता है बल्कि हादसे का भी खतरा बना रहता है। राजेश फौजी ने मांग की कि ट्रकों के लिए अलग से पार्किंग स्थल निर्धारित किया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

ओपी यादव के 72वें जन्म दिवस पर रोपे गये 72 पौधे

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओपी यादव का 72वाँ जन्म दिन पर्यावरण संरक्षण दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर एडीआर कार्यालय कलेक्ट्रेट परिसर, उच्च न्यायालय लखनऊ परिसर सहित रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़ के विभिन्न गाँवों में आम, नीम, जामुन, पीपल, बरगद, अशोक, अमरूद, सहजन, पाकर, कदम्ब, चितवन, बैटलपाम, शरीफा, मुसम्मी, अनार व मेडीसिन के 72 पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला जज ने कहा कि पर्यायवरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपड़ आवश्यक है, सभी को ओपी यादव से प्रेरणा लेनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक, पूर्व जिलाध्यक्ष रामनरेश यादव ने कहा कि ओपी यादव को संघर्ष व संस्कार विरासत में मिले हैं, इनके बाबा सद्धू प्रसाद यादव, दादी इंदिरा यादव, माँ उमराई यादव, पिता बद्री प्रसाद यादव स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे।

सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीशंकर बाजपेयी ने कहा कि ओपी यादव सन् 1970 से लगातार अपनी आयु की संख्या के सापेक्ष संख्या में जन्मदिन पर वृक्षारोपड़ करते हैं, जो एक पुनीत कार्य है। उ.प्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने कहा कि अन्याय के विरूद्ध आवाज उठाने के कारण ओपी यादव 82 बार जेल गये, 75 मुकदमें समाप्त हो गए, 7 मुकदमें अभी चल रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य आलोक यादव, देशराज यादव, वीरेन्द्र यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य वीरेन्द्र यादव, भाई लाल यादव, मुकेश बाजपेयी आदि लोगों ने वृक्षारोपड में बढ-चढ़ कर हिस्सा लिया। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री सुरेश यादव ने केक कटवाकर तो आलोक विक्रम सिंह ने मिष्ठान वितरण कर खुशी जाहिर की।

शिवानी मौत प्रकरण, गुरुबख्शगंज पुलिस ने दर्ज की हत्या की रिपोर्ट

पीड़ित पिता दो दिन से लगा रहा था थाने के चक्कर

शिवानी की फाइल फोटो

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। गुरुबख्शगंज गन्ना काँटा मैदान के पास एक अधूरी इमारत के बेसमेंट में शनिवार एक छात्रा का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने दो दिन बाद प्रकरण मे अज्ञात लोगों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया। उल्लेखनीय है कि शिवानी की रहस्यमय मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया था। लालूपुर मजरा सताँव के निवासी राजू की 17 वर्षीय बेटी शिवानी शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थी। शव जिस हाल में मिला, उससे परिवार ने तुरंत हत्या की आशंका जताई, लेकिन तहरीर लेने के बावजूद पुलिस एफ आईआर दर्ज करने आना कानी करती रही, लेकिन जब मामला मीडिया की सुर्खियाँ बना तब पुलिस हरकत में आई और मुकदमा दर्ज किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी मौत की वजह साफनहीं हो पाई। इस बीच परिजन न्याय के लिए भटकते रहे और स्थानीय प्रशासन की चुप्पी ने मामले को और पेचीदा बना दिया। मंगलवार को खबरे मीडिया की सुर्खियां बनीं तो आला अफसरों ने फौरन दखल दिया और थानाध्यक्ष से जवाब-तलब किया। उसी दिन अपराह्न पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया। मामले को लेकर जनता में गुस्सा है। गांव से लेकर बाजार तक हर तरफ यही चर्चा है कि अगर मीडिया और परिजन दबाव न बनाते तो क्या केस दर्ज होता, शिवानी को न्याय दिलाने के लिए अब सामाजिक संगठन और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी सक्रिय हो चुके थे। मंगलवार को कई जनप्रतिनिधियों ने परिवार से मिलकर भरोसा दिलाया कि दोषियों को सजा दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा।

तालेश्वर शिव मन्दिर परिसर में मेले एवं विशाल जवाबी कीर्तन का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, खीरों, रायबरेली। विकास क्षेत्र के गांव मथुरा खेड़ा मजरे खीरों में स्थित तालेश्वर शिव मन्दिर परिसर में सावन मास के पहले सोमवार को स्थानीय भक्तों और तालेश्वर बाबा जन कल्याण समिति द्वारा तालेश्वर बाबा का रुद्राभिषेक और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में पहुंचे भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। दिन में विशाल मेले का भी आयोजन किया गया। रात में विशाल जवाबी कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें छतरपुर मध्यप्रदेश की कीर्तनकारा कमलेश्वरी कंचन और कानपुर के कीर्तनकार सचदेवा शरारती के बीच में जबर्दस्त मुकाबला हुआ। तालेश्वर बाबा जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित जवाबी कीर्तन कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सचदेवा शरारती ने सरस्वती वंदना के रूप में तार दे तार दे स्वर को विस्तार दे, शारदे शारदे स्वर का संसार दे प्रस्तुत किया। इसके साथ ही सवालिया गीत के रूप में शिव के सिर की गंगा, धरती पर बहती यमुना का, सोंच मनवा सोंच संगम होगा कि नहीं। प्रस्तुत किया। कमलेश्वरी कंचन ने सरस्वती वंदन गीत के रूप में आश थकी आश लिए आशा जगाने आ जाए आज इस लाल की मां लाज बचाने आ जा। प्रस्तुत किया। इसके बाद जवाब के रूप में जहां मन हरि चरणन में संगम होता है वहीं, सोंच मनवा सोंच संगम होता है वहीं। प्रस्तुत किया और सवालिया गीत के रूप में तीर सागर के डारे डेरा हैं, लम्बी लम्बी सूंड डाले हैं, राजा बनके विराजे श्रीगणेश, दूर दर्शन से होते क्लेश, आस्था सबकी चरणों में विशेष। प्रस्तुत किया। इसी तरह सारी रात सवालों जवाबों का दौर चलता रहा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शासकीय अधिवक्ता अशोक त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर एडवोकेट राजेन्द्र त्रिपाठी, एडवोकेट शैलेन्द्र त्रिपाठी, रावेन्द्र त्रिपाठी, दिनेश गुप्ता, नीरज मिश्रा, पंजाबी सिंह, कांग्रेस की नेता सुधा द्विवेदी, अशोक तिवारी, विनोद पासवान आदि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से मिले निजी स्कूलों के संचालक, मिला बड़ा आश्वासन

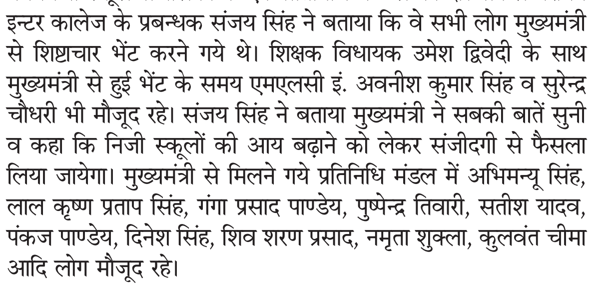

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने आश्वासन दिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित निजी शिक्षण संस्थानों की आमदनी बढ़ाने के लिए, शासन, प्रशासन व विद्यालय प्रबन्धकों के साथ आपसी विमर्श किया जायेगा और सर्वमान्य हल निकाला जायेगा। मुख्यमंत्री से यह आश्वासन शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी के साथ मिलने गये निजी स्कूल संचालकों के एक प्रतिनिधि मण्डल को दी। सकल नरायन इन्टर कालेज के प्रबन्धक संजय सिंह ने बताया कि वे सभी लोग मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करने गये थे। शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी के साथ मुख्यमंत्री से हुई भेंट के समय एमएलसी इं. अवनीश कुमार सिंह व सुरेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे। संजय सिंह ने बताया मुख्यमंत्री ने सबकी बातें सुनी व कहा कि निजी स्कूलों की आय बढ़ाने को लेकर संजीदगी से फैसला लिया जायेगा। मुख्यमंत्री से मिलने गये प्रतिनिधि मंडल में अभिमन्यू सिंह, लाल कृष्ण प्रताप सिंह, गंगा प्रसाद पाण्डेय, पुष्पेन्द्र तिवारी, सतीश यादव, पंकज पाण्डेय, दिनेश सिंह, शिव शरण प्रसाद, नमृता शुक्ला, कुलवंत चीमा आदि लोग मौजूद रहे।

शत प्रतिशत रहा आधारशिला कॉलेज के एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा फल

संस्थापक व प्रबन्धक ने प्राचार्य, संकाय अध्यक्ष व प्राध्यापकों को सराहा सफल विद्यार्थियों को दीं शुभकामनायें!

कॉलेज के ओएसडी बोले-लॉ संकाय ने एक बार फिर रोशन किया आधारशिला का नाम, सभी को दी बधाई!

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। प्राइमरी से लेकर उच्च स्तर तक के विद्यार्थियों को सच्ची, सस्ती व अच्छी शिक्षा देने और व्यवसायिक पाठ्यक्रमों का संचालन अनोखे अंदाज में करने के लिए प्रख्यात आधारशिला कॉलेज ऑव प्रोफेशनल कोर्सेज के योग्य प्राध्यापकों ने एलएलबी के चौथे सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत देकर एक बार फि र कॉलेज का नाम रोशन किया है। विद्यालय संस्थापक पूर्व डीआईजी डॉ तहसीलदार सिंह एवं प्रबन्धिका चन्द्रप्रभा सिंह ने कानून की पढ़ाई कर रहे सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध आधारशिला लॉ कॉलेज ऑव प्रोफेशनल कोर्सेज के एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। एक भी विद्यार्थी अनुत्तीर्ण नहीं हुआ। कॉलेज के ओएसडी गिरिजा शंकर सिंह ने बताया कि जायस, अमेठी की रहने वाली शबीला फातिमा ने 76ण83 प्रतिशत अंक हासिल करके परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि तनूजा मिश्रा 76 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। 75.06 प्रतिशत अंक पाने वाले सौरभ सिंह को तीसरा स्थान मिला। कॉलेज के संस्थापक एवं संचालक सेवानिवृत्त डीआईजी डॉ तहसीलदार सिंह एवं प्रबन्धिका चन्द्रप्रभा सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय कॉलेज की प्राचार्या डॉ पूजा शर्मा, लॉ विभागध्यक्ष दिग्विजय सिंह एवं सभी प्राध्यापकों को दिया और उन्हे बधाई दी। संस्थापक व प्रबन्धक ने सभी सफ ल विद्यार्थियों को शुभकामनायें दीं एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ओएसडी गिरिजा शंकर सिंह ने कहा कि लॉ संकाय ने एक बार फि र आधारशिला कॉलेज का नाम रोशन किया है। उन्होने सभी को बधाई दी।

नवगीतकार कवि व लेखक डा0 बुद्धिनाथ मिश्र समेत चार शख्सियतें सम्मानित

नवगीतकार डा0 शिव बहादुर सिंह भदौरिया की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के एक गेस्ट हाउस में मंगलवार को काव्यालोक संस्था की ओर से नवगीतकार डा0 शिव बहादुर सिंह भदौरिया की जयन्ती पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। विहार में जन्में और वर्तमान में देहरादून निवासी नवगीतकार कवि व लेखक डा0 बुद्धिनाथ मिश्र को डा0 शिव बहादुर सिंह भदौरिया स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अलावा पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह को सुरेश नारायण सिंह बच्चा बाबू स्मृति सम्मान, सेवानिवृत्त आईजी शैलेन्द्र प्रताप सिंह को प्रो0 हरेंद्र बहादुर सिंह स्मृति सम्मान और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अवनेन्द्र बहादुर सिंह को काव्यालोक सम्मान से सम्मानित किया गया। सभी को अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह व सम्मान पत्र भेंट किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व पूर्व महाधिवक्ता राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि डा0 भदौरिया केवल बैसवारा ही नहीं, पूरे हिंदी साहित्य जगत का सम्मानित नाम हैं। उनकी रचनाएं जीवन के गहरे अनुभवों को दर्शाती हैं। उन्होंने डा0 भदौरिया के साहित्य और स्मृतियों को सहेजने के प्रयास के लिए कार्यक्रम के संयोजक व उनके पुत्र डा0 विनय भदौरिया की सराहना की। विशिष्ट अतिथि अशोक सिंह ने कहा कि डा0 भदौरिया नवगीतों की समृद्ध परंपरा छोड़ गए हैं। इस धरोहर को संरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य केशव कुमार सिंह ने की। संचालन शिक्षक नेता आशीष प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में काव्यांजलि कार्यक्रम को आयोजन हुआ। जिसमें जाने माने कवि श्लेष गौतम, प्रवीण प्रसून व प्रदीप महाजन ने कविताएं पढ़ी। इस मौके पर काव्यालोक के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, डा0 एमडी सिंह, डा0 ओपी सिंह, पूर्व डाइट प्राचार्य जेपी सिंह, प्रो0 अरुण कुमार सिंह, हरिनाम सिंह, प्रो0 हजारी सिंह, भाजपा नेता अनूप पांडेय, श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राजपूत, सुनील सरगम, राजेश सिंह फौजी, राजेंद्र सिंह मुन्ना, विश्वास बहादुर सिंह, वाईपी सिंह, उमाशंकर गुप्ता, जेपी सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

युवक व किशोर की हालत गंभीर

महराजगंज रायबरेली। दो अलग-अलग गांवों में जहरीले जंतु के काटने से एक युवक व एक किशोर की हालत गंभीर हो गई। गंभीर हालत में परिजनों ने दोनों को सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा दोनों का इलाज जारी है। पहली घटना महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के पाली गांव की है, गांव निवासी अनिकेश 15 वर्ष पुत्र अरविंद मौर्या मंगलवार को खाली पड़े खेतों में भैंस चरा रहे थे। इसी दौरान घास में छिपे किसी जहरीले जंतु ने उन्हें काट लिया।वहीं दूसरी घटना चंदापुर थाना क्षेत्र के पूरे मोती पासी मजरे ज्यौना गांव की है। गांव निवासी राजकरन 26 वर्ष पुत्र छब्बा मंगलवार की दोपहर रोपाई के लिए धान की नर्सरी से बेढ़न निकाल रहा था इसी दौरान उसे किसी जहरीले जंतु ने काट लिया।

डीएम ने की चकबंदी कार्यों की समीक्षा दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में आज जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में चकबंदी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।जिलाधिकारी ने जनपद में चकबंदी के प्रगति कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों से अद्यतन जानकारी प्राप्त की। बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी ने अवगत कराया कि प्रथम चक्र की चकबंदी प्रक्रिया वर्तमान में जनपद के 6 ग्रामों में एवं द्वितीय चक्र की प्रक्रिया 35 ग्रामों में संचालित है।

- 5 वर्ष से अधिक पुराने लंबित वादों पर जताई नाराजगी
- कार्ययोजना के अनुरूप निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि चकबंदी की प्रक्रिया अनावश्यक रूप से लंबी न खींची जाए। जिन ग्रामों में कार्य गतिमान है, वहां निर्धारित समयसीमा के भीतर चकबंदी की समस्त प्रक्रियाएं पूर्ण की जाएं। उन्होंने ग्राम बछराजमऊ, बबुवापुर, सलेमाबाद, ओदार, बहरौली, खुज्जी, कुड़ीन एवं खण्डसरा सहित अन्य ग्रामों में धारा 24 (कब्जा परिवर्तन) के अंतर्गत लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर सभी ग्रामों में कब्जा परिवर्तन की कार्रवाई पूर्ण की जाए।

चकबंदी न्यायालयों में लंबित वादों की स्थिति पर गहन समीक्षा

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने चकबंदी न्यायालयों में लंबित आपत्तियों, अपीलों एवं निगरानियों की वर्षवार समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक पीठासीन अधिकारी से उनके न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राजस्व वादों के निस्तारण में जनपद ने उल्लेखनीय प्रगति की है, उसी तर्ज पर चकबंदी वादों के निस्तारण में भी तेजी लाई जाए।विशेष रूप से 3 वर्ष एवं 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित वादों की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो कार्ययोजना प्रस्तुत की गई है, उसके अनुरूप हर हाल में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी संजय कुमार विश्वास, चकबंदी अधिकारी बी.के. मिश्रा, सुरेश कुमार शर्मा, सहायक चकबंदी अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

झलिहा गांव के पास तेज रफ्तार ई रिक्शा ने मासूम बच्ची को रौंदा

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। लगातार ई रिक्शा चालकों में हो रही बढ़ोत्तरी के कारण आये दिन होते हैं हादसे जिसकी खबरें आये दिन प्रकाशित करने पर कोई कठोर कदम न उठाने से झलिहा गांव के पास मंगलवार करीब शाम 5 बजे तेज रफ्तार ई रिक्शा ने अपने मामा आर्यन चौहान के घर पर रह रही सतरिख थाना क्षेत्र के लखैचा निवासी नवरंग चौहान की 6 वर्षीय पुत्री शाशी को रौंद दिया। जिससे शाशी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं घटना के उपरांत ई रिक्शा चालक मौके से ई रिक्शा लेकर फरार हो गया सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच पड़ताल में जुटी। जब कि कई बार ई रिक्शा चालकों द्वारा तेज रफ्तार में चलाने की खबर को प्रकाशित किया गया जिनपर कोई कार्यवाही न होने से आज फिर एक मासूम की जान चली गयी। और परिवार सहित पूरे गांव में मातम छा गया है।

खाद वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं पारदर्शिता जरूरी : एडीओ सहकारिता

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। किसानों को समय से खाद मिल सके और वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी रहे, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मंगलवार को सहायक विकास अधिकारी सहकारिता खुशबू राय ने रामनगर स्थित इफको खाद बिक्री केंद्र (सरकारी संघ) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टॉक रजिस्टर, बिक्री पंजी और उपलब्ध खाद की स्थिति का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कुछ किसानों ने समय से खाद न मिलने की शिकायत की, जिस पर अधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ कोई भी सौतेला व्यवहार नहीं होना चाहिए। निरीक्षण के पश्चात एडीओ सहकारिता ने जिला सहकारी बैंक शाखा रामनगर में समितियों के सचिवों संग समीक्षा बैठक की। बैठक में बैलेंस शीट, कैश कैरी लिमिट, उर्वरकों की उपलब्धता, भंडारण और वितरण से जुड़ी बिंदुवार समीक्षा की गई। उन्होंने दो टूक कहा, ÷किसानों को खाद की कमी नहीं होनी चाहिए। सभी सचिव वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता रखें, स्टॉक का पूरा हिसाब-किताब रखें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई तय है। बैठक में शाखा प्रबंधक मुकेश कुमार, सुधीर यादव, ललित शर्मा, उदय प्रताप वर्मा, अवधेश दीक्षित सहित कई अधिकारी एवं समिति सचिव मौजूद रहे।

रामनगर में खाद बिक्री केंद्र का औचक निरीक्षण सचिवों संग की गई समीक्षा बैठक

सर्पदंश से महिला की मौत

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के दिकोलिया गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहाँ सांप के काटने से एक महिला की मौत हो गई। 32 वर्षीय सीता को आज रात करीब 2 बजे सोते समय सांप ने काट लिया था। सीता के पति सुमेश कुमार ने बताया कि सांप काटने के तुरंत बाद उनकी पत्नी ने शरीर में तेज दर्द की शिकायत की। शुरुआत में परिजनों को लगा कि यह कोई मामूली दर्द होगा और अपने आप ठीक हो जाएगा, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता, सीता की हालत बिगड़ती गई। सुबह तक उसकी स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी थी। परिजन तुरंत सीता को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुँचे। स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद डॉक्टरों ने जाँच के बाद सीता को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, समय पर इलाज न मिलने के कारण ही उसकी मृत्यु हुई। यदि उसे रात में ही अस्पताल लाया जाता, तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बाराबंकी भेज दिया है।

खबर एक नजर

बाइकों की टक्कर में तीन घायल

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। कस्बा के बछरावां चौराहे पर बीती रात हुए एक सड़क हादसे में बाइकों की भिड़ंत में तीन लोग घायल हो गए। कस्बा हैदरगढ़ के बछरावां चौराहे पर बीती रात हुए हादसे में बारीखेरा गांव के विकास पुत्र जगत बहादुर और दीपक पुत्र पचई के अलावा रायबरेली के कोटवा मोहम्मद का रहने वाला रोहन पुत्र ननकू घायल हो गया । तीनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया गया। जहां उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर तीनों घायलों को छुट्टी दे दी गई पता चला है कि बारीखेरा गांव निवासी दोनों युवक अवसानेश्वर महादेवा में दुकान लगाते हैं। सावन का पहला सोमवार होने की वजह से दुकान बढ़ाने के बाद देर रात घर लौट रहे थे।

मना करने पर पिता पुत्र की पिटाई

हैदरगढ़ बाराबंकी स्वतंत्र भारत। कोतवाली क्षेत्र के ज्ञानमती खेड़ा गांव में विपक्षियों द्वारा मेड काटकर खेत में भर पानी उतार लेने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। गांव निवासी अल्ला भेजू ने पुलिस को बताया कि राम्भी गांव निवासी विपक्षी अरुण मौर्य, सुमित मौर्य व नवनीत ने खेत की मेड काट कर उसके खेत में भरा पानी अपने खेत में उतार लिया।मना करने पर उसे व उसके बेटे की पिटाई कर दी ।यही नहीं जान से मारने की धमकी भी दी।

रजबहा के कटने से दर्जनों किसानों के खेत हुए जलमग्न

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। याकूतगंज गांव के निकट स्थित प्रतापगंज रजबहा के कटने से दर्जनों किसानों के खेतों में भारी जल भराव देखा गया। जिससे सैकड़ो बीघा फसल जल मग्न हो गई। स्थानीय किसानों के मुताबिक सोमवार व मंगलवार की रात्रि करीब रजबहा के कटने से खेतों में भारी जल भराव हो गया। जिससे फसल के नुकसान होने की संभावना बनी है। मंगलवार करीब 11ः30 बजे तक क्षेत्र में अधिक जल भराव होने के कारण लोगों के घरों में भी पानी दाखिल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद नहर विभाग द्वारा नहर को हेड से पानी को रोक दिया गया है और मौके की स्थिति का जायजा लिया गया है। मौके पर पहुंचे जेई हरिश वर्मा ने बताया कि शीघ्र ही बांध बनाने का कार्य किया जाएगा।

बलात्संग के अभियुक्त को आजीवन कारावास

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। ऑपरेशन कनविक्शन के तहत चिन्हित अभियोग की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरुप न्यायालय द्वारा बलात्संग की घटना से सम्बन्धित अभियुक्त को आजीवन कारावास व 51,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये आदेशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में जघन्य अपराधों में लिप्त अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैज्ञानिक विधि से साक्ष्य संकलन एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए ऑपरेशन कनविक्शन कार्ययोजना के तहत मॉनीटरिंग सेल में नियुक्त अधि0/कर्म0गण/पैरोकार द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी व साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को प्रस्तुत कराकर न्यूनतम समय में अधिकतम सजा दिलाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सतरिख पर बलात्संग की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत मु.अ.सं. 14/2019 धारा 376/506 भादवि 3(1)द/3(1)ध/3(2)5 एससीएसटी एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त विनोद यादव पुत्र सुखलाल नाथ निवासी ग्राम देवकलिया थाना मसौली जनपद बाराबंकी को उपरोक्त धाराओं में न्यायालय विशेष न्यायाधीश एससीएसटी कोर्ट बाराबंकी द्वारा दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास व 51,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

सभासदों ने बोर्ड मीटिंग का किया बहिष्कार

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। बेलहरा नगर पंचायत में अध्यक्ष शबाना खातून और अधिशासी अधिकारी (ईओ) की कथित मनमानी कार्यशैली और तानाशाही के खिलाफ नगर पंचायत के सभासदों ने आज बोर्ड मीटिंग का बहिष्कार कर दिया। आक्रोशित सभासदों ने धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया और उपजिलाधिकारी फतेहपुर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। सभासद वीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ पिंटू सिंह, सरबजीत गौतम, नसीर खान, मुस्ताक, सुभाष जायसवाल सहित अन्य सभासदों ने बताया कि नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी के साथ बोर्ड बैठक में लिखे गए बिंदुओं पर सहमति नहीं बन पा रही है। उनका आरोप है कि अध्यक्ष और ईओ की तानाशाही के चलते मनमाने तरीके से कार्य कराए जाते हैं, जिससे बेलहरा नगर पंचायत में जनहित के कार्य नहीं हो पा रहे हैं। सभासदों ने बताया कि इस मनमानी के कारण कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे लोगों को अपने घरों को छोड़कर दूसरी जगहों पर जाना पड़ता है। इसी तरह की कई समस्याएं नगर पंचायत में व्याप्त हैं। सभासदों का यह भी आरोप है कि अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी की मिलीभगत से नगर पंचायत में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। सभासदों ने जानकारी दी कि वे पहले भी उच्च अधिकारियों और शासन तक इस संबंध में शिकायत कर चुके हैं, जिन पर उच्च अधिकारियों द्वारा कार्रवाई भी प्रचलित है। इन्हीं सब कारणों के चलते सभासदों ने आज आयोजित बोर्ड बैठक का पूर्ण रूप से बहिष्कार किया।

कार की टक्कर में बाइक सवार घायल, रेफर

हैदरगढ़ बाराबंकी स्वतंत्र भारत। लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर बारा टोल प्लाजा के निकट मंगलवार की दोपहर बाद लगभग 3ः30 बजे अनियंत्रित कार ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के चलते 42 वर्षीय बाइक सवार गम्भीर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार लोनी कटरा थाना क्षेत्र के सरैया बसंतपुर मजरे तेज़वापुर गांव निवासी राम निरंजन वर्मा पुत्र लक्ष्मी नारायण बाइक से हैदरगढ़ से घर लौट रहा था कि तभी तेज रफ्तार इनोवा कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थीं कि बाइक सवार हवा में उछलने के बाद कार के शीशे पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद भागने की कोशिश कर रही कार को चालक सहित पकड़कर सूचना पर आई पुलिस के हवाले कर दिया गया। नेशनल हाइवे की एम्बुलेन्स द्वारा घायल को सीएचसी हैदरगढ़ पहुँचाया गया। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर उमंग वर्मा ने बताया घायल की स्थिति स्थिर है, फिर भी हेड इंजरी के चलते घायल को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया हैं।

सावन मेले की तैयारियों का कमिश्नर व आईजी ने किया निरीक्षण

लोधेश्वर महादेव मंदिर में किया जलाभिषेक व पूजन-अर्चन

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिले के पौराणिक धार्मिक स्थल श्री लोधेश्वर महादेव धाम में श्रावण माह मेले को लेकर मंगलवार शाम आयुक्त अयोध्या मण्डल श्री गौरव दयाल व आईजी श्री प्रवीण कुमार ने जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक श्री अर्पित विजयवर्गीय के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला क्षेत्र की समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बैरिकेडिंग, अभरण सरोवर सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर पहुँचकर उन्होंने सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा संबंधी तैयारियों की समीक्षा की।

लोधेश्वर महादेव मंदिर में किया जलाभिषेक

मंडलायुक्त और आईजी ने डीएम और एसपी सहित विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर जनमानस के कल्याण की मंगल कामना की। आईजी श्री प्रवीण कुमार ने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक और एडीशनल एसपी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच भी की और सख्त बैरिकेडिंग की आवश्यकता पर बल दिया।

मंडलायुक्त ने व्यवस्थाओं को सराहा, दिए यथा आवश्यक सुधारों के निर्देश

मंडलायुक्त श्री गौरव दयाल ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा श्रावण मेला के लिए बेहतरीन व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से मेला अच्छे ढंग से संचालित हो रहा है और आवश्यक सुधारों के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं।

लोधेश्वर धाम तक सुगम व व्यवस्थित पहुंच सुनिश्चित करेगा कॉरिडोर

मंडलायुक्त ने बताया कि लोधेश्वर महादेव मंदिर का प्रस्तावित कॉरिडोर भव्य और आकर्षक बनकर तैयार होगा। यह कॉरिडोर लोधेश्वर धाम तक सुगम व व्यवस्थित पहुँच सुनिश्चित करेगा। उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है और इसके पूरा होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

कॉरिडोर के निर्माण से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान एडिशनल एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, सीओ गरिमा पंत, एसडीएम रामनगर विवेकशील यादव, सीएमओ डॉ अवधेश कुमार यादव, तहसीलदार विपुल सिंह, थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडे, महादेवा चौकी प्रभारी संतोष त्रिपाठी, बीडीओ जितेंद्र कुमार सहित प्रशासनिक व पुलिस विभाग के कई अधिकारी और भारी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों ने दिया धरना, डीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। बांटो और राज करो की नीति, नही चलेगी, नही चलेगी, कर्मचारी पेंशनर्स एकता, लड़ेंगे और अधिकार लेंगे जैसे नारों के साथ सेवानिवृत्त कर्मचारी व पेंशनर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ नागरिकों ने गन्ना संस्थान में जोरदार धरना प्रदर्शन कर पेंशनर्स हितों की मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि सदर के नायब तहसीलदार को सौंपा। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बाबूलाल वर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने धरना दिया। एसोसिएशन ने सरकार से मांग किया कि वित्त विधेयक 2025 के माध्यम से पेंशनरी नियमो में किये गए बदलावों को तुरंत निरस्त करने, आठवें वेतन आयोग का गठन करने, पेन्शन पुनरीक्षण सहित प्राथमिक विद्यालयों के मर्ज न करने, पेंशन राशिकरण कटौती 15 वर्ष से घटाकर 10 वर्ष करने, पेंशनर्स का 18 माह का डीए, एरियर भुगतान करने व पुरानी पेंशन को बहाल करने जैसी सात सूत्रीय मांगों को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन किया। समर्थन में माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एसपी सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष पवन कुमार वर्मा, सहित कई कर्मचारी संगठनों ने भी धरना स्थल पर बैठकर समर्थन दिया, जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में नायब तहसीलदार सदर ने धरना स्थल पर आकर ज्ञापन लिया। इस मौके पर एसोसिएशन के महामंत्री अशोक सोनी, डॉ ओम प्रकाश वर्मा, उपाध्यक्ष सर्वजीत यादव, सदस्य कार्यकारिणी सुरेंद्र कुमार वर्मा, मुन्नी सिंह, महिला प्रकोष्ठ माती से जगत नारायण, हैदरगढ़ से रामयज्ञ सरोज, मोहम्मद रजा खान आदि लोगों ने सम्बोधित किया।

कांग्रेस की ब्लाक स्तर पर बैठक आयोजित

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। निन्दूरा फतेहपुर में संगठन सृजन अभियान 2025 ब्लाक स्तर पर एक बैठक का अयोजन किया गया। जिसमें बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन के साथ निन्दूरा ब्लाक अध्यक्ष आमिर अय्यूब किदवई एवं फतेहपुर ब्लाक अध्यक्ष विजय बहादुर वर्मा के आयोजन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन जी ने कहा कि, सत्य क्षणिक परेशान हो सकता है लेकिन पराजित कदापि नही हुआ है। आज नही तो कल यही समाज कांग्रेस पार्टी को सत्तासीन करेगी। जिस प्रकार संगठन सृजन अभियान के अर्न्तगत कार्यकर्ता व पदाधिकारियों एवं आम वोटरों में जो हर्ष उल्लास एवं उत्साह दिख रहा है उससे यह प्रतीत हो रहा है कि, अब हम लोग मंजिल से ज्यादा दूर नही है लेकिन इसका मतलब यह नही है कि, कार्यकर्ता वा पदाधिकारी संघर्ष को वीराम दे दें। हम कार्यकर्ताओं को और भी कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और वर्तमान सरकार की कथनी और करनी के बारे में आम जनमानस तक पहुंचाना होगा। वर्तमान सरकार में जिस प्रकार चोरी, हत्याऐं व महिलाओं के साथ अपराध किया जा रहा है उससे आम जनमानस काफी तृस्त व परेशान है लेकिन वह सत्ता की हिटलरशाही से भयभीत भी है। साथ ही साथ आम जनमानस को यह भी आभास है कि, लोकतन्त्र में हमी लोगों को सत्तासीन व सत्ताविहीन करने का अधिकार आम जनमानस के पास है यह अधिकार हमें संविधान देता है। इस मौके पर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष, राम हरख रावत ने कहा कि, किसी भी संगठन या समूह की ताकत उसके कार्यकर्ता वा सदस्यगण ही होता है। कोई भी संगठन अगर जीवित होता है तो उसको आक्सीजन कार्यकर्ताओं के ही द्वारा दी जाती है। और अगर संगठन में किसी भी कार्यकर्ता के साथ अन्याय होता है तो उस संगठन का मुखिया का कर्तव्य बनता है कि, उसकी समीक्षा हो और अभिभावक के रूप में पूर्व सांसद पी0एल0 पुनिया की पैनी नजर संगठन पर बनी रहती है एवं सबके दुःख सुख में वह हमेशा शरीक होते हैं। बैठक में मुख्य रूप से आदर्श पटेल, विजय बहादुर वर्मा, उर्मिला पटेल, इन्द्रेश वर्मा, रामकुमार लोधी, मास्टर अहमद सईद, प्रमोद वर्मा, सुग्रीव कुमार वर्मा, हरिहर सिंह, प्रमोद कुमार वर्मा, गुड्डू मियां, रमेश चन्द्र वर्मा, मास्टर राम लखन वर्मा, सुरेश कुमार वर्मा, विजय कुमार वर्मा, जयकरन यादव, अतुल कुमार वर्मा, हरीश वर्मा, अमित कुमार वर्मा, रमेश चन्द्र यादव आदि लोग उपस्थित थे।

दस किलो गांजे के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। गश्त के दौरान कार में अवैध गांजा ले जाते समय जैदपुर पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर 10 किलो अवैध गांजा बरामद किया। चारों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की गयी। ज्ञात हो कि दरोगा आलोक सिंह दरोगा सुरेंद्र सिंह व सहयोगी पुलिस के जवानों ने गश्त के दौरान सतरिख की ओर से आ रही चार पहिया को रोका तो जिसे धीमे गति में कर वाहन सवार भागने का प्रयास करने लगे पुलिस टीम में मौजूद जवानों ने दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया। वहीं चार पहिया वाहन यूपी 78 जी,वाई,2195 की तलाशी लेने पर डिगी में रखे 10 किलो, अवैध गांजा बरामद कर अंकुर कुमार पुत्र विपिन कुमार, उदय वर्मा पुत्र संत कुमार निवासी थाना काकादेव कानपुर,शाहिद अली पुत्र इस्लाम,नसीर आलम पुत्र निजामुद्दीन थाना कोठी जनपद बाराबंकी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की गयी। इस संबंध में? इस संवाददाता से वार्ता में दरोगा आलोक सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान काले रंग के चार पहिया वाहन को रोका गया जिसकी डिगी में दस किलो अवैध गांजा बरामद कर चार लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्यवाही की गयी है।

महिला आयोग की सदस्या ने सुनी समस्याएं

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। महिला उत्पीड़न के मामलों की रोकथाम एवं जनसुनवाई के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को तात्कालिक न्याय दिलाने के लिये कल उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अंजू प्रजापति जनपद पहुँची।

उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों के साथ डीआरडीए सभागार में पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना। इस दौरान उनको कुल 25 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हए। जिसका तात्कालिक समाधान कराने के लिए उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया।

अंजू प्रजापति ने महिलाओं एवं बालिकाओं की समस्याओं व शिकायतों को सुनते हुए कहा कि पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को तात्कालिक न्याय दिलाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। जिससे महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग किया जा सके और उन्हें सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों का भी दायित्व बनता है कि वे महिलाओं एवं बालिकाओं की छोटी-बड़ी शिकायतों को गम्भीरता से लें और कार्रवाई कर उन्हें त्वरित न्याय दिलाये।

जिससे समस्याओं से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को न्याय के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े और उनका मान-सम्मान प्रत्येक दशा में बना रहे। राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती अंजू प्रजापति ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी बहन-बेटियों के मान-सम्मान को बनाये रखने के लिए उनकी सुरक्षा के 1090, 181 का संचालन कर रही है। यदि कोई भी व्यक्ति किसी भी महिला एवं बालिका के मान-सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश करता है तो वह बेझिझक इन टोल फ्री नम्बरों का उपयोग कर शिकायत कर सकती हैं। यदि उनको समय से न्याय नहीं मिलता है तो वे राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज करा सकती है। ऐसे प्रकरणों पर निश्चित ही महिला आयोग समस्या से पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं को न्याय दिलाने का कार्य करेगा।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) इंद्रसेन, जिला प्रोबेशन अधिकारी, क्षेत्राधिकारी सुमित त्रिपाठी, बाल संरक्षण अधिकारी हरीश मोहन पांडेय, महिला थानाध्यक्ष व सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अस्पताल, सीएचसी, वृद्धाश्रम और आंगनबाड़ी केंद्र का किया औचक निरीक्षण, दिये निर्देश

राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती अंजू प्रजापति ने बाराबंकी पहुँचने पर जनसुनवायी से पहले सर्वप्रथम जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर वहाँ की स्थिति का जायज़ा लिया एवं वहाँ नवजात कन्याओं और उनकी माताओं को किट वितरित किया। इसके पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , कोठी का निरीक्षण किया । सदस्य ने अधीक्षक को साफ़ सफ़ाई हेतु निर्देशित किया । तत्पश्चात विकासखंड हरख में दो आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात सदस्या द्वारा वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया गया ।

चौपाल लगाकर सुनी महिलाओं की समस्याएं

जनसुनवायी के पश्चात सदस्या द्वारा विकासखंड हरख की ग्रामपंचायत नानमउ में ग्राम चौपाल में प्रतिभाग किया , जहाँ 20 महिलाओं ने अपनी समस्याओं से सदस्य को अवगत कराया ।

किसान नेताओं द्वारा जारी वीडियो बना चर्चा का विषय

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयता वादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर रामचंद्र सिंह व जिलाध्यक्ष विधि चंद यादव ने सोशल मीडिया पर वीडियो के माध्यम से अपना एक बयान जारी किया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब प्रसारित हो रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से जारी अपने बयान में कहा कि गत 9 जुलाई को लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे स्थित भिखरा गांव के पास एक होटल में खड़े पेट्रोल भरे टैंकर से चोरी करते हुए अचानक आग लग गई थी जिसमें बड़ी मात्रा में पेट्रोल के साथ टैंकर भी जल गया था। आगे कहाकि लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर कई जगहों पर काफी दिनों से पेट्रोल, डीजल, तारकोल की चोरियां सक्रिय गिरोह की ओर से की जा रही हैं। ठाकुर रामचंद्र सिंह ने आगे कहा कि टैंकर चालक व खलासी द्वारा टैंकर के ऊपरी ढक्कन खोल देने से टैंकर फटने से बच गया था। यदि ढक्कन न खोला जाता तो भीषण हादसा सामने आ सकता था जिसमें एक किलोमीटर की परिधि के सभी जीव जंतु पेड़ पौधे काल कवलित हो सकते थे।

भिखरा में पेट्रोल चोरी के संबंध में है बयान

उन्होंने आरोप लगाया कि हाईवे पर कई जगहों पर होने वाली इन चोरियों को लेकर हमारे संगठन द्वारा उप जिलाधिकारी हैदरगढ़, जिला पूर्ति अधिकारी बाराबंकी व पूर्ति निरीक्षक के संज्ञान में लाया गया परंतु कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हो इसलिए डीएम एसपी बाराबंकी से तत्काल मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित किये जाने की मांग करते हैं।

जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेल सकते थे जडेजा : कुंबले

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था। जडेजा के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कुंबले को इस मैच ने चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की याद दिला दी, जिसमें सचिन तेंदुलकर ने पीठ दर्द के बावजूद 136 रन की पारी खेली लेकिन भारतीय टीम को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक द्वारा जवागल श्रीनाथ का आउट होना सोमवार को सिराज के स्टंप्स की गिल्लियों को गिराने वाली गेंद के समान था।

चेन्नई में जनवरी 1999 में खेले गए उस टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा रहे कुंबले ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, ''मुझे इस मैच को देखकर चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया, जिसमें हम 12 रन से हार गये थे। (सिराज का आउट होना) कुछ वैसा ही था। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी। जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। मेरा मतलब है, वह भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती।'' जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था।

कुंबले ने कहा, ''उन्हें उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिए थे जिसके खिलाफ वह आक्रामक रुख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स , जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर है लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी।'' उन्होंने कहा, ''अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिए था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिए थे।''

कुंबले ने जडेजा की नाबाद 61 रन की जुझारू पारी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 170 रन पहुंचा कर लगभग चमत्कार कर दिया था। कुंबले ने कहा, ''वह पूरे समय बेहतरीन रहे। वह दिन के छठे ओवर में ही बल्लेबाजी के लिए आ गये थे और आखिर तक नाबाद रहे। बुमराह और सिराज के साथ 82 पर 7 विकेट गिरने के बाद स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी बल्लेबाजी देखकर टीम के अन्य बल्लेबाज खुद के प्रदर्शन से निराश होंगे। भारत को दोनों पारियों में लगभग 65 अतिरिक्त रन देना भी भारी पड़ा। यह चर्चा का एक बड़ा विषय होगा।''

कुंबले ने कहा कि जोफ्रा आर्चर की गेंद कंधे पर लगने से सिराज थोड़े असहज हो गये और उनका ध्यान थोड़ा भंग हो गया। उन्होंने कहा, ''सिराज की गेंदबाजों पर हावी होने की कोई योजना नहीं थी लेकिन उनके आस-पास क्षेत्ररक्षकों के जमावड़े से वह थोड़े दबाव में आ गये। मुझे लगा कि यह एक ऐतिहासिक जीत हासिल करने का शानदार मौका था।'' कुंबले ने लॉर्ड्स टेस्ट को 'टेस्ट क्रिकेट का शानदार प्रचार' करार दिया। उन्होंने आगे कहा, ''तीनों टेस्ट मैच बेहद रोमांचक रहे और दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम सीरीज में 2-1 से आगे है लेकिन अगर आप हर सत्र के प्रदर्शन को देखें तो यह बराबरी मुकाबला रहा है।''

भारत ए पुरुष हॉकी टीम की लगातार दूसरी हार, इंग्लैंड ने 3-2 से दी मात

नई दिल्ली। भारत ए पुरुष हॉकी टीम को मंगलवार को यूरोपीय दौरे में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को इंग्लैंड ने 3-2 से पराजित कर दिया। कड़े मुकाबले में भारत ए के लिए मनिंदर सिंह और उत्तम सिंह ने गोल किए। भारतीय कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा कि हमें दौरे में शुरुआत में लगातार तीन जीत मिली और अब लगातार दो मैचों में कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। हमें पता है कि जैसे-जैसे दौरा आगे बढ़ेगा प्रतिस्पर्धा कड़ी होगी। अभी दो मजबूत टीमों के साथ तीन मैच और खेलने हैं। बृहस्पतिवार को एंटवर्प में बेल्जियम से खेलना है उसके बाद टीम एंडोवेन में नीदरलैंड से 18 और 20 जुलाई को मैच खेलेगी।

लॉर्ड्स में भारत की हार पर गांगुली ने बयां किया कड़वा सच

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत की हार पर निराशा व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि इस टीम में असाधारण प्रतिभा होने के बावजूद उसे गलत नतीजे का सामना करना पड़ा। गांगुली का मानना है कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का बेहतर प्रदर्शन भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में बढ़त दिला देता। भारतीय टीम तीसरे टेस्ट में जीत के लिए 193 रन का पीछा करते हुए लक्ष्य से 22 रन दूर रह गई। इस हार के साथ ही टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ गई।

हाहाकार : वेस्टइंडीज 27 रन पर ऑल आउट

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज- ऑस्ट्रेलिया के बीच किंग्सटन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में तब हाहाकार मच गया, जब पूरी टीम सिर्फ 27 रन पर ऑल आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की धारदार गेंदबाजी ने मेजबानों के ऐसे पांव उखाड़े कि उनके लिए अपनी ही जमीन के 22 गज के एरिया में टिके रहना मुश्किल हो गया. वेस्टइंडीज की टीम अपनी दूसरी पारी में ताश के पत्तों की तरह बिखर गई. नतीजा, ये हुआ कि टेस्ट क्रिकेट में उन्हें अपने सबसे छोटे टोटल से दो-चार होना पड़ा. अब जब सबसे छोटा स्कोर बनाया तो सदियों पुराना रिकॉर्ड टूटता और वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटने से बाल-बाल बचता भी दिखा।

ऑस्ट्रेलिया ने किंग्सटन टेस्ट जीतने के लिए वेस्टइंडीज के सामने 204 रन का लक्ष्य रखा था. मगर किसी को क्या पता था कि इस लक्ष्य के आगे वो ऐसे घुटने टेकेगी कि टेस्ट क्रिकेट का इतिहास ही उलट-पुलट हो जाएगा. वेस्टइंडीज के स्कोर बोर्ड पर पहले रन नहीं लगे, उसके विकेटों का खाता खुल गया. सिर्फ जीरो के स्कोर पर टीम ने अपने 3 विकेट गंवा दिए. ये तीनों विकेट एक ही ओवर में गिरे. 5वें ओवर में जाकर टीम को 2 और झटके लगे. जबकि छठे ओवर में तो आधी टीम पवेलियन में बैठी दिखी. इस वक्त तक वेस्टइंडीज के स्कोर बोर्ड ने मुश्किल से दहाई के आंकड़े को पार ही किया था। अब जब टॉप के 6 बल्लेबाज कुछ नहीं कर पाए तो नीचले क्रम से उम्मीद का दामन पालना बेईमानी ही थी. देखते ही देखते ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के आगे उन्होंने भी सरेंडर कर दिया. और, इस तरह से वेस्टइंडीज ने टेस्ट क्रिकेट में अपने सबसे छोटे स्कोर की स्क्रिप्ट लिखी. इससे पहले उसका सबसे छोटा स्कोर 47 रन का था, जो उसने 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले टेस्ट में बनाया था। अब वेस्टइंडीज ने तो टेस्ट में अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया मगर साथ में 129 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा. दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 27 रन पर ऑल आउट होकर वेस्टइंडीज ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का दूसरा सबसे लोएस्ट स्कोर बनाया. इस तरह उसने 1896 में साउथ अफ्रीका के इंग्लैंड के खिलाफ बनाए 30 रन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। टेस्ट क्रिकेट में सबसे लोएस्ट टोटल का वर्ल्ड रिकॉर्ड 26 रन का है, जो न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ 70 साल पहले यानी 1955 में खेले टेस्ट मैच में बनाए थे. मतलब, वेस्टइंडीज के हाथों वर्ल्ड रिकॉर्ड भी टूटने से बाल-बाल ही बचा है।

वहीं 100वां टेस्ट खेलने वाले मिचेल स्टार्क ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में छह विकेट झटके। उन्होंने अपने पहले स्पैल में 15 गेंदों के अंदर पांच विकेट निकाल लिए। इसी के साथ उन्होंने 78 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। वहीं, स्कॉट बोलैंड ने भी हैट्रिक ली और ग्लेन मैक्ग्रा और पीटर सिडन जैसे दिग्गज गेंदबाजों की सूची में जगह बनाई।

लंदन में किंग चार्ल्स तृतीय से मिलीं भारतीय पुरुष और महिला टीमें

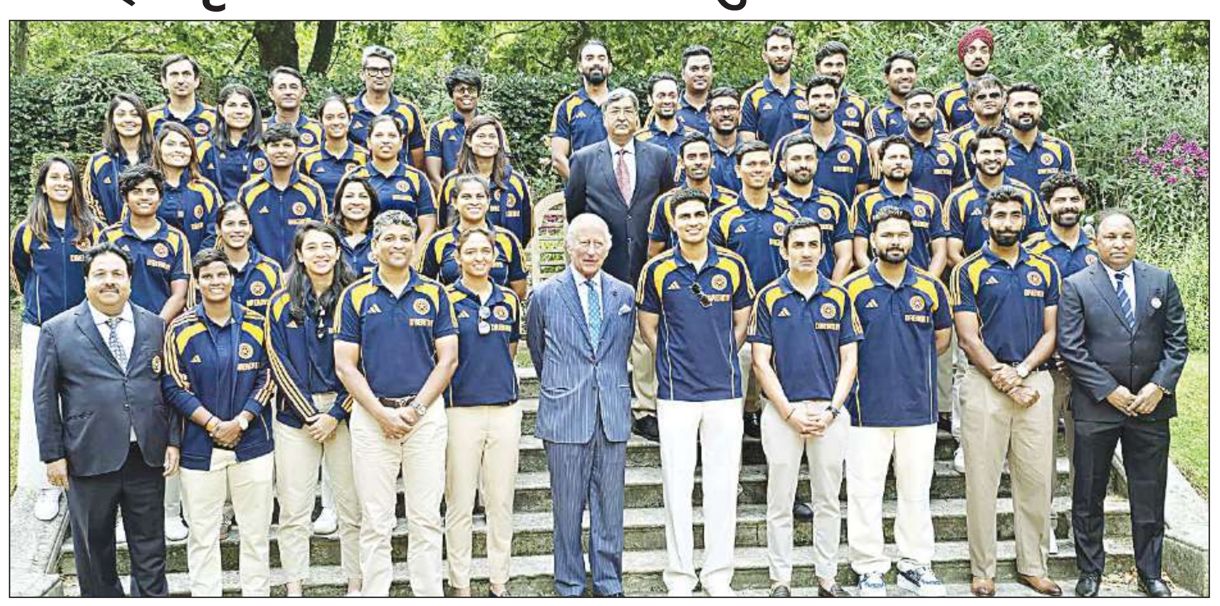

नई दिल्ली। भारत की पुरुष और महिला टीमें इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर हैं। एक तरफ जहां शुभमन गिल के नेतृत्व में पुरुष टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली रही है तो दूसरी तरफ हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली महिला टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है। इससे पहले टीम ने इंग्लैंड को पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-2 से मात दी थी। मंगलवार को दोनों टीमों ने किंग चार्ल्स तृतीय से लंदन स्थित सेंट जेम्स पैलेस में मुलाकात की।

किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात पर टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने कहा, किंग चार्ल्स तृतीय से मिलकर बहुत अच्छा लगा और उन्होंने हमें फोन करके बहुत ही उदारता दिखाई। हमारी बातचीत काफी अच्छी रही। किंग चार्ल्स तृतीय ने हमें बताया कि पिछले टेस्ट मैच में जिस तरह से हमारा आखिरी बल्लेबाज आउट हुआ, वह काफी दुर्भाग्यपूर्ण था, गेंद स्टंप्स पर लग रही थी... हमने उनसे कहा कि यह हमारे लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण मैच था और इसका नतीजा किसी भी तरफ जा सकता था। उम्मीद है कि अगले दोनों मैचों में हमारी किस्मत अच्छी रहेगी। किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात पर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, यह बहुत ऐतिहासिक मौका था...बहुत अच्छी मुलाकात हुई और खिलाड़ी भी बहुत खुश हैं...मैंने देखा कि उनके अंदर बहुत विनम्रता है। टीम उनसे मिलकर बहुत खुश है...उन्होंने कल के मैच के बारे में भी चर्चा की...मैं यह मानता हूं कि हमारी टीम टक्कर की है...यह बहुत अच्छी टीम है। शुभमन गिल की कप्तानी पर उन्होंने कहा, शुभमन गिल ने अपने आप को कप्तान के रूप में स्थापित कर लिया है।

गिरावट के बाद हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 317 अंक चढ़ा, निफ्टी 25100 के पार

नई दिल्ली। चार दिनों की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलावर को हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। खुदरा मुद्रास्फीति के छह साल से अधिक के निचले स्तर पर आने और आरबीआई के संतोषजनक स्तर के करीब पहुंचने के बीच वाहन और औषधि कंपनियों के शेयरों में भारी खरीदारी हुई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स में 317 अंक की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 317.45 अंक या 0.39 प्रतिशत उछलकर 82,570.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 490.16 अंक या 0.59 प्रतिशत बढ़कर 82,743.62 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 113.50 अंक या 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,195.80 पर आ गया। पिछले चार कारोबारी दिनों में सेंसेक्स में 1,459.05 अंक या 1.74 प्रतिशत और निफ्टी में 440 अंक या 1.72 प्रतिशत की गिरावट आई।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस प्रमुख लाभ में रहीं। हालांकि, एचसीएल टेक में 3.31 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि आईटी सेवा कंपनी ने जून तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 9.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। इटरनल, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक भी पिछड़ गए।

खुदरा मुद्रास्फीति घटकर छह साल के निचले स्तर पर पहुंचा

व्यापक मानसून के कारण सब्जियों सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति जून में घटकर छह साल के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर आ गई। यह आरबीआई के सहज स्तर के करीब है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82 प्रतिशत और जून 2024 में 5.08 प्रतिशत थी। नवंबर 2024 से

मुद्रास्फीति में गिरावट जारी है।

वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों का बाजार पर पड़ रहा असर

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों के मिश्रण से बाजार की धारणा में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते की संभावना को लेकर आशावाद बढ़ रहा है। इससे टैरिफ-संबंधी जोखिमों में कमी आ सकती है। इसके साथ ही, घरेलू मुद्रास्फीति कई वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है, जिससे आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। इससे भविष्य में आर्थिक वृद्धि में तेजी आने की संभावना है।

यूरोपीय बाजारों में हुई बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

मिआ बाए तनिष्क: मिआ बाए तनिष्क ने अपने ग्राहकों के लिए एक आकर्षक ऑफर पेश किया है, जिसमें चुनिंदा डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्जेस पर 100प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। यह ऑफर 3 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक वैध है। इस ऑफर में 1 आभूषण की खरीदारी पर मेकिंग चार्जेस पर 30प्रतिशत की छूट, 2 आभूषणों की खरीदारी पर मेकिंग चार्जेस पर 50त्न की छूट और 3 आभूषणों की खरीदारी पर मेकिंग चार्जेस पर 100प्रतिशत छूट मिलेगी। इसके अलावा, पुराने सोने के एक्सचेंज पर 100त्न तक मूल्य मिल सकता है।

चांदी 3000 रुपये टूटी, सोना भी 200 रुपये लुढ़का

नई दिल्ली। स्टॉकिस्टों की ताजा बिकवाली के कारण सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई। मंगलवार को राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 200 रुपये की गिरावट के साथ 99,370 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 200 रुपए घटकर 98,800 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। वहीं चांदी की कीमत 3,000 रुपये गिरकर 1,12,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। मेहता इक्विटीज के कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा कि सोने और चांदी में दिन के दौरान तेज उतार-चढ़ाव देखा गया। शुरुआत में इनमें तेजी आई लेकिन बाद में अमेरिकी डॉलर सूचकांक में तेजी आने के कारण ये अपने उच्चतम स्तर से नीचे आ गए। कलांत्री ने कहा कि निवेशकों ने दिन में जारी होने वाले महत्वपूर्ण अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों से पहले मुनाफावसूली का विकल्प चुना, जिससे सर्राफा कीमतों की दिशा का पता चल सके। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 20.62 डॉलर या 0.62 प्रतिशत बढ़कर 3,364.14 डॉलर प्रति औंस हो गया। अबांस फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिंतन मेहता ने कहा कि भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव बढ़ने के बावजूद सोना सीमित दायरे में बना हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मेक्सिको और यूरोपीय संघ से आयात पर 30 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद सुरक्षित निवेश की मांग में मामूली तेजी आई है, हालांकि बातचीत की उम्मीदों ने तेज बढ़त को सीमित कर दिया है।

एसएईएल: एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपनी सब्सिडियरी एसएईएल सोलर पी6 प्राइवेट लिमिटेड के ज़रिए, यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (वायईआईडीए) के तहत एक इंटीग्रेटेड सोलर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने के लिए करीब ?8,200 करोड़ का निवेश करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के को-फाउंडर एवं डायरेक्टर श्री सुखबीर सिंह आवला को इस सौर परियोजना के लिए लेटर ऑफ कम्फर्ट प्रदान किया। ग्रेटर नोएडा में बनने वाली इस फैसिलिटी में 5 जीडब्ल्यू का सोलर सेल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और 5 जीडब्ल्यू की सोलर मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग लाइन होगी। इस प्रोजेक्ट के ऑपरेशनल होने के बाद, एसएईएल की कुल सोलर मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़कर 8.5 जीडब्ल्यू हो जाएगी।

आरबीआई ने औद्योगिक परिदृश्य का तिमाही सर्वेक्षण शुरू किया

नई दिल्ली। कारोबारी धारणा का आकलन करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने विनिर्माण क्षेत्र का तिमाही औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण शुरू किया है। केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही आरबीआई ने तीन महीने के अंतराल पर होने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर आउटलुक सर्वेक्षण का 46वां दौर भी शुरू कर दिया है। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के त्रैमासिक आईओएस के 111वें दौर में मांग की स्थिति, वित्तीय स्थिति, रोजगार की स्थिति और मूल्य स्थिति से संबंधित संकेतकों के एक सेट पर प्रतिक्रियाओं के आधार पर, चालू तिमाही के लिए व्यावसायिक भावनाओं और आगामी तिमाही के लिए अपेक्षाओं का आकलन किया जाएगा। आरबीआई ने कहा कि एसआईओएस के 46वें दौर में भारत में सेवा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की चुनिंदा कंपनियों की चालू तिमाही के लिए कारोबारी स्थिति का आकलन किया जाएगा। इसके साथ ही मांग की स्थिति, वित्तीय स्थिति, रोजगार की स्थिति और मूल्य स्थिति से संबंधित संकेतकों पर प्रतिक्रियाओं के आधार पर आगामी तिमाही के लिए उनकी अपेक्षाओं का आकलन किया जाएगा।

आई-पॉप गर्ल ग्रुप विश: आई-पॉप गर्ल ग्रुप विश ने अपने नए गाने बोलो बोलो के साथ धमाकेदार वापसी की है, जिसमें उन्होंने उभरते हुए रैपर पैंथर के साथ काम किया है। यह गाना एक दमदार अफ्रो-देसी फ्यूजन है, जिसमें जोशीले बीट्स, दमदार आवाज़ें और बेबाक अंदाज़ देखने को मिलता है। बोलो बोलो एक जोश से भरपूर गाना है, जिसमें इमोशन है, टकराव है और जश्न है। इस गाने में शानदार फैशन, लोगों को झूमने पर मजबूर करने वाले बेहतरीन डांस स्टेप्स और खुद मिकी मैक्लियरी का एक खास सरप्राइज़ कैमियो है। विश ने बताया कि यह गाना उसी उफ्फ, अब तो बोल ही दो! वाले मूड से आया है, जबकि पैंथर ने कहा कि इस गाने में एक मस्त और मज़ेदार एनर्जी है, जिसने उन्हें शुरू से ही अपनी ओर खींचा है।

विदेशी बाजारों में दाम मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेल की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। खाद्यतेलों, खासकर सोयाबीन और सूरजमुखी तेल जैसे सॉफ्ट (नरम) खाद्यतेलों के कम आयात और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की वजह से आपूर्ति प्रभावित होने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल के साथ बिनौला तेल कीमतों में सुधार देखने को मिला। दूसरी तरफ विदेशों में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन में गिरावट रही। सामान्य कारोबार के बीच सरसों, मूंगफली तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतें पूर्व-स्तर पर बंद हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि खपत बढ़ने पर पिछले साल की तरह खाद्यतेलों का आयात भी बढ़ना चाहिए था। नवंबर-दिसंबर, 2022 के दौरान 31,11,669 टन (खाद्य एवं अखाद्य) तेलों का आयात हुआ था जो नवंबर-दिसंबर, 2023 में 21 प्रतिशत घटकर 24,72,276 टन रह गया। पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति की वजह से आपूर्ति प्रभावित होने की भी आशंका है और देश के बंदरगाहों पर सोयाबीन तेल आने में 40-45 दिन लगते हैं। ऐसी परिस्थिति में विदेशों में खाद्यतेलों के दाम मंदा होने के बावजूद देश के बाजारों पर कोई असर नहीं पड़ा। यह दर्शाता है कि आयात कम होने की वजह से देश में खाद्यतेलों का स्टॉक कम है। सूरजमुखी, सोयाबीन जैसे खाद्यतेलों की आपूर्ति कम है। आगे जाड़े के साथ शादी-विवाह के मौसम की मांग भी बढ़ने वाली है। ऐसे में खाद्यतेलों की आपूर्ति की दिक्कत बढ़ सकती है। इस तरफ ध्यान दिए जाने की जरूरत है। यह स्थिति देशी तेल तिलहन का उत्पादन बढ़ाने की भी जरुरत को रेखांकित करता है। देश की एक प्रमुख तेल कंपनी पामोलीन तेल के 770 ग्राम का पाउच (थैली) 85 रुपये के अधिकतम खुदरा मूल्य पर बेच रही है। इसके हिसाब से पामोलीन तेल का भाव 120 रुपये प्रति किलो बैठता है। जबकि पामोलीन का आयात भाव 85 रुपये प्रति किलो ही है। पामोलीन तेल गरीब लोग ज्यादा उपयोग करते हैं और वे इस बढ़ी लागत का बोझ उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

एचएफसीएल की साझेदारी: एचएफसीएल ने दिल्ली विश्वविद्यालय, इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी दिल्ली) और केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित अकादमिक संस्थानों के साथ साझेदारी की है ताकि उन्हें अत्याधुनिक कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस प्रदान किए जा सकें। एचएफसीएल के उन्नत नेटवर्किंग सॉल्यूशंस इन कैंपस को आधुनिक शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद कर रहे हैं। इन सॉल्यूशंस में हाई-स्पीड वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट, केंद्रीयकृत हार्डवेयर कंट्रोलर और एडवांस्ड सिक्युरिटी सिस्टम्स शामिल हैं। इन सॉल्यूशंस के परिणामस्वरूप, आईआईआईटी दिल्ली में 16,000 से अधिक यूज़र्स ने दो दिवसीय आयोजन में निर्बाध रूप से उच्च निष्पादन वाली कनेक्टिविटी का उपयोग किया। केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय में कनेक्टिविटी अंतर को खत्म किया गया और दिल्ली विश्वविद्यालय में डिजिटल ढांचे का आधुनिकीकरण किया गया।

बेरोजगारी दर में बदलाव नहीं, 5.6 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहा आंकड़ा

नई दिल्ली। देश में बेरोजगारी दर इस साल मई की तुलना में जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर रही। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों से इसकी पुष्टि हुई। इस वर्ष अप्रैल में, सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की वास्तविक समय पर निगरानी करने के प्रयासों के तहत पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया। वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्र किए गए नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि 2025 में जून और मई के दौरान सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (यूआर) 5.6 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही, जो इस वर्ष अप्रैल में 5.1 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है। जून 2025 में महिलाओं और पुरुषों में बेरोजगारी की दर देश स्तर पर 5.6 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही। महिलाओं के लिए यूआर पिछले महीने घटकर 5.6 प्रतिशत रह गई, जबकि इस वर्ष मई में यह 5.8 प्रतिशत थी। देश भर में 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर मई 2025 में 15 प्रतिशत से बढ़कर जून में 15.3 प्रतिशत हो गई। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर जून में बढ़कर 18.8 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 17.9 प्रतिशत थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर आलोच्य महीने में 13.8 प्रतिशत थी, जो पिछले महीने 13.7 प्रतिशत थी।

नवीन पेशकश: द भूतनी का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर 18 जुलाई को जी5 और जी सिनेमा पर। जिसमें संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह और पलक तिवारी हैं। कहानी दिल्ली के सेंट विंसेंट कॉलेज के भूतिया परिसर के इर्द-गिर्द घूमती है, जहाँ एक पुराना भूत और एक शापित पेड़ हर वेलेंटाइन डे पर कहर ढाते हैं। संजय दत्त ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म को देखकर आनंद लेंगे। मौनी रॉय ने कहा कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए एक यादगार अनुभव था। बिजनेस हेड कावेरी दास ने कहा कि फिल्में उनकी पेशकश में विविधता लाने में मदद करेंगी।

पेटीएम फाउंडेशन: पेटीएम फाउंडेशन ने कानपुर कैंटोनमेंट बोर्ड अस्पताल को 100 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) ऑक्सीजन प्लांट दान किया है, जो उन रोगियों की सहायता करेगा जिन्हें ऑक्सीजन-आधारित उपचार की आवश्यकता है। ऑक्सीजन प्लांट का औपचारिक उद्घाटन श्री रमेश अवस्थी, माननीय सांसद, कानपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर ब्रिगेडियर साबरुल हसन, स्टेशन कमांडेंट और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पेटीएम फाउंडेशन के प्रवक्ता ने कहा कि वे स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और अस्पतालों को महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कानपुर कैंटोनमेंट बोर्ड के साथ सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

पीडब्ल्यूडी विभाग के सुस्ती की वजह से सड़क चौड़ीकरण कार्य प्रभावित

निर्माणधीन सड़क गड्ढे में तब्दील, सड़क चौड़ीकरण कार्य में बाधा बन रहा अतिक्रमण नहीं हटवा सका विभाग

चुनार (मिर्जापुर)। नगर के पक्का पूल बालूघाट मार्ग के प्रस्तावित चौड़ीकरण में बाधा बन रहे अतिक्रमण को हटाने में सुस्त पड़े लोक निर्माण विभाग के

दो माह से नाप जोख का किया जा रहा है दावा

अधिकारी एक बार पुनः फीता लेकर सड़क का नाप जोक करते दिखाई देने लगे। बताते चले कि पक्का पूल से भरपूर तिराहा तक सवा किलो मीटर सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रस्तावित है। जिसपर एक माह पूर्व लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता आर पी चौरसिया व जेई अमर नाथ व नगर पालिका की संयुक्त टीम ने चिन्हित स्थानों पर अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू किया लेकिन पूरा चिन्हित अतिक्रमण नहीं हटवा सके। ठेकेदार द्वारा आनन फानन में सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू भी कर दिया गया और बारिश होने लगा।जिससे सड़क में बड़े बड़े गड्ढे हो गए जिसका खामियाजा बालूघाट से गुजर रहे अन्य राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। जिले कि सांसद व केंद्रीय रसायन उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के समीक्षा के बाद एक बार फिर मंगलवार को लोक निर्माण विभाग के एई व जेई फीता लेकर सड़क को नाप जोख करते दिखाई दिए। इस दौरान चुनार किला ढाल पर चिन्हांकन कर नापजोख की गई। विभागीय टीम में पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता आरपी चौरसिया और जेई अमरनाथ शामिल रहे। चिन्हांकन के दौरान विद्युत विभाग के ठेकेदार को रास्ते में बाधक बने करीब दर्जनों बिजली खंभों को जल्द हटाने के निर्देश दिए गए। वहीं, किला मैदान से ढाल तक नाली निर्माण के लिए भी ठेकेदार को कार्य आरंभ करने को कहा गया। गंगा पुल से भरपुर तिराहा और किला चढ़ान तक सवा किलोमीटर लंबे इस मार्ग की

हालत काफी जर्जर व ध्वस्त हो चुकी है। जगह-जगह बड़े बड़े गड्ढे, जलभराव और टूटी पटरी के कारण राहगीरों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है । लोक निर्माण विभाग द्वारा चौड़ीकरण के लिए टेंडर काफी पहले हो चुका था। लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा चिन्हित स्थानों से अतिक्रमण हटाने में लापरवाही बरतने कि वजह से सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। जिसका खामियाजा स्थानीय सहित दूर दराज अन्य शहरों से आने जाने वाले अन्य राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है।

गड़बड़ा धाम सेवटी नदी का रपटा क्षतिग्रस्त, भक्तों को हो रही परेशानी

हलिया (मिर्ज़ापुर)। हलिया क्षेत्र गड़बड़ा धाम शीतला धाम को जाने वाले सेवटी नदी पर स्थित जिला पंचायत द्वारा निर्मित रपटा क्षतिग्रस्त होने से दर्शन पूजन के लिए आने वाले भक्तो को काफ़ी परेशानियों का समाना करना पड़ रहा है। मंगलवार को दर्शन पूजन के लिए कार से पहुँचे वन विभाग के दरोगा सूरज पाण्डेय ने बताया की कार से गड़बड़ा धाम दर्शन पूजन के लिए आया था की रपटा क्षतिग्रस्त होने से मेरी कार फंस गई काफ़ी प्रयास के बाद कार किसी तरह से रपटा से निकल पाई। स्थानीय निवासी मंगलधारी मिश्र, ज्ञानेश्वर दुबे, कृष्णा दुबेआदि ने बताया है की सेवटी नदी पर जिला पंचायत द्वारा बनाया गया रपटा क्षतिग्रस्त होने से दर्शन पूजन के लिए आने वाले भक्तो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रसत रपटे की मरम्मत कार्य कराने की मांग किया है जिससे लोगो को असुविधाओ का सामना ना करना पड़े प्रत्येक सोमवार को गड़बड़ा धाम में भक्तों कि काफ़ी भीड़ दर्शन पूजन के लिए आती है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मोहम्मदी-खीरी

पत्रांकः 248/न0पा0प0मो0/नामान्तरण/आपत्ति आमंत्रण/2025-26 दिनांक 12.07.2025

नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, गोहग्गदी खीरी अपनी कर निर्धारण सूची में पंजीकृत विक्रयपत्र/पंजीकृत वसीयत/पंजीकृत दानपत्र/वरासत के आधार पर नागान्तरण/परिवर्तन करना चाहती है। अतः नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 (2) के अन्तर्गत प्रस्तावित परिवर्तन से जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वह व्यक्ति अपनी लिखित आपत्ति मय पुष्ट साक्ष्यो के इस प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर नगर पालिका परिषद, मोहम्मदी में प्रस्तुत कर सकता है निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेगा और तद्नुसार परिवर्तन/नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी। विवरण निम्नवत है –

क्र. सं.	महोल्ला	वार्ड सं0	भूमि/भवन का विवरण	वर्तमान में दर्ज सम्पत्ति के स्वामी/विक्रेता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन/नामान्तरण के स्वामी का नाम	आधार
1	बाजार गंज	2	भू–भाग	रामाधार यादव पुत्र अनन्तराम	मेघा रस्तोगी पुत्री विनय रस्तोगी पत्नी अर्पित रस्तोगी	पंजी0 विक्रयपत्र
2	बाजार गंज	2	भू–भाग	रणजीत सिंह पुत्र संतोष सिंह	सुखविन्दर सिंह, हरजिन्दर सिंह पुत्रगण सुच्चा सिंह	पंजी0 विक्रयपत्र
3	बाजार गंज	2	भू–भाग	शिवानी पत्नी शिवराम सिंह	मीरा गुप्ता पत्नी कैलाश नाथ गुप्ता	पंजी0 विक्रयपत्र
4	बाजार गंज	2	भू–भाग	जन्त्री देवी पत्नी राम दयाल	शैलेन्द्र कुमार पुत्र मुन्ना लाल	पंजी0 विक्रयपत्र
5	बाजार गंज	2	भू–भाग	हरजिन्दर सिंह पुत्र गुरुवचन सिंह	अमनदीप सिंह पुत्र वलवीर सिंह व हरजोत सिंह पुत्र वलवीर सिंह	पंजी0 विक्रयपत्र
6	इस्लामाबाद	4	भू–भाग	पुष्पा देवी पत्नी प्यारे लाल	प्रमोद सिंह पुत्र रामपाल सिंह गीता देवी पत्नी प्रमोद सिंह	पंजी0 विक्रयपत्र
7	इस्लामाबाद	4	भू–भाग	अनादि शर्मा पुत्र राजेश कुमार शर्मा	सुनीता वर्मा पत्नी सुरेन्द्र कुमार वर्मा	पंजी0 विक्रयपत्र
8	भीतर मोहम्मदी	8	भू–भाग	विद्यावती देवी पत्नी लाल वहादुर सिंह यादव	पी०डी० भारतीय इण्टर कालेज मोहम्मदी खीरी द्वारा प्रबन्धक जगदीश चन्द्र गुप्ता पुत्र राम गुलाम गुप्ता	पंजी0 विक्रयपत्र
9	भीतर मोहम्मदी	8	भू–भाग	लियाकत अली पुत्र सखावत अली	पी०डी० भारतीय इण्टर कालेज मोहम्मदी खीरी द्वारा प्रबन्धक जगदीश चन्द्र गुप्ता पुत्र राम गुलाम गुप्ता	पंजी0 विक्रयपत्र
10	भीतर मोहम्मदी	8	भू–भाग	सन्तोष श्रीवास्तव पुत्र रामेश्वर दयाल श्रीवास्वत	स्नेहा देवी पत्नी अभिषेक पाण्डेय	पंजी0 विक्रयपत्र
11	सरैया	9	मकान	रूबीना वेगम पत्नी याकूब अली	शकील पुत्र मनाउल्ला	पंजी0 विक्रयपत्र
12	सरैया	9	भू–भाग	निशात सुल्ताना पत्नी जमाल अहमद	शाहनवाज आलम, अफजल आलम पुत्रगण शाने आलम	पंजी0 विक्रयपत्र
13	सरैया	10	भू–भाग	मनजीत कौर पत्नी बल्देव सिंह	विकास चक्रवर्ती पुत्र कृष्णपद चक्रवर्ती	पंजी0 विक्रयपत्र
14	पूर्वी लखपेड़ा	10	भू–भाग	लक्ष्मन पुत्र रामस्वरूप	निवेदिता गुप्ता पत्नी हिमानु गुप्ता	पंजी0 विक्रयपत्र
15	पूर्वी लखपेड़ा	10	भू–भाग	राकेश कुमार पुत्र दाताराम	रामजी पुत्र ओमकार	पंजी0 विक्रयपत्र
16	पूर्वी लखपेड़ा	10	भू–भाग	लक्ष्मीकान्त वर्मा व सुनील कुमार वर्मा पुत्रगण खेमकरन लाल वर्मा	नरेन्द्र कुमार वर्मा पुत्र खेम करन लाल	दान पत्र
17	पूर्वी लखपेड़ा	12	भू–भाग	लक्ष्मी सिंह पत्नी राकेश सिंह	सलोनी पत्नी धर्मेन्द्र	पंजी0 विक्रयपत्र
18	शुक्लापुर	13	भू–भाग	नुसरत अली पुत्र छुट्टन अली	जहीर हसन पुत्र नजीर हसन, जमीर हसन पुत्र सगीर हसन परबीन वानो पत्नी सगीर हसन	पंजी0 विक्रयपत्र
19	पूर्वी लखपेड़ा	14	दुकान	मो० उसैद उमर पुत्र मो० उमर	फात्मा पुत्री मो० अली	पंजी0 विक्रयपत्र
20	बाजार गंज	17	मकान	राम देवी पत्नी शिव कुमार	सुशीला कुमार गुप्ता पुत्र रामदास	पंजी0 विक्रयपत्र
21	पूर्वी ल0	15	भू–भाग	अब्दुल हमीद पुत्र पीरबक्श	नाजिमा बेगम पत्नी अब्दुल हमीद	दान पत्र
22	पूर्वी ल0	15	दुकान	रशिम कपूर पत्नी सुनील कपूर	ओमदत्त शर्मा पुत्र बद्री प्रसाद शर्मा व विजय शर्मा पुत्र ओमदत्त शर्मा	पंजी0 विक्रयपत्र
23	पूर्वी ल0	15	भू–भाग	रणवीर सिंह पुत्र मलकीत सिंह	वीना शर्मा पत्नी विजय शर्मा	पंजी0 विक्रयपत्र
24	बाजार गंज	17	भू–भाग	हरमाया सिंह पुत्र डालचन्द्र	सुषमा यादव पत्नी संजय यादव	वसीयत
25	बाजार गंज	18	भू–भाग	राम लखन रस्तोगी पुत्र केदारनाथ रस्तोगी	अनमोल रस्तेगी पुत्र दीनानाथ रस्तोगी	वसीयत
26	बाजार खुर्द	18	दुकान	सचिन गुप्ता व वरूण गुप्ता पुत्रगण ओंकारनाथ गुप्ता	शाहीन पत्नी रियाजुद्दीन	पंजी0 विक्रयपत्र
27	बाजार खुर्द	20	भू–भाग	मदन लाल कटियार, मोहन लाल कटियार सुरेश चन्द्र करियार व दीपक कटियार पुत्रगण रामकिशुन कटियार	रिजवान अली पुत्र अजमतुल्ल, शिवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र जिरोन्द्र वहादुर सिंह, आलोक वर्मा पुत्र शिव कुमार वर्मा	पंजी0 विक्रयपत्र
28	देवीस्थान	21	मकान	भो शकील अहमद पुत्र गो० रफीक अहमव	मो० तौसीफ पुत्र अजीजुल्ला	पंजी0 विक्रयपत्र
29	शंकरपुर	1	दुकान	खेभ करन लाल वर्मा पुत्र दीन दयाल	सुनील कुमार वर्मा पुत्र खेग करन लाल	वरासत
30	बाजार गंज	2	मकान	रेश्मा देवी पत्नी बालक राम	सुनील कुमार पुत्र बालक राम	वरासत
31	पूर्वी ल0	7	दुकान	खेम करन लाल वर्मा पुत्र दीन दयाल	लक्ष्मीकान्त वर्मा पुत्र खेमकरन लाल वर्मा	वरासत
32	सरैया	9	मकान दो मंजिला	जकी उल्ला पुत्र शराफत	वाकिफ पुत्र जकी उल्ला	वरासत
33	भीतर मोहम्मदी	11	मकान	शिव कुमार उर्फ मक्कू पुत्र रामकिशुन	मुन्नी देवी पत्नी शिव कुमार व कुलदीप व प्रदीप पुत्रगण शिव कुमार	वरासत
34	भीतर मोहम्मदी	11	मकान	शिव कुमार उर्फ मक्कू पुत्र रामकिशुन	मुन्नी देवी पत्नी शिव कुमार व कुलदीप व प्रदीप पुत्रगण शिव कुमार	वरासत
35	शुक्लापुर	13	मकान	श्यामाचरन गुप्ता पुत्र नन्हू लाल	गायत्री गुप्ता पत्नी श्यामाचरन गुप्ता व अतुल कुमार गुप्ता पुत्र श्यामाचरन व रचना गुप्ता पत्नी अचल कुमार गुप्ता सौम्या गुप्ता पुत्री अचल कुमार गुप्ता कार्तिकेय गुप्ता पुत्र अचल कुमार गुप्ता	वरासत
36	शुक्लापुर	16	मकान	छुट्टन खां पुत्र असालत खां	माजिदा पुत्री छुट्टन	वरासत
37	शुक्लापुर	16	मकान व दुकान	श्याम सुन्दर पुत्र श्याम विहारी	सुनील कुमार देवल पुत्र श्याम विहारी	वरासत
38	शुक्लापुर	16	प्लॉट	समीउल्ला पुत्र शकरूल्ला	ताहिरा पत्नी समीउल्ला व मो० यूसुफ, मो० कय्यूम, मो० अय्यूब पुत्रगण समीउल्ला	वरासत
39	भीतर मोहम्मदी	19	मकान	जगदीश प्रसाद पुत्र नत्थू लाल	उमेश कुमार व सोवरन लाल पुत्रगण जगदीश	वरासत
40	भीतर मोहम्मदी	19	प्लॉट/मकान	मो० उसमान पुत्र रूहुल्ला	मो० सुलेमान व मो० अरसलान पुत्रगण मो० उसमान	वरासत
41	भीतर मोहम्मदी	19	मकान	शराफत पुत्र घसीटे	हनीफा पत्नी श्राफत व इमरान सलमानी, गुफरान, रिजवान पुत्रगण शराफत	वरासत

अधिशासी अधिकारी **अध्यक्ष**

पुलिया का अप्रोच टूटकर बहा, आवागमन बाधित

हलिया (मिर्ज़ापुर)। ड्रमण्डगंज क्षेत्र के बबुरा रघुनाथ सिंह ग्राम पंचायत के मझिले नाले पर बनी पुलिया का अप्रोच बारिश में बह जाने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों हुई तेज बारिश के कारण मझिले नाले पर आई बाढ़ से नाले का एक छोर अप्रोच पानी में बह गया बारिश के दिनों में ग्रामीणों को आवागमन की समस्या को देखते हुए पंद्रह वर्ष पहले ग्रामीणों के मांग पर पूर्व विधायक सूर्यभान द्वारा पुलिया का निर्माण कार्य कराया था बाढ़ में पुलिया का अप्रोच बह जाने से ग्रामीणों का मुख्य मार्ग से सम्पर्क टूट गया है। ग्रामीण अर्पित सिंह, अभिनेश प्रताप सिंह, राजेंद्र पाल, गोकुला, बिंद्रा शर्मा, मुन्नी लाल, बब्बू पाल, चिंतामणि आदि ने बताया की चार दिन पूर्व मझिला नाला में आई तेज बाढ़ से पुलिया का अप्रोच रोड़ टूटकर बह गया। इस रास्ते से प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण आवागमन करते है पुलिया का अप्रोच रोड़ बहने से ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। ग्रामीणों ने आवागमन में दिक्क़तो का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आवागमन की समस्या को देखते हुए जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त पुलिया के अप्रोच रोड का निर्माण करवाए जाने की मांग की है।

जिलाधिकारी ने जिला पुस्तकालय का किया निरीक्षण, बुनियादी सुविधाएं सुधारने के दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने राजकीय जिला पुस्तकालय का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और संचालन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुस्तकालय में पेयजल की समुचित व्यवस्था, बैठने के लिए पर्याप्त और सुव्यवस्थित स्थान, साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था तथा भवन की रंगाई-पुताई जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पुस्तकालय जनसामान्य के अध्ययन का केंद्र होता है, इसलिए वहां बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है।

सर्पदंश से महिला की मौत

हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के करौदीया गांव में सोमवार की रात्रि में महिला को सर्प ने दंस लिया जिससे महिला की हालत बिगड़ने पर परिजनों द्वारा उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर गए जंहा पर चिकित्सक द्वारा महिला को मृत घोषित कर दिया महिला के पति की सूचना पर पुलिस में महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला के परिजनों में कोहरा मच गया है आलिया थाना क्षेत्र के करौदिया गांव निवासी मुलाई पाल की 45 वर्षीय पत्नी निर्मल को सोमवार की रात्रि में लगभग 1.30 बजे कान के नीचे डांस लिया जिससे महिला की हालत बिगड़ने पर महिला के परिजनों ने महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल मिर्जापुर लेकर गए जहां पर चिकित्सा में महिला को मृत घोषित कर दिया। महिला के पति की सूचना पर हालिया पुलिस में महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृत महिला को दो पुत्र व पुत्री है। महिला की मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक हलिया वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सर्वप्रथम से महिला की मौत की सूचना मिलने पर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

मां दुर्गा काली मंदिर पर भक्तों ने किया दर्शन पूजन

चुनार (मिर्जापुर)।स्थानीय क्षेत्र के दुर्गा काली खोह स्थित मां दुर्गा काली मंदिर पर श्रावण मास के प्रथम मंगलवार को भारी संख्या में पहुंचे भक्तों ने मां का दर्शन पूजन किया। इस दौरान घंटा घड़ियाल व मां के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो।सुबह से ही श्रद्धालुओं का रेला मंदिर पर पहुंचने लगा और कुंड में नहाने के बाद मंदिर परिसर में सजाए गए दुकानों से माला फूल और नारियल चुनरी, पेड़ा, लड्डु आदि प्रसाद लेकर कतार में खड़े होकर मां का जयकारे लगाते हुए गर्भगृह में पहुंच कर मां को भोग लगाया और दर्शन पूजन कर मां के चरणों में माथा टेक आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही काली खोह स्थित दक्षिणेश्वर काली माता का दर्शन पूजन किया। गर्भगृह में मौजूद पुजारी शिवानंद पूरी,आनंद उपाध्याय ने श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन कराया।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने लगाई आग, झुलसी

हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव निवासी महिला ने मंगलवार की दोपहर संदिग्ध परिस्थितिओ में केरोसिन डालकर आग लगा लिया जिससे महिला गंभीर रूप से झूलस गई। महिला को बचाने के लिए पहुँचे पति भी आंशिक रूप से झूलस गया महिला को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आया जंहा पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार करने के बाद ट्रामा सेंटर मिर्ज़ापुर के लिए रेफ्र कर दिया है। महिला की हालत गंभीर बनी हई है। थाना क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव निवासी सुरेंद्र कुमार की 28 वर्षीय पत्नी शिव कुमारी ने मंगलवार की दोपहर अपने पत्नी से किसी बात को लेकर कहासूनी करने के बाद अपने ऊपर केरोसिन डालकर आग लगा लिया जिससे महिला गंभीर रूप से झूलस गई। महिला को बचाने के लिए पहुंचे महिला के पति भी आंशिक रूप से झूलस गया और पत्नी को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आया जंहा पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने महिला का प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखकर ट्रामा सेंटर के लिए रेफ्र कर दिया है। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने बताया की केरोसिन से गंभीर रूप से जलकर एक महिला गंभीर रूप से झूलसकर आई थीं उपचार के बाद ट्रामा सेंटर मिर्ज़ापुर के लिए रेफ्र कर दिया गया है महिला की हालत नाजुक है।

भारत सरकारः रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, मानक नगर, लखनऊ-226011
विद्युत अनुरक्षण अनुभाग

संख्या : PGL/Advt/2025 **खुली ई–निविदा सूचना** दिनांक : 15.07.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विद्युत अनुरक्षण अनुभाग, अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, मानक नगर, लखनऊ, द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	बयाना राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समय अवधि	जमा करने की अन्तिम तारीख व समय
04-2025-25	अ.अ.मा.सं., लखनऊ में स्वतंत्रता दिवस/गणतंत्र दिवस के अवसर पर सेवा भवनों में एलईडी लाइटों द्वारा तीन वर्षों के लिए सजावट का कार्य ।	627642.03	12600.00	00.00	36 माह	07/08/2025 को 15.00 बजे तक

उपरोक्त ई–निविदा प्रपत्र वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। उपरोक्त निविदा के लिए केवल ई–निविदा ही स्वीकार्य होगी। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के लिए सीआरआईएस/नई दिल्ली के सहायता प्रकोष्ठ में संपर्क कर सकते हैं। फोन नं0 011–23761525

(प्रवीन चन्द्र यादव) ए.डी.ई./ई.एम.एस.
कृते महानिदेशक अ.अ.मा.सं., लखनऊ

सरजू सहकारी चीनी मिल्स लि0, बेलरायां-खीरी

पत्रांक : 358/प्र0प्र0/2025-26 दिनांक : 14/07/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

इस मिल समिति में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मकारों की आपूर्ति हेतु मिल की निविदा सूचना संख्या-332/पीओ/जन-6/2025-26 दिनांक-05.07.2025 के माध्यम से जेम पोर्टल पर ई-निविदा आमंत्रित की गयी थी। उक्त निविदा तकनीकी कारणवश पोर्टल पर अपलोड नहीं की जा सकी। अब उक्त निविदा दिनांक-15.07.2025 से पोर्टल पर अपलोड की जायेगी एवं दिनांक-28.07.2025 को कमेटी के समक्ष खोली जायेंगी। उक्त के अतिरिक्त निम्न विवरण के अनुसार कोटेशन आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर धनराशि एवं निविदा फार्म का मूल्य सम्मुख अंकित है। एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने एवं निविदा तिथि में परिवर्तन करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।

S.No.	Name of the item	Starting date of uploading of E-date at Tender	End date of uploading of E-Tender	Technical & Commercial bid opening date at 12.30pm	E.M.D. (in Rs.)
1-	Supply of manpower through outsourcing (Through Gem Portal)	15-07-2025	27-07-2025	28-07-2025	1500000/- (EMD) 1180/- (form fee)
2-	Supply of Input Pinion suitable for Elecon Make Gearbox Type & Size: SBN-500, Ratio 11.2:1 as per existing Sr. No. WHG 19522 RD & WHG 19519 RD. (HSN Code: 84839000) **(Only Manufacturer/Authorised dealer)**	Quotation will be sent till 18-07-2025 till - 12.00PM through Mail-kscm.belrayan@gmail.com If any query contact - Mr Rajendra Kumar, Chief Engineer Mob no -7880888992			

प्रधान प्रबन्धक।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***

फोन : 0522-4043151

swatantrabharat77@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

जयशंकर ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से की मुलाकात

बीजिंग। भारत और चीन के बीच बीते कुछ वर्षों से चले आ रहे सीमा तनाव के बीच एक सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। यह मुलाकात शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर हुई। यह पहला मौका था जब जयशंकर

एससीओ बैठक में दिखा कूटनीतिक संवाद

ने सीमा पर हालिया तनाव कम होने के बाद शी जिनपिंग से सीधे बात की। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने शी जिनपिंग को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने भारत-चीन के द्विपक्षीय संबंधों में हाल के सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि दोनों देशों के नेताओं का मार्गदर्शन इस संबंध में काफी अहम रहा है और रिश्तों को नई दिशा देने में मदद कर रहा है। जयशंकर ने इसी एससीओ बैठक में सोमवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी द्विपक्षीय चर्चा की। इस बातचीत में उन्होंने बताया कि पिछले 9 महीनों में भारत और चीन के बीच संबंधों में 'अच्छी प्रगति' हुई है। खासकर सीमा पर तनाव कम हुआ है और शांति की स्थिति बनी है। उन्होंने यह भी कहा कि अब दोनों पक्षों को डि-एस्केलेशन और अन्य लंबित मुद्दों को हल करने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन को अपने मतभेदों को विवाद में नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा कभी संघर्ष का रूप नहीं लेनी चाहिए। भारत और चीन के बीच स्थिर और रचनात्मक संबंध केवल हमारे लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद हैं। उन्होंने इस संबंध को आपसी सम्मान, आपसी हित और संवेदनशीलता के आधार पर संभालने की जरूरत बताई।

मिनेल्ले फारूकी बनीं पाक की सबसे कम उम्र कमर्शियल पायलट

कराची। पाकिस्तान की सबसे युवा कमर्शियल महिला पायलट मिनेल्ले फारूकी ने महज 18 साल की उम्र में अपने सपनों की उड़ान हासिल कर ली है। वह पाकिस्तान की सबसे उम्र की कमर्शियल पायलट बन गई हैं। अपनी इस उपलब्धि पर बात करते हुए मिनेल्ले कहती हैं कि उड़ने का शौक उन्हें बचपन से ही था। मिनेल्ले के अनुसार, उड़ने का शौक मेरे डीएनए में था। शुरू से ही प्लेन देखकर मेरी उत्सुकता बढ़ जाती थी। मेरा घर कराची रनवे के बेहद करीब है। मैं बचपन से ही प्लेन को टेकऑफ और लैंड करते हुए देखती हूं। मुझे पता था कि मुझे भी बड़े होकर पायलट ही बनना है। मिनेल्ले ने महज 1 साल में 13 एविएशन एग्जाम पास किए हैं। इसपर मिनेल्ले कहती हैं : न सिर्फ लड़कियों बल्कि सभी के लिए मेरा यही संदेश है कि आप अपके अंदर किसी चीज का जुनून है, तो उसे जरूर फॉलो करिए।

रूस से तेल खरीद पर बिफरे अमेरिकी सांसद

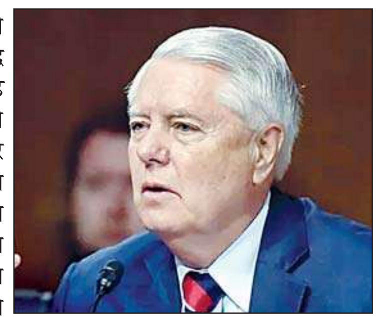

वॉशिंगटन। अमेरिकी सीनेटरों ने रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए कड़े आर्थिक उपायों की मांग की है। उनका मानना है कि अगर भारत, चीन और ब्राजील जैसे देश रूस से सस्ता तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं, तो ये देश अप्रत्यक्ष रूप से पुतिन की युद्ध मशीन को ताकत दे रहे हैं। इसीलिए अब इन देशों पर 500 फीसदी तक टैरिफ

भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की मांग

लगाने का प्रस्ताव लाया गया है। यह प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रखा है। इसे डोनाल्ड ट्रंप के हालिया ऐलान से समर्थन भी मिला है, जिन्होंने कहा है कि अगर रूस 50 दिनों के अंदर युद्ध नहीं रोकता, तो वे सेकेंडरी टैरिफ लगाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है ट्रंप का सेकेंडरी टैरिफ सीनेटर रिचर्ड का प्रस्ताव हो सकता है। सीनेटर ग्राहम और ब्लूमेंथल का कहना है कि जो देश रूस से सस्ता तेल और गैस खरीदते हैं, वे पुतिन की ताकत बढ़ा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे देशों पर 500% तक टैरिफ लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों को यह समझना चाहिए कि व्यापार के जरिए वे रूस की जंग को जिंदा रख रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने रूस पर पहले से ही कई स्तरों पर प्रतिबंध लगाए हुए हैं। अप्रैल 2025 में ग्राहम और ब्लूमेंथल ने मिलकर 'रूस प्रतिबंध अधिनियम 2025' नामक विधेयक पेश किया था। अब इसे ट्रंप के समर्थन से नई ऊर्जा मिली है। ब्लूमेंथल ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस बिल का मकसद सिर्फ सख्त प्रतिबंध लगाना नहीं है, बल्कि वैश्विक दबाव बनाकर पुतिन को शांति वार्ता के लिए मजबूर करना है।

एक नज़र

शहबाज ने बनाया नया केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जल्द ही हालात तेजी से बिगड़ने की संभावनाएं हैं क्योंकि शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना ने मिलकर पूरे विपक्ष को कुचलने का मन बना लिया है। पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई की प्रस्तावित राष्ट्रीय आंदोलन की चेतावनी के बीच पाकिस्तान सरकार ने जिस तरह से एक नए केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'फेडरल कॉन्स्टेबुलरी' के गठन की घोषणा की है, वह स्पष्ट संकेत देता है कि पाकिस्तान का शासक वर्ग अब लोकतंत्र के नाम पर सैन्य ताकत के सहारे विपक्ष को पूरी तरह कुचलने की तैयारी में है। नई फोर्स को देश के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में पहले से तैनात फ्रंटियर कॉन्स्टेब्युलरी (एफसी) का विस्तार कहा जा रहा है। फर्क बस इतना है कि अब इसे 'राष्ट्रीय' सुरक्षा बल का दर्जा देकर पूरे देश में विरोध-प्रदर्शनों को दबाने और आतंकवाद से निपटने के नाम पर तैनात किया जा सकेगा। इसलिए इमरान खान के समर्थकों और मानवाधिकार संस्थाओं का संदेह वाजिब है कि इस फोर्स का असल मकसद आंतरिक सुरक्षा नहीं, बल्कि राजनीतिक असहमति को बलपूर्वक दबाना है।

सितंबर में ब्रिटेन दौरे पर जाएंगे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सितंबर में ब्रिटेन का राजकीय दौरा करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का यह दौरा 17 से 19 सितंबर के बीच होगा। गौरतलब है कि ट्रंप की यह ब्रिटेन की दूसरी राजकीय यात्रा होगी और ऐसा करने वाले ट्रंप अमेरिका के पहले राष्ट्रपति हैं। ट्रंप के ब्रिटेन दौरे पर किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला विंडसर कैसल में ट्रंप का स्वागत करेंगे। ब्रिटेन दौरे पर ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप भी साथ रहेंगी। विंडसर कैसल ने सोमवार को ट्रंप के दौरे की पुष्टि की। किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को अभी तक ब्रिटेन की दूसरी राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। ट्रंप ने इससे पहले साल 2019 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ब्रिटेन की राजकीय यात्रा की थी और उस वक्त ब्रिटेन की दिवंगत महारानी क्वीन एलिजाबेथ ने उनका स्वागत किया था। अब वे दूसरी बार सितंबर में ब्रिटेन की राजकीय यात्रा करने वाले हैं।

इंडोनेशिया में समुद्री तूफान, तीन बच्चों समेत 11 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत के मेंटावाई द्वीपों के पास सोमवार को एक स्पीडबोट के पलटने से बड़ा हादसा हो गया। इस नौका पर कुल 18 लोग सवार थे, जिनमें से 11 लोग, जिनमें तीन बच्चे और एक स्थानीय सांसद भी शामिल हैं, अब तक लापता हैं। घटना उस समय हुई जब नाव तूफान के बीच तेज लहरों की चपेट में आ गई। स्पीडबोट ने दोपहर में मेंटावाई द्वीपों के सिकाकप शहर से टुआपेजत शहर के लिए सफर शुरू किया था। यह यात्रा सामान्यतः दो घंटे से कम की होती है, लेकिन रास्ते में अचानक तूफान और तेज लहरों के कारण नाव सिपोरा जलडमरूमध्य में पलट गई। नाव में सवार 18 लोगों में से अधिकतर स्थानीय प्रशासन से जुड़े अधिकारी थे, जिनमें दो क्रू मेंबर भी शामिल थे।

कुएं में मिला पटना में लापता बैंक मैनेजर का शव

पटना। पटना में लापता हुए बैंक मैनेजर अभिषेक वरुण का शव सोमवार को बेउर जेल इलाके में एक कुएं में मिला। पुलिस को उसी कुएं में डूबा हुआ उनका स्कूटर भी मिला। अभिषेक वरुण पटना में आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे और कंकड़बाग इलाके में रहते थे। परिवार के अनुसार, रविवार रात वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रामकृष्ण नगर इलाके में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह के बाद, उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चों को घर लौटने के लिए कहा और खुद समारोह स्थल पर ही रुक गए। उनकी पत्नी ने बताया कि घर पहुँचने के बाद उन्होंने अभिषेक को फोन किया तो उसने बताया कि वह रास्ते में हैं। सुबह लगभग 3 बजे उसने फिर फ़ोन किया और बताया कि उसका एक्सीडेंट हो गया है। उसके बाद उसका फ़ोन बंद हो गया और फिर कोई संपर्क नहीं हो पाया। परिवार ने अगली सुबह जल्दी ही उसकी तलाश शुरू कर दी, आस-पास के अस्पतालों और बाईपास इलाके में तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

ओडिशा में महिलाओं की सुरक्षा स्थिति बेहद चिंताजनक

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर जिले में आत्मदाह करने वाली छात्रा की मौत ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और प्रशासनिक संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बालासोर की यह छात्रा पिछले महीने कॉलेज में उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना से त्रस्त होकर अपने ही शरीर पर केरोसिन डालकर आत्मदाह कर बैठी थी। उसे गंभीर हालत में भुवनेश्वर एम्स की बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया था, लेकिन आज उसकी मौत हो गई। छात्रा के परिजनों का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन और स्थानीय पुलिस ने शुरू से ही मामले को दबाने की कोशिश की, जिस कारण समय रहते न्याय नहीं मिला। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, ओडिशा उन राज्यों में शामिल है जहां महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। ओडिशा में बलात्कार, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न, दहेज हत्या, एसिड अटैक जैसे अपराधों में इजाफा दर्ज हुआ है। पिछले तीन वर्षों में ही ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 20 प्रतिशत से अधिक बढ़े हैं।

नवी मुंबई में दसवीं मंजिल से कूदकर किशोरी ने दी जान

मुंबई। नवी मुंबई के सीवुड्स इलाके में एक 15 वर्षीय किशोरी ने कथित तौर पर दसवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। एनआरआई सागरी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की को पास के एक अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और अब रिपोर्ट का इंतजार है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर कोई 'सुसाइड नोट' नहीं मिला और आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

उर्दू थोपने के उमर सरकार के फैसला कैट ने पलटा

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक ऐसा पक्षपातपूर्ण और तुष्टिकरण वाला फैसला लिया था जिससे जम्मू-कश्मीर के युवाओं को तहसीलदार की नौकरी हासिल करने के लिए समान अवसर नहीं मिल पाते। इसलिए युवाओं और केंद्र शासित प्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने इस फैसले का जमकर विरोध किया और इसे केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में चुनौती दी गयी जिसने उमर अब्दुल्ला सरकार के फैसले को पलट दिया। हम आपको बता दें कि तहसीलदार पद के लिए उर्दू भाषा का ज्ञान अनिवार्य था जिससे जम्मू-कश्मीर के युवा बेहद परेशान थे क्योंकि खासतौर पर जम्मू क्षेत्र में बहुत कम छात्र स्कूल में उर्दू पढ़ते हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध की गोपनीय जानकारी विदेशी डेटिंग साइट पर की थी साझा

वाशिंगटन। अमेरिकी वायु सेना के एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी ने यह बात स्वीकार की है कि उसने रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ी गोपनीय जानकारी एक विदेशी ऑनलाइन डेटिंग साइट पर साझा की थी। उनके इस अपराध की स्वीकारोक्ति के बदले में उनके खिलाफ चल रहे दो अन्य मामलों को खत्म कर दिया गया है। अब 8 अक्टूबर को उन्हें सजा सुनाई जाएगी। माना जा रहा है कि उन्हें 5 साल 10 महीने से लेकर 7 साल 3 महीने तक की जेल हो सकती है। इस अपराध की अधिकतम सजा 10 साल की हो सकती है। 64 वर्षीय डेविड स्लेटर, जो पहले अमेरिकी वायु सेना में थे और बाद में एक नागरिक कर्मचारी के रूप में नेब्रास्का के ऑफुट वायु सेना अड्डे पर काम कर रहे थे, ने बृहस्पतिवार को ओमाहा में एक संघीय मजिस्ट्रेट की अदालत में स्वीकार किया कि उन्होंने एक विदेशी महिला के साथ गोपनीय जानकारी साझा करने की साजिश रची थी। यह महिला खुद को यूक्रेन की बताती थी और उनसे एक डेटिंग साइट पर मिली थी।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों से नहीं डरते : रूस

मॉस्को। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर दबाव बढ़ा दिया है। उन्होंने धमकी दी है कि अगर रूस 50 दिनों के भीतर यूक्रेन पर हमला बंद नहीं करता, तो अमेरिका उसकी अर्थव्यवस्था पर 100 प्रतिशत तक के भारी टैरिफ लगाएगा। लेकिन रूस ने इस चेतावनी को सिरे से खारिज कर दिया है। रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने सरकारी समाचार एजेंसी तास से बातचीत में कहा, हम किसी भी तरह के अल्टीमेटम को स्वीकार नहीं करते। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि ट्रंप की टिप्पणी गंभीर है और मास्को इसे विस्तार से समझने की कोशिश करेगा। वाइट हाउस में नाटो प्रमुख मार्क रुट्टे के साथ बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा, अगर 50 दिन में समझौता नहीं हुआ तो हम बेहद कड़े टैरिफ लगाएंगे, लगभग 100 प्रतिशत तक। ट्रंप ने यह भी बताया कि यूक्रेन को हथियारों की एक नई खेप भेजी जाएगी, जिसमें पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम शामिल होगा। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अमेरिका इसके लिए भुगतान नहीं करेगा। ट्रंप के बयान के बाद रूस ने साफ कर दिया है कि वह किसी तरह की धमकी या दबाव में नहीं झुकेगा।

अमेरिकी टैरिफ पर यूरोपीय संघ करेगा जवाबी कार्रवाई

ब्रुसेल्स। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 30 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद यूरोपीय संघ भी जवाबी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। यूरोपीय संघ के व्यापार मंत्रियों की ब्रुसेल्स में बैठक हुई, जिसमें अमेरिका द्वारा लगाए गए 30 प्रतिशत टैरिफ को अस्वीकार्य बताया गया। यूरोपीय संघ के व्यापार मंत्रियों ने कहा कि भारी टैरिफ के सरकारों, कंपनियों, उपभोक्ताओं पर विपरीत प्रभाव पड़ सकते हैं। यूरोपीय संघ अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और साथ ही दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारिक ब्लॉक भी है।

'एक सप्ताह में भारत-पाक में छिड़ सकता था परमाणु युद्ध'

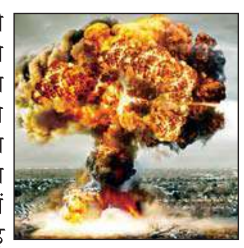

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान युद्धविराम का फिर से श्रेय लेते हुए दावा किया कि अगर ऐसा नहीं होता तो दोनों देशों में परमाणु युद्ध छिड़ सकता था। ट्रंप ने नाटो के प्रमुख से मुलाकात के दौरान यह दावा किया।

फिर क्रेडिट लेने को बेताब दिखे ट्रंप

ट्रंप ने कहा, मैं व्यापार को दबाव वाले हथियार की तरह इस्तेमाल कर दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाया और स्थिति को शांत किया। ट्रंप इससे पहले भी 15 बार से ज्यादा बार युद्ध रुकवाने का दावा कर चुके हैं हालांकि भारत उनके दावे को खारिज कर चुका है। ट्रंप ने कहा, हम युद्ध सुलझाने में बहुत सफल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान... आप जान लें, वो एक हफ्ते के भीतर परमाणु युद्ध की ओर बढ़ रहे थे। स्थिति बेहद खराब हो चुकी थी। हमने इसे व्यापार के जरिए सुलझाया। मैंने साफ कहा कि जब तक ये मामला हल नहीं होगा, तब तक व्यापार पर कोई बातचीत नहीं होगी।

यूलिया स्विरीडेंको बनीं यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूलिया स्विरीडेंको को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। वहीं लंबे समय से इस पद पर रहे निवर्तमान पीएम डेनिस शम्हाल को नया रक्षा मंत्री बनाया गया है। निवर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तेम उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का नया राजदूत बनाया जा सकता है। स्विरीडेंको इससे पहले यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री पद पर तैनात थीं। नई नियुक्तियों को यूक्रेनी संसद की मंजूरी जरूरी होगी। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही जिस तरह से पूरी संसद राष्ट्रपति जेलेंस्की के पीछे लामबंद है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि नई नियुक्तियों को मंजूरी मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

संयुक्त राष्ट्र का दावा, कमजोर हो रहा बचपन

संयुक्त राष्ट्र। बचपन अब कमजोर होता जा रहा है। सही खुराक और टीका न लगने से बच्चों का विकास रुक रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने दावा किया है कि साल 2024 में दुनियाभर में 1.4

2024 में नौ देशों के 1.4 करोड़ बच्चों को नहीं लगा एक भी टीका

करोड़ बच्चे ऐसे थे, जिनको एक भी टीका नहीं लगा। इनमें से आधे से अधिक 52 फीसदी बच्चे दुनिया के नौ देशों में हैं। इन देशों में नाइजीरिया, भारत, सूडान, कांगो, इथियोपिया, इंडोनेशिया, यमन, अफगानिस्तान और अंगोला शामिल हैं। वैश्विक टीकाकरण कवरेज के वार्षिक अनुमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ ने कहा कि एक वर्ष से कम उम्र के लगभग 89 प्रतिशत बच्चों को 2024 में डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी के टीके की पहली खुराक मिल गई। जबकि लगभग 85 प्रतिशत ने तीन-खुराक ली। इसके अलावा करीब 1.4 करोड़ बच्चे ऐसे रहे जिनको एक भी खुराक नहीं मिली। अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका की ओर से अंतरराष्ट्रीय सहायता बंद होने से असुरक्षित बच्चों की संख्या कम करना और मुश्किल हो जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार टीके हर साल 35 लाख से 50 लाख मौतों को रोकते हैं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा कि सहायता में भारी कटौती और टीकों की सुरक्षा के बारे में गलत सूचना के कारण दशकों की प्रगति पर खतरा मंडरा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि टीकों तक पहुंच बेहद असमान है। संघर्ष व मानवीय संकटों ने प्रगति को तेजी से प्रभावित किया है। डिप्थीरिया, टिटनेस और काली खांसी के खिलाफ सबसे कम कवरेज सूडान में दर्ज किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ ने कहा है कि खसरे के खिलाफ कवरेज में मामूली इजाफा हुआ है। दुनिया भर में 76 प्रतिशत बच्चों को दोनों टीके लग चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बेहद संक्रामक बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए खसरे के टीके की दर 95 प्रतिशत तक पहुंचनी चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि पिछले साल 60 देशों में खसरे के बड़े प्रकोप देखे गए। अमेरिका में तीन दशकों से भी अधिक समय में खसरे का सबसे बुरा प्रकोप चल रहा है, जबकि यह रोग पूरे यूरोप में फैल गया है। जहां 2024 में 1,25,000 मामले सामने आए। पिछले सप्ताह ब्रिटिश अधिकारियों ने बताया कि लिवरपूल के एक अस्पताल में खसरे से एक बच्चे की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि ब्रिटेन में केवल 84 प्रतिशत बच्चे ही इससे सुरक्षित हैं।

सीरिया में सैन्य टैंकों पर इजरायली हमला

बुसरा अल-हरीर। इजरायली सेना ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उसने सीरिया के दक्षिणी हिस्से में कुछ सैन्य टैंकों पर हमला किया है। यह हमला उस समय हुआ, जब वहां सीरियाई सरकारी बलों और बेडौइन जनजातियों की ड्रूज मिलिशिया के

सरकारी बलों और ड्रूज मिलिशिया संघर्ष में 30 की मौत

बीच झड़प हुई थी। सीरिया में 13 साल से गृहयुद्ध चल रहा है और अब भी वहां शांति पूरी तरह नहीं लौटी है। दक्षिणी सीरिया के स्वेदा प्रांत में स्थानीय मिलिशिया और कबीलों के बीच लड़ाई में दर्जनों लोग मारे गए हैं। सोमवार को जब सरकारी सुरक्षा बल शांति बहाल करने के लिए पहुंचे, तो उनकी भी सशस्त्र समूहों के साथ झड़प हुई। सीरिया के गृह मंत्रालय ने बताया कि अब तक 30 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और करीब 100 लोग घायल हुए हैं। सीरिया के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नूरेद्दीन अल-बाबा ने बताया कि कुछ झड़पें गैरकानूनी सशस्त्र समूहों के साथ हुईं, लेकिन हमारी कोशिश है कि आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो।

मंदीप कौर पहले थीं एक स्कूल टीचर!

पॉपुलर शो 'वसुधा' में महत्वपूर्ण किरदार निभा रहीं मंदीप कौर का सफर कैमरे के सामने नहीं बल्कि क्लासरूम से शुरू हुआ था। एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले मंदीप एक समर्पित स्कूल टीचर थीं, जो सेकेंडरी स्कूल के बच्चों को पढ़ाती थीं। उनके लिए पढ़ाना सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि एक जुनून था। लेकिन रोज़मर्रा की उस सादगी भरी ज़िंदगी में एक क्रिएटिव इंसान छिपा हुआ था, जो पहली बार तब सामने आया जब उन्होंने एक टेलीविजन ऐड के लिए ऑडिशन दिया। एक छोटे-से प्रयोग से शुरू हुआ ये सफर धीरे-धीरे उनका पेशा बन गया। ऐड फिल्मों से लेकर पंजाबी सिनेमा और अब हिंदी टेलीविजन तक, मंदीप ने अपने किरदारों के साथ खुद को एक कलाकार के रूप में लगातार तराशा है। मंदीप ने कहती हैं, ''पढ़ाना मेरे लिए सिर्फ काम नहीं था - वो मेरी पहचान का हिस्सा था। मुझे क्लासरूम की एनर्जी पसंद थी, हर दिन नए विचारों का आदान-प्रदान और अपने स्टूडेंट्स को आगे बढ़ते देखना एक सुकून देता था। लेकिन ज़िंदगी अक्सर हमें ऐसे रास्तों पर ले जाती है जिनके बारे में हमने कभी नहीं सोचा होता! एक छोटे से टीवी ऐड के लिए पहली बार कैमरे के सामने गई, तो कुछ अलग ही महसूस हुआ - जैसे पहली बार खुद को सही मायनों में देखा हो। एक्टिंग मेरे लिए एक नई भाषा बन गई, जिससे मैं वो सब कह सकी जो शब्दों में कह नहीं पाती थी। एक मौका मिला, फिर दूसरा और यूं धीरे-धीरे ये मेरा रास्ता बन गया।'' मालूम हो कि 'वसुधा', रोज रात सवा दस बजे ज़ी टीवी पर प्रसारित है।

सोनल पंवार का मानसून फैशन मंत्र!

मानसून का मौसम अपने साथ लाता है ठंडी फुहारों की ठंडक, मिट्टी की सौंधी खुशबू और फैशन में थोड़ी सी चुनौती। ऐसे मौसम में स्टाइल और कंफर्ट का तालमेल ज़रूरी हो जाता है। एण्डटीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में मलाइका की भूमिका निभा रहीं लोकप्रिय अभिनेत्री सोनल पंवार ने बताया कि कैसे वह मानसून के मौसम में भी स्टाइलिश बनी रहती हैं- कंफर्ट, कलर और समझदारी भरे फैशन के साथ। उन्होंने कहा कि वॉटर-फ्रेंडली फुटवियर की बात हो या मॉइश्चर-प्रूफ एक्सेसरीज़ की, ये मानसून फैशन को मज़ेदार और स्टाइलिश बना देती हैं! 'हप्पू की उलटन पलटन' में मलाइका का किरदार अदा कर रहीं सोनल पंवार ने कहा, ''मेरे लिये मानसून फैशन का मतलब है स्मार्ट और स्टाइलिश दोनों होना। मैं आमतौर पर एंकल-लेंथ ड्रेसेज़ या घुटनों तक की कुर्तियां पहनना पसंद करती हूं, ताकि बाहर निकलते समय कपड़े कीचड़ से बच सकें। इस मौसम में मलमल और रेयॉन जैसे फैब्रिक बेहतरीन रहते हैं क्योंकि ये जल्दी सूखते हैं और शरीर से चिपकते नहीं। मैं नेवी ब्लू, एमराल्ड ग्रीन और मैरून जैसे डार्क कलर्स पसंद करती हूं क्योंकि ये बारिश के मौसम में ज्यादा उपयुक्त होते हैं और इन पर पानी के दाग भी नहीं दिखते। डेनिम तो मैं पूरी तरह से अवॉइड करती हूं और उसकी जगह ढीली पैंट्स या लेगिंग्स पहनती हूं। फुटवियर की बात करें तो मुझे स्टाइलिश रबर सैंडल या क्रॉक्स बहुत पसंद हैं, क्योंकि ये फैशनेबल भी होते हैं और आरामदायक भी। एक रंग-बिरंगी प्रिंट वाली छोटी छतरी और वॉटरप्रूफ स्लिंग बैग मेरे मानसून लुक को पूरा करते हैं।''

बिहार में अगले पांच सालों के दौरान एक करोड़ नौकरियां

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने मंगलवार को 30 प्रमुख प्रस्तावों को मंजूरी दे दी, जिनमें अगले पाँच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोज़गार देने की योजना भी शामिल है। इस साल के अंत में होने वाले राज्य चुनावों से पहले घोषित इस फ़ैसले को सत्तारूढ़ एनडीए सरकार द्वारा बिहार में बढ़ती बेरोज़गारी और रोज़गार सृजन पर कथित निष्क्रियता को लेकर विपक्ष की आलोचना का जवाब देने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले रविवार को, मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में इसी तरह की घोषणा की थी, जिसमें उन्होंने यह भी दावा किया था कि 2005 से 2020 के बीच बिहार में आठ लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी गईं।

बाजार दर्पण

उत्सव लॉन्स
गोरखपुर में
शादी-विवाह एवं अन्य शुभ आयोजनों हेतु।
अलहदादपुर, गोरखपुर
फोनः- 0551-2338099
+918400085593

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
विराम खण्ड, राम भवन के सामने गोमती नगर लखनऊ
मोबाइलः 9415016089